अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 16°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, गुरुवार 12 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 213 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 7 विक्रमी सम्वत् 2082 22 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र के कई शहरों में धुंध, दृश्यता घटी, 15 मार्च से बारिश के आसार पेज 2

अभिषेक-ईशान की जोड़ी ने टी-20 बैटिंग रैंकिंग में पहले दो स्थान हासिल किए खेल टाइम्स

लड़ाकू विमान अपग्रेड : भारत का वायु रक्षा में क्रांतिकारी कदम सम्पादकीय

टॉप लीडरशिप खत्म, फिर भी जंग लड़ रहा ईरान पेज 12

भारत आ रहे थाई जहाज पर होर्मुज स्ट्रेट में हमला

ओमान की नौसेना ने 20 क्रू सदस्यों का किया रेस्क्यू, तीन अभी भी लापता

■ व्यापारी जहाजों पर हमलों में दो भारतीयों की मौत, एक लापता

तेल अवीव/तेहरान। भारत आ रहे थाईलैंड के एक कार्गो जहाज पर होर्मुज स्ट्रेट में हमला हुआ है। ओमान के पास चल रहे इस जहाज को प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाया गया। थाईलैंड के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद 23 में से 20 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। थाई झंडे वाला यह बल्क कैरियर मयूरी नारी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से रवाना हुआ था।

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय जहाज के पिछले हिस्से पर हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई। बताया गया है कि तीन लापता क्रू सदस्य उस समय इंजन रूम में ड्यूटी पर थे। कैप्टन के आदेश पर बाकी क्रू ने जहाज छोड़ दिया और लाइफबोट में सवार हो गए। ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर को बचाकर खसाब शहर पहुंचाया। थाईलैंड के अधिकारियों के मुताबिक रायल थाई नेवी स्थिति पर नजर रखे हुए है और बचाव अभियान के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच व्यापारी जहाजों पर हुए हमलों में दो भारतीयों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति लापता है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को दी। जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार खाड़ी क्षेत्र में रह रहे भारतीय नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

होर्मुज के आसपास संकट गहराया

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्र में बड़ी सैन्य कार्रवाई का दावा किया है। अमेरिकी सेना के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान की कई नौकाओं को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया, जिनका इस्तेमाल समुद्र में बारूदी सुरंगें (नैवल माइन) बिछाने के लिए किया जा सकता था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 10 मार्च को अमेरिकी बलों ने ईरान की

■ अमेरिका ने तबाह किए ईरान के 16 माइन बिछाने वाले जहाज

कई नौसैनिक नौकाओं पर हमला किया, जिनमें 16 माइन बिछाने वाली नावें शामिल थीं। कमांड ने इस कार्रवाई का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें समुद्र में किए गए हमलों के दृश्य दिखाई देते हैं। ट्रम्प ने कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की समुद्री माइन बिछाई गई हैं, तो उन्हें तुरंत हटाया जाए।

दुबई एयरपोर्ट के पास हमले की कोशिश, एक भारतीय समेत 4 घायल

दुबई। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच दुबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दुबई के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सबी) के पास दो ड्रोन गिराए जाने की घटना सामने आई है। इस घटना में एक भारतीय नागरिक सहित कुल चार लोग घायल हो गए। दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने एयरपोर्ट के आसपास उड़ रहे दो ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद ये ड्रोन एयरपोर्ट के पास गिर गए, जिससे आसपास मौजूद लोगों को चोटें आईं। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में दो घाना के नागरिकों और एक बांग्लादेशी नागरिक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि एक भारतीय नागरिक को मध्यम स्तर की चोटें लगी हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 300 अरब डॉलर की तेल रिफाइनरी में होगी साझेदार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह साझेदार होगी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है।

इस जबरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद।अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील ह, अमरीकी इतिहास की

■ ट्रम्प ने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर साझा की जानकारी

सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, जिसकी वजह से हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी, इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी, अमेरिकन ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाएगी और अरबों डॉलर की अर्थव्यवस्था पर असर डालेगी।

22वां रोज़ा

पाकीजगी और परहेज करने की सीख देता है रोज़ा

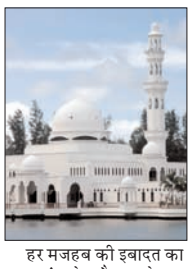

हर मजहब की इबादत का अपना ढंग होता है। इसके अलावा हर मजहब में ऐसी कोई न कोई रात या कुछ खास बातें इबादत के लिए मख्सूस होती हैं, जिनकी अपनी अहमियत होती है। इस्लाम मजहब की इबादत की नींव ला इलाहा इल्लल्लाह पर मुश्तमिल है। हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) अल्लाह के रसूल हैं। ये यकीन और तस्दीक यानी अल्लाह और उसके रसूल को कबूल करना जरूरी है। इसको यों कह सकते हैं कि अल्लाह पर ईमान लाना और रसूलल्लाह के अहकामात मानना ही इस्लाम मजहब की बुनियाद है। माहे रमज़ान को मजहबे-इस्लाम में खास मुकाम हासिल है। पाकीज़गी और परहेजगारी की पाबंदी के साथ रखा गया रोज़ा रोज़ेदार को इबादत की अलग ही लज़्ज़त देता है। दरअसल दोज़ख की आग से निजात का यह अशरा इक्कीसवीं रात से ही शुरू हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

गाजियाबाद के रहने वाले हरीश राणा 13 साल से कोमा में

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी।

गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। परिवार ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन अब आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। बेटे की तकलीफ भी नहीं देखी जाती। फैसले पर पिता अशोक ने कहा कि हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था। दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डाक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है।

■ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कानून बनाने को कहा

प्रो. मिशेल को बैन करे केंद्र, करप्शन इन ज्यूडिशियरी लिखा था

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट एनसीईआरटी के कक्षा 8वीं की सोशल साइंस की किताब में करप्शन इन द ज्यूडिशियरी नाम का सब-चैप्टर तैयार करने वाली टीम को हटाने की तैयारी में है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और पब्लिक फंडेड इंस्टीट्यूशन्स को निर्देश दिया है कि एनसीईआरटी के सोशल साइंस करिकुलम के चेयरपर्सन प्रोफेसर मिशेल डेनिनो को पाठ्यक्रम से अलग करें। साथ ही, उनके दो अन्य सहयोगी सदस्यों दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार को भी किसी भी तरह से पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल न किया जाए।इसके अलावा, तीनों को नेक्स्ट जनरेशन टेक्स्टबुक्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया से भी अलग किया जाए। प्रोफेसर मिशेल डेनिनो ने अपने 2 सहयोगियों- दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार के साथ मिलकर कक्षा 8 की एनसीईआरटी सोशल साइंस की किताब के पार्ट-2 में सब-चैप्टर 'करप्शन इन ज्यूडिशियरी' तैयार किया था।

स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने वाला अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। उन पर सदन की कार्यवाही के दौरान भेदभाव करने का आरोप था। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने 56 मिनट तक जवाब दिया। उन्होंने इस दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और गिनाया कि 14वीं, से 18वीं लोकसभा में बोलने के लिए कितना समय मिला। उन्होंने साफ कहा कि सदन नियम से चलेगा।

स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे, उनका माइक बंद होगा। शाह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि अरे भाई यहां नियमों से बोलना पड़ता है, यहां इतने वरिष्ठ सदस्य बैठे हैं, मुझे तो अभी भी नहीं मालूम पड़ता कि शशि थरूर, बालू साहब बैठे हैं, क्यों नहीं सिखाते उन्हें। ये पीएम मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं। मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। किसी के भी सामने हम एक अंगुली दिखाते हैं, तो 4 अंगुलियां अपनी तरफ भी दिखती है। विपक्ष ने अमित शाह माफी मांगो के नारे लगाए। शाह ने कहा कि कितना बोलना है इसके लिए कुछ नियम बने हैं। 17वीं लोकसभा कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया। जबकि उनके 52 सदस्य थे। कांग्रेस को भाजपा से 6 गुना ज्यादा समय दिया गया। जबकि भाजपा के पास 6 गुना ज्यादा सदस्य थे, 18वीं लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुना समय मिला। नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। मगर बोलने का मौका आता है, तो जर्मनी में होते हैं, इंग्लैंड में होते हैं। फिर शिकायत करते हैं। 18वीं -शेष पृष्ठ दो पर

■ गृह मंत्री शाह बोले: आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे, विपक्ष ने माफी मांगो के नारे लगाए

कांग्रेस के युवराज छोटे दायरे में सिमटे, उन्हें विकास नहीं दिखेगा: मोदी

चेन्नई/कोच्चि। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को केरल दौरे पर हैं। उन्होंने एर्नाकुलम के कोच्चि में 10,800 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

इसके बाद एनडीए की एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान लोकसभा सांसद राहुल गांधी की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के युवराज को यह नहीं पता कि भारत के युवा आज ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में कमाल कर रहे हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपने छोटे दायरे में सिमटा हो, उसे देश का विकास कभी नहीं दिखेगा। पीएम ने कहा

■ खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा के लिए हमने पूरी ताकत लगाई

कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है, लेकिन आज देश में भाजपा की सरकार है। जब भी हमारा कोई देशवासी मुसीबत में फंसा है, हमने उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। मोदी ने कहा कि चाहे इराक से नर्सों को निकालना हो या यमन में आतंकवादियों के चंगुल से फादर टाम को छुड़ाना हो, संकट के समय भारत अपने नागरिकों को कभी नहीं छोड़ता।

बुकिंग के बाद ढाई दिन में मिलेगा सिलेंडर

नई दिल्ली। भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति बिना किसी बाधा के और पूरी तरह से सुरक्षित रूप से जारी है। घरेलू उपभोक्ताओं को बुकिंग के बाद ढाई दिनों में सिलेंडर मिल जा रहा है और यह डिलीवरी की सामान्य साइकिल है।

मंत्रालय ने देशवासियों से अपील की है कि वे एलपीजी सिलेंडर की किल्लत की किसी भी प्रकार की आशंका के चलते 'पैनिक बुकिंग' बिल्कुल न करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक ब्रीफिंग में पत्रकारों को बताया कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित बनी हुई है। उन्होंने कहा कि फीडबैक से पता चलता है कि गलत जानकारी के कारण कुछ लोग घबराकर सिलेंडर बुक करा रहे हैं और जमाखोरी कर रहे हैं। मैं साफ करना चाहती हूं कि घरेलू एलपीजी की हमारी सामान्य डिलीवरी साइकिल लगभग ढाई दिन की है, इसलिए मैं अनुरोध करती हूं... ग्राहकों को सिलेंडर बुक कराने के लिए जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है... घबराकर बुकिंग कराने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिकारी ने बताया कि दो एलएनजी कार्गो भारत की ओर चल पड़े हैं। कुछ ही दिनों में देश पहुंच जाएंगे। हमारी रिफाइनरी अधिकतम क्षमता के साथ काम कर रही है। कुछ रिफाइनरी 100 फीसदी से अधिक की क्षमता के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा पूरी तरह मजबूत है, लेकिन अफवाहों के चलते हो रही पैनिक बुकिंग को रोकने के लिए ही सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। मंत्रालय ने साफ किया है कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स पूरी तरह से सामान्य और सुचारू तरीके से काम कर रहे हैं।

■ सरकार का दावा: कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित रूप से जारी

■ एलपीजी की सप्लाई नियंत्रण में, नहीं होगी कोई किल्लत

यूपी में धुंध में सात वाहन टकराए, चार की मौत

नई दिल्ली/लखनऊ। बुधवार सुबह लखनऊ, कानपुर समेत 15 शहरों में धुंध छाई। इसके कारण शाहजहांपुर में बस- कार की टक्कर में 4 लोगों की मौत हुई।

उन्नाव में भी 4 वाहनों की टक्कर में 10 लोग घायल हुए। पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट है। उत्तराखंड के देहरादून में दिन का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मार्च में ही मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा समेत

■ राजस्थान में पारा 40 डिग्री सेल्सियस, मप्र में 39 डिग्री से ज्यादा

अन्य राज्यों में दिन का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राजस्थान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, सबसे ज्यादा बाड़मेर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज गर्मी के साथ-साथ 2 जिलों में हीटवेव और 19 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में मार्च के दूसरे हफ्ते से ही तेज गर्मी होने लगी है। ग्वालियर-चंबल में तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा।

संक्षिप्त समाचार

तरनजीत ने ली दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में शपथ

नई दिल्ली। पूर्व राजनयिक तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को 'लोक निवास' में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट के सदस्य, मुख्य सचिव और अमृतसर से आए उनके समर्थक मौजूद रहे। संधू ने विनय कुमार सक्सेना का स्थान लिया है, जिन्हें केंद्र सरकार ने अब लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले संधू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। संधू ने इस मुलाकात को सुखद बताया और कहा कि गृह मंत्री के साथ सार्वजनिक सेवा, प्रशासन और आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने कभी कंप्रोमाइज नहीं किया: भाजपा

नई दिल्ली। संसद में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद ने राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बड़ा हमला बोला। राहुल के इस वार पर बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने बड़ा पलटवार किया। राहुल ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार नेता विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया, यहां चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अध्यक्ष की भूमिका के बारे में है। कई बार मेरा नाम लिया जा रहा है, मेरे बारे में अपमानजनक बातें कही जा रही हैं, यह सदन भारत की जनता की अभिव्यक्ति है। राहुल ने आगे कहा कि यह सदन किसी एक दल का प्रतिनिधित्व नहीं करता, यह सदन पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है।

अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार कर रही परंपरा का उल्लंघन: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए अपने प्रस्ताव पर जारी चर्चा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठाए और कहा कि सरकार इसमें भी परंपराओं और नियमों का उल्लंघन कर रही है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को हुई बहस के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने गर्व से दावा किया कि इस बहस के लिए 10 घंटे का समय दिया गया है, जबकि दिसम्बर 1954 में इसी तरह के एक प्रस्ताव के लिए केवल ढाई घंटे निर्धारित किए गए थे। उन्होंने कहा कि रिजिजू शायद यह बताना भूल गए कि 18 दिसम्बर 1954 को स्वयं प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु बहस के दौरान सदन में मौजूद रहे और उसमें हिस्सा भी लिया था। सदन में बोलते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने सदन की अध्यक्षता कर रहे उपाध्यक्ष से अनुरोध किया था कि बहस के समय का अधिकांश हिस्सा विपक्ष को दिया जाए।

योगी से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव

लखनऊ। नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान लोहम कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टॉफ आयुष सबात भी मौजूद रहे। तीनों अतिथियों ने निवेश के लिए उत्तर प्रदेश के सकारात्मक माहौल की सराहना की। योगी ने नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव, लोहम के सीईओ रजत वर्मा और चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात का उत्तर प्रदेश में स्वागत किया।बैठक में उत्तर प्रदेश को देश में एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिग का प्रमुख हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

उप्र के कई शहरों में धुंध, 15 मार्च से बारिश के आसार

प्रयागराज में 30 मी. दृश्यता, मेरठ में 100 मी. व वाराणसी एयरपोर्ट पर 500 तक रही

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में बुधवार सुबह अचानक धुंध और कोहरे की मोटी परत छा गई, जिससे धूप लगभग लुप्त हो गई और कई जगहों पर दृश्यता काफी कम हो गई। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, मिर्जापुर, मेरठ और आगरा समेत कई जिलों में लोगों को धुंध का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के अनुसार धुंध की वजह से कुछ स्थानों पर दृश्यता बेहद कम दर्ज की गई। प्रयागराज में यह करीब 30 मीटर, मेरठ में 100 मीटर और वाराणसी एयरपोर्ट पर लगभग 500 मीटर तक रह गई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च में इस तरह की स्थिति पहले भी 2008 में देखने को मिली थी। लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक मनीष कुमार ने बताया कि नम पूर्वी हवाओं से आई नमी की वजह से दिन के समय भी प्रदेश के कई हिस्सों में धुंध और कोहरा बना रहा। उन्होंने कहा कि

यह स्थिति अगले दो दिनों तक जारी रह सकती है। वहीं अगले 4-5 दिनों तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, जिससे गर्मी का असर बना रहेगा। हालांकि 15 मार्च के आसपास हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दिन में तेज गर्मी और रात में अपेक्षाकृत ठंडे मौसम के कारण रेडिएशन फॉग की स्थिति बन रही है। इस प्रक्रिया में हवा में मौजूद नमी रात के समय जमीन के पास छोटी-छोटी बूंदों में बदल जाती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि शांत हवाएं इस धुंध को लंबे समय तक बनाए रखती हैं, जबकि हवा में मौजूद धूल और प्रदूषण के कण नमी को जमने में मदद करते हैं, जिससे सुबह के समय धुंध और कोहरा जैसा मौसम बन जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर और गाजीपुर के बाहरी इलाकों में भी मंगलवार सुबह से धुंध छाई रही। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के मौसम विज्ञानी प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के अनुसार पश्चिमी हवाओं और हवा में बढ़ी नमी की वजह से पूर्वी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्र के पीलीभीत, लखीमपुर-खीरी और बहराइच जैसे जिलों में भी धुंध देखी गई। वहीं बुंदेलखंड के हमीरपुर, ओराई, बांदा और महोबा समेत कई इलाकों में सुबह करीब 9 बजे तक घनी धुंध बनी रही और विजिबिलिटी कुछ मीटर तक सीमित हो गई। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि मार्च के तीसरे सप्ताह में संभावित पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

सीएम योगी के निर्देश पर प्रशासन और आपूर्ति विभाग की टीमें सक्रिय

गैस, पेट्रोल व डीजल की अफवाह पर छापेमारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ नोएडा से लेकर गोरखपुर तक जिलों में पेट्रोल पंप व गैस एजेंसियां और गोदामों का किया निरीक्षण

लखनऊ। गैस, पेट्रोल और डीजल को लेकर फैल रही अफवाहों और संभावित कालाबाजारी को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार सतर्क हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद प्रशासन और आपूर्ति विभाग की टीमें प्रदेश भर में सक्रिय हो गई हैं।

नोएडा से लेकर गोरखपुर तक जिलों में पेट्रोल पंप, गैस एजेंसियों और गोदामों का निरीक्षण किया जा रहा है। कई स्थानों पर छापेमारी कर स्टॉक और वितरण व्यवस्था की जांच की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की जमाखोरी या कालाबाजारी को रोका जा सके। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की सप्लाई सुचारु रूप से जारी रहे और कहीं भी कृत्रिम संकट पैदा न होने पाए। साथ ही अफवाह फैलाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। सरकार ने साफ किया है कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। ऐसे में आम लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर अनावश्यक खरीदारी से बचें।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या कारोबारी जमाखोरी या कालाबाजारी करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे उत्तर प्रदेश में सतर्कता बढ़ा दी गई है और लगातार निरीक्षण अभियान जारी है।

एलपीजी संकट से बेरोजगारी का खतरा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलपीजी संकट पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि देश इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरत भी लोगों को आसानी से उपलब्ध नहीं हो रही। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में एलपीजी का उत्पादन लगभग 50 प्रतिशत तक घट चुका है, जिसके कारण हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। इस कमी का सबसे बड़ा असर आम लोगों और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, क्लाउड किचन और छोटे फूड कारोबार एलपीजी पर ही निर्भर रहते हैं, लेकिन अब सरकार के आदेश के बाद कई जगहों पर रेस्टोरेंट और होटलों को एलपीजी सिलेंडर तक नहीं मिल रहे।

एलपीजी की कमी पर राज्यसभा में चर्चा की मांग, भाकपा सांसद ने दिया नोटिस

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कथित कमी पर चर्चा कराने की मांग को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य संदोष कुमार पी ने बुधवार को राज्य सभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। संदोष कुमार ने नियम 267 के तहत यह नोटिस दिया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसके चलते एलपीजी की आपूर्ति में देरी, कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई है। कई राज्यों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की अनियमित आपूर्ति, लंबा इंतजार और अचानक कीमतों में बढ़ोतरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों परिवार, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग, खाना पकाने के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं। एलपीजी की कमी से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छोटे होटल, रेस्तरां और खाद्य व्यवसाय से जुड़े लोगों पर भी इसका गंभीर असर पड़ रहा है।

सनातन परंपराओं का अपमान कर रही भाजपा: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर सनातन परंपराओं को अपमान करने का आरोप लगाया है।

यादव ने बुधवार को उत्तरप्रदेश सरकार की तरफ से लखनऊ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती के कार्यक्रम की अनुमति को लेकर लगाई गई शर्त के मुद्दे पर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और कहा कि किसी कार्यक्रम पर अनावश्यक शर्तें और प्रतिबंध लगाना कमजोर सत्ता की पहचान है। यदि भाजपा सनातन परंपराओं का सम्मान नहीं कर सकती तो कम से कम उसका अपमान भी न करे। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए आरोप लगाया कि प्रदेश की सरकार एक विशेष समाज के सम्मान को ठेस पहुंचा रही है। इस समाज के लोग भाजपा सरकार में मंत्री, सांसद, विधायक या अन्य जनप्रतिनिधि के रूप में

शामिल हैं, लेकिन इस मुद्दे पर वे अपने ही समाज के सामने जवाब देने से बच रहे हैं। ऐसे जनप्रतिनिधि अपने स्वार्थ के लिए भाजपा के साथ बने हुए हैं और अपने समाज में सम्मान खो चुके हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि जनता अगले चुनाव में ऐसे नेताओं को सबक सिखाएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ जनप्रतिनिधि, जो वास्तव में अपने समाज के हितैषी हैं, वे उन दलों के संपर्क में हैं जो सनातन परंपराओं और समाज का सम्मान करते रहे हैं।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 76863.71
निफ्टी 23866.85

सोना 160000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 269000
प्रति किलो

पश्चिम एशिया की चिंता में शेयर बाजारों में फिर बड़ी गिरावट

मुंबई, वार्ता

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को एक बार फिर बड़ी गिरावट रही। बीएसई का संसेक्स 1,342.27 अंक (1.72 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,863.71 अंक पर आ गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 394.75 अंक यानी 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों का यह करीब 11 महीने का निचला बंद स्तर है। संसेक्स की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी और सुबह अधिकतर सूचकांक हरे निशान में थे। लेकिन बाद में गिरावट तेज होती गई। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.66 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.36 प्रतिशत गिर गया। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, रियलटी, रसायन, आईटी और एफएमसीजी सेक्टरों पर ज्यादा दबाव रहा। फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस सेक्टरों में तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर पांच प्रतिशत टूट गया। एक्सिस बैंक में चार फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। बजाज फिनसर्व और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी करीब चार प्रतिशत गिर गए। मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स और बीईएल के शेयर दो प्रतिशत से ज्यादा टूटे। भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इटरनल के शेयर एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे। एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंडिगो के शेयर भी लाल निशान में रहे। एनटीपीसी और सनफार्मा में तेजी रही।

सोना 1.60 लाख पर पहुंचा, चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली। बुधवार को सोने की कीमत में मामूली तेजी और चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 505 रुपए बढ़कर 1.61 लाख पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 1,886 रुपए घटकर 2.69 लाख पर पहुंच गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.71 लाख रुपए प्रति किलो थी। सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं। दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40 प्रतिशत) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।

चावल, चीनी दालों में तेजी, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल की औसत कीमत बढ़ गई। चावल के साथ दालों और चीनी में भी तेजी रही। वहीं गेहूं में गिरावट देखी गई। खाद्य तेलों में उतार- चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत तीन रुपये बढ़कर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 16 रुपये सस्ता हुआ और 2,798 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

आटे के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 52 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 20 रुपये और उड़द दाल 18 रुपये महंगी हुई। चना दाल का भाव नौ रुपये और मसूर दाल का सात रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 71 रिंगिट की मजबूती के साथ 4,499 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.61 प्रतिशत की बढ़त में 67.33 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 139 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 96 रुपये और पाम ऑयल की 87 रुपये बढ़ी। वनस्पति में 57 रुपये की तेजी रही। सोया तेल की कीमत चार रुपये और सरसों तेल की तीन रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 29 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 10 रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7725.52 रुपये, मसूर काली 8073.07 रुपये, मूंग दाल 10142.60 रुपये, उड़द दाल 10744.18 रुपये, तुअर दाल 11221.97 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2797.69 रुपये और चावल 3850.47 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3282.33 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस 4304.24 रुपये और गुड़ 4998.56 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17605.37 रुपये, मूंगफली तेल 18573.31 रुपये, सूरजमुखी तेल 16886.60 रुपये, सोया तेल 14155.25 रुपये, पाम ऑयल 12952.64 रुपये और वनस्पति 14564.41 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
- HEALTH WITH CARE -
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

दिल्ली हाईकोर्ट की कैंटीन में गैस खत्म

नई दिल्ली/लखनऊ। पश्चिम एशिया के लगातार बढ़ते संकट की वजह से विपक्षी दलों के सदस्यों ने रसोई गैस को लेकर बुधवार को लोकसभा में जमकर हंगामा किया, जिस वजह से सदन सुचारू रूप से नहीं चल सका। एलपीजी गैस की किल्लत का आलम यह है कि अयोध्या में गैस की गंभीर कमी को देखते हुए राम मंदिर के निकट अमावा मंदिर में संचालित श्री राम रसोई की ओर से भोजन वितरण को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट की कैंटीन में गैस खत्म हो गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

स्पीकर ओम ..

लोकसभा में 157 घंटे 55 मिनट कांग्रेस के सदस्य बोले। मैं विपक्ष नेता से पूछना चाहता हूं कि आप तब क्यों नहीं बोले। किसने रोका था। वो तो आपका अधिकार है कि आपकी पार्टी से कौन बोलेगा। विपक्ष के नेता स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर भी कुछ नहीं बोलते। फिर प्रस्ताव लाते क्यों है। एक तो बोलना नहीं चाहते हैं। बोलना चाहते हैं तो नियम अनुसार नहीं बोलना चाहते। वक्फ संशोधन, धारा 370 जैसी चर्चाओं से राहुल गायब रहे। एसआईआर पर चर्चा थी। विपक्ष के नेता को बोला गया कि आप बोलिए। नहीं बोले। उन्होंने सदन डिस्टर्ब किया। उनको अचानक एक आइडिया आया कि मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा हो। आपके परनाना से लेकर आपकी दादी से पिता जी तक, बड़े-बड़े नेता के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस नहीं हुई। 16वीं लोकसभा में राहुल गांधी ने 2014, 2015, 2017 और 2018 में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में भाग नहीं लिया। उन्होंने 16वीं लोकसभा में केंद्रीय बजट पर किसी भी चर्चा में भी हिस्सा नहीं लिया। इससे पहले रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया। राहुल गांधी ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से काम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम काम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी काम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे। लोकसभा की कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने चेयर को घेरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। अमित शाह ने कहा कि स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव के नोटिस में 2026 की जगह 2025 लिखा था। जब विपक्ष के ध्यान में लाया गया, तो उन्होंने नोटिस वापस ले लिया। दूसरे नोटिस में सिर्फ गौरव गोगई के रियल साइन थे। सभी विपक्षी सांसदों को जेरोक्स साइन थे। ऐसे में नोटिस खारिज हो सकता है। लेकिन इनमें इतनी गंभीरता नहीं है कि नोटिस नियमों के हिसाब से लाएं। फिर भी स्पीकर के ऑफिस ने विपक्ष को मौका दिया कि गलतियां है। सुधार लो।

भारतीय विमाान सेवा कंपनियां रियाद के लिए आज से शुरू करेंगी उड़ानें

नई दिल्ली, वार्ता

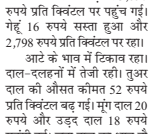

■ इंडिगो भी आज से शुरू करेगी मुंबई-रियाद के लिए उड़ान

भारतीय विमान सेवा कंपनियां सऊदी अरब की राजधानी रियाद के लिए 12 मार्च से उड़ानें शुरू करेंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की मंगलवार देर रात जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 12 मार्च से रियाद के लिए उड़ानें शुरू करने वाली हैं।

इसी तारीख से इंडिगो भी मुंबई और रियाद के बीच उड़ानें शुरू करेगी। अकासा एयर ने भी गुरुवार से दोनों शहरों के बीच उड़ानें शुरू करने का फैसला किया है। मंत्रालय ने बताया कि सभी विमान सेवा कंपनियों को सुरक्षा स्थिति पर पूरी तरह विचार करने के बाद ही उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी जा रही है। इंडिगो ने बुधवार को पश्चिम एशिया के आठ शहरों के लिए कुल 38 उड़ानों का परिचालन करने की बात कही है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी आज संयुक्त अरब अमीरात के लिए 36 विशेष उड़ानों समेत कुल 58 उड़ानों के परिचालन की बात कही है। उनकी 22 शिड्यूल उड़ानें सऊदी अरब के जेद्दा और ओमान के मस्कट के लिए होंगी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण 28 फरवरी को क्षेत्र के लिए सभी उड़ानें बंद कर दी गई थीं। अब धीरे-धीरे परिचालन फिर शुरू किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विभिन्न देशों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके भारतीय एयरलाइंस कंपनियों के लिए ओमान के मस्कट को पश्चिम एशियाई शहरों दुबई, अबु धाबी, शारजाह, रस-अल-खैमा, अल-अलाम, फुजैरा, जेद्दा और मदीना का वैकल्पिक हवाई अड्डा घोषित किया है। मंत्रालय ने बताया कि 9 मार्च को विभिन्न पश्चिम एशियाई शहरों से कुल 45 उड़ानें भारत आई जिनमें 7,407 यात्री थे।

जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा: सालाना 1.20 करोड़ यात्रियों की क्षमता

■ पहले चरण में प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानें संचालित होंगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तेजी से अपने संचालन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बन रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का लगभग 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य 10 नवम्बर तक पूरा कर लिया जाएगा। सरकार की तरफ से जारी किए गए आदेश के अनुसार, पहले चरण में एयरपोर्ट एक रनवे के साथ संचालित होगा और इसकी वार्षिक यात्री क्षमता करीब 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती चरण में औसतन प्रतिदिन लगभग 150 उड़ानों के संचालन का अनुमान है। जैसे ही यात्रियों की संख्या एक करोड़ को पार करेगी, हवाई अड्डा पर दूसरे रनवे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। दो रनवे के साथ यह एयरपोर्ट करीब सात करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा। हवाई अड्डा के पहले चरण में लगभग 3,300 एकड़ क्षेत्र में विकसित हिस्से का लोकार्पण किया जाएगा। परियोजना के लिए कुल 6,700 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है, जबकि शेष 5,100 एकड़ भूमि अगले तीन महीनों में अधिग्रहित किए जाने की योजना है। भूमि अधिग्रहण पर लगभग 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि निर्माण कार्य पर करीब 7,000 करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

बजट सत्र: सदन में गूंजा स्मार्ट मीटर का मुद्दा

नीसरे दिन की कार्रवाई के दौरान कई विषय उठाए गए

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। भराड़ीसैंण में चल रहे विधानसभा बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में स्मार्ट मीटर का मुद्दा गर्माया। नियम 58 में इस पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष ने स्मार्ट मीटर का विरोध किया। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि इसमें बड़ा घपला है।

बिजली संयोजन काटे जाने के बाद जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा, सरकार स्पष्ट करे कि इसे लगाना अनिवार्य है या वैकल्पिक। सुमित हृदयेश ने आरोप लगाया कि बड़ी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। सदन की कार्यवाही स्थगित कर इस पर चर्चा की जाए। रवि बहादुर ने कहा, स्मार्ट मीटर को जबरन लोगों पर थोपा जा रहा है। विधायक विक्रम सिंह नेगी ने भी इसे बड़ा घपला बताया। अनुपमा रावत ने कहा, किसानों का जितना बिल नहीं आ रहा उससे अधिक सर्च चार्ज आ रहा है। सरकार किसानों के बिल को माफ करे।

सदन में पुलिस कांस्टेबल ग्रेड पे का प्रकरण उठा

सदन में पुलिस ग्रेड पे का प्रकरण भी उठा। उप नेता सदन भुवन कापड़ी ने कहा, पुलिस कांस्टेबल की 10 साल की सेवा पर 2400, 20 साल की सेवा पर 2800 और 30 साल की सेवा पर 4600 ग्रेड पे दिया जाना था। सरकार की ओर से वादा किया गया था कि यूपी की तर्ज पर उत्तराखंड में पुलिस को ग्रेड पे दिया जाएगा, जो नहीं दिया गया। काजी निजामुद्दीन ने विधानसभा सत्र में डयूटी पर लगे पुलिस जवानों के रहने, खाने और सोने की उचित व्यवस्था न होने का आरोप लगाया। संसदीय कार्यमंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, पुलिस कांस्टेबल के लिए 10 साल की सेवा पर 2400, 20 साल की सेवा पर 2800 और 30 साल की सेवा पर 4200 ग्रेड पे का प्रावधान है।

कांग्रेस विधायक ने कहा- राशन कार्ड नहीं बनने से आयुष्मान कार्ड नहीं बन रहे

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक काजी निजामुद्दीन ने खाद्य मंत्री रेखा आर्य से पूछा सवाल। बीपीएल और एपीएल राशन कार्डों पर पूछा सवाल. कांग्रेस विधायक ने कहा कि राशन कार्ड नहीं बन पा रहे हैं और इससे आयुष्मान कार्ड भी नहीं बन पा रहा है। मंत्री ने किया स्पष्ट कि राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड में कोई संबंध नहीं है। परिवार बंटवारे के समय आती है समस्या. काजी बोले पूरे प्रदेश की ही ये नीतिगत समस्या है। इसके साथ ही प्रश्नकाल समाप्त हुआ।

बिंदुखत्ता राजस्व ग्राम मामला नेता प्रतिपक्ष ने किए सवाल

नियम 310 के स्थानान्तरित विपक्ष के मुद्दा भूमिधर कानून को नियम 58 में सुना गया. नेता प्रतिपक्ष ने कहा पशुपालक बनकर लोगों ने जंगलों में रहकर अपने क्षेत्र को बसाया है। आज सरकार उनको हटाने का काम कर रही है. 1980 में वन संरक्षक अधिनियम लागू होने के बाद, जिस क्षेत्र में लोग लंबे समय से रह रहे वह आज वन क्षेत्र में आ गई, जिसके कारण लोगों को घर से बेघर होना पड़ रहा है। 1981 में वन संरक्षण अधिनियम लागू हुआ. तब से कई पीढ़ियां जंगलों में रह रही हैं।

2006 में वन अधिकार कानून पारित किया गए, जिसका मूल उद्देश्य था कि और तत्कालीन सरकार की भी मंशा थी कि लंबे समय से रह रहे लोगों को मालिकाना हक मिले. कोई भी व्यक्ति या, कोई भी समुदाय तीन पीढ़िया, यानी 75 साल वन भूमि में निवास कर रहा है, तो उसको मालिकाना अधिकार मिलना चाहिए, यह 2006 का कानून कहता है. वर्तमान स्थिति 25 अक्टूबर 2023 को तराई के बिंदुखत्ता क्षेत्र में 200 साल से, और 1932 में यहां के लोगों को वन विभाग ने पशुपालन की अनुमति दी थी, बिंदुखता आज एक विशाल आबादी वाला क्षेत्र बन चुका है।

विपक्ष के सदस्यों का इस्तीफा मंजूर नहीं: रितु खंडूरी भूषण

विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण ने सदन में कहा, कार्यमंत्रणा समिति से नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व विधायक प्रीतम सिंह का इस्तीफा मंजूर नहीं किया है, जिससे दोनों सदस्य कार्यमंत्रणा समिति के वर्तमान में भी सदस्य है।

सुराज सेवा दल पहुंचा दिवालीखाल, पुलिस ने रोका

सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने गैरसेंण को स्थाई राजधानी की मांग को लेकर विधानसभा कूच करने का प्रयास किया। दीवालीखाल पहुंचने पर पुलिस के कड़ी सुरक्षा के चलते वे आगे नहीं बढ़ पाए। जिस कारण उन्होंने सड़क पर ही धरना देकर प्रदर्शन किया। सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने कहा की सरकार गैरसेंण को लेकर जनता को गुमराह कर रही है। पहाड़ों में आज पलायन थम नहीं रहा है।

रेखा आर्या के विभागों से संबंधित पूछे गए सवाल

गैरसैंण विधानसभा में बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में प्रश्नकाल जारी है. आज कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के विभागों पर पूछे जा रहे हैं सवाल. पहला सवाल पूछा कांग्रेस विधायक लखपत बुटोला ने. चमोली दशोली में सेमलडाला मैदान पेपलकोटी पर पूछा सवाल. मैदान के विस्तारीकरण के सवाल पर दिया जवाब कि अभी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

दूसरे सवाल में भाजपा विधायक सुरेश गड़िया ने नेशनल गेम्स में मेडल होल्डर खिलाड़ियों को नौकरी पर पूछा. मातृ वंदना योजना पर डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला ने पूछा सवाल. लक्ष्य से कम पंजीकरण पर उठाया सवाल. जवाब में रेखा आर्या में कहा कि राष्ट्रीय हेल्थ सर्वे और उक्त योजना के स्पेसिफिक मानकों के चलते आ रही है व्यावहारिक दिक्कत. महेश जीना ने रेखा आर्या से पूछा एपीएल बीपीएल कार्ड को लेकर सवाल। मानकों को लेकर उठाये सवाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री से पूछा गया मिनी स्टेडियम और खेल मैदानों पर सवाल।

गैरसैंण विधानसभा को वेडिंग-कॉर्पोरेट डेस्टिनेशन बनाने के बयान से नाराजगी

नेता प्रतिपक्ष ने पर्यटन मंत्री के बयान को लेकर सीएम से मांगा स्पष्टीकरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन को वेटिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किए जाने को लेकर बयान दिया है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के खिलाफ आक्रामक हो गई है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने भी नाराजगी जताते हुए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के बयान पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से स्पष्टीकरण मांगा है।

गैरसैंण भवन उत्तराखंड की जनता के संघर्ष, सपनों और राज्य आंदोलन की भावनाओं का प्रतीक: आर्या

विधानसभा के अन्य कार्यों में उपयोग को लेकर सतपाल महाराज के बयान से विपक्ष खासा नाराज है. नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या ने कहा कि गैरसैंण विधानसभा भवन को शादी- बारात और वेडिंग/कॉरपोरेट डेस्टिनेशन बनाने का सुझाव अत्यंत निंदनीय है। गैरसैंण केवल एक भवन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की जनता के संघर्ष, सपनों और राज्य आंदोलन की भावनाओं का प्रतीक है। जिस स्थान को लोकतंत्र के मॉदिर के रूप में स्थापित किया गया, उसे शादी-बारात या कॉरपोरेट कार्यक्रमों के लिए उपयोग करने की बात करना राज्य की अस्मिता का अपमान है। सरकार को इस विषय पर तत्काल स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह वास्तव में विधानसभा जैसे पवित्र संस्थान को पर्यटन और व्यावसायिक आयोजनों का स्थल बनाना चाहती है? उत्तराखंड की जनता इस विषय पर सरकार से स्पष्ट जवाब चाहती है। सरकार को इस विषय पर तत्काल स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह वास्तव में विधानसभा जैसे पवित्र संस्थान को पर्यटन और व्यावसायिक आयोजनों का स्थल बनाना चाहती है? उत्तराखंड की जनता इस विषय पर सरकार से स्पष्ट जवाब चाहती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा में चल रहे बजट सत्र की कार्यवाही के लिए जाते हुए। साथ में हैं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत व विधायक सुरेश गढ़िया।

प्रदेश के हर ब्लाक में बनेगा मिनी स्टेडियम: सीएम

खेलभूमि उत्तराखंड में जमीनी स्तर पर सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। 38 वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजन के बाद प्रदेश की धामी सरकार जमीनी स्तर पर खेल सुविधाओं के और विस्तार में जुट गई है। इस क्रम में प्रदेश के हर ब्लाक में अब मिनी स्टेडियमों का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को बजट सत्र के तीसरे दिन सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में प्रावधान किया गया है।

वर्ष 2025 में उत्तराखंड ने न सिर्फ 38 वें राष्ट्रीय खेलों की सफल मेजबानी की थी, बल्कि 103 पदक जीतकर इस स्तर के आयोजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया था। इस आयोजन ने उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में भी पहचान दी।

इस बार के बजट में धामी सरकार ने किया है प्रावधान

लेगेसी पॉलिसी पर अमल की भी चल रही है तैयारी

इस आयोजन के लिए अंत. राष्ट्रीय स्तर का आधारभूत खेल ढांचा विकसित किया गया। लेगेसी पॉलिसी बनाकर सरकार ने इस खेल ढांचे का इस्तेमाल एकेडमी के तौर पर करने का निर्णय लिया है। ताकि खेल प्रतिभाओं को उचित प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। इस संबंध में शासन स्तर पर कार्यवाही चल रही है। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए प्रावधान कर दिए जाने को भी अहम माना जा रहा है। बुधवार को प्रश्न काल में जब खेल मंत्री रेखा आर्या पर्वतीय क्षेत्रों में खेल मैदान और मिनी स्टेडियम से संबंधित सवाल का जवाब दे रही थीं, तब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन को यह अहम जानकारी दी। खेल मंत्री रेखा आर्या के अनुसार-पर्वतीय क्षेत्र में मिनी स्टेडियम के लिए 1.18 एकड़ भूमि की आवश्यकता होती है।

इसके निर्माण के लिए एक करोड़ 70 लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है।

हल्द्वानी में जल्द शुरू होगा खेल विश्वविद्यालय का निर्माण

खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा, हल्द्वानी में जल्द ही हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने आगामी बजट में प्रावधान किया है। निर्माण के लिए सभी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। विश्वविद्यालय के अधीन ही हल्द्वानी स्टेडियम को शामिल किया जाएगा।

सदन की कार्यवाही से पहले स्थानीय लोगों से मिले सीएम धामी

विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही से पहले भराड़ीसैंण में प्रातःकाल भ्रमण के दौरान सीएम धामी ने पूर्व ग्राम प्रधान चंद्र सिंह की दुकान पर चाय की चुस्कियों का आनन्द लिया. वहां उपस्थित स्थानीय लोगों के साथ संवाद कर सरकार की विभिन्न योजनाओं का फीडबैक लिया. सीएम ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास इकोनॉमी और इकॉनमी के बेहतर समन्वय के साथ पहाड़ी क्षेत्रों का सुनियोजित विकास करना है जहां स्थानीय लोगों को सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधा उपलब्ध हो सके. आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के आंकड़े हमारे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम को परिलक्षित कर रहे हैं।

देवभूमि की धरोहर 'देवतत्व' को संवारने के लिए धामी सरकार प्रयासरत

उत्तराखंड की धार्मिक, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देवभूमि उत्तराखंड के 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत हैं। इसी दिशा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी हरिद्वार कुंभ, हरिद्वार- ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, नंदा देवी राजजात, सरयू रिवर फ्रंट सहित कई परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन किया गया है।

गंगा, यमुना, चारधाम, आदि कैलाश और कई शक्ति पीठों की पुण्य भूमि होने के कारण, उत्तराखंड दुनिया भर के सनातन मतावलंबियों की आस्था का केंद्र रहा है।

इसी क्रम में प्रदेश सरकार, उत्तराखंड को धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन - तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है। इससे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आने की उम्मीद है। बद्रीनाथ - केदारनाथ पुन निर्माण परियोजना के साथ ही सरकार पहले ही मानसखंड मंदिर माला के तहत 48 मॉदिरों के आस पास अवस्थापना विकास के कार्य प्रारंभ कर चुकी है। अब इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी ऐसी कई योजनाओं के लिए धनावंटन किया है।

कुंभ और गंगा कॉरिडोर

प्रदेश सरकार ने बजट में हरिद्वार कुंभ मेला के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसके साथ ही हरिद्वार ख ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत दो हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह आगामी नंदा देवी राजजात के लिए 25 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए पहले ही शीतकालीन यात्रा प्रारंभ कर चुकी है।

रिवर फ्रंट परियोजनाएं

धामी सरकार ने सरयू और अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के साथ ही हरिपुर कालसी में यमुना घाट के लिए भी बजट का प्रावधान किया है। इसी तरह स्प्रिचुअल इकॉनॉमी जोन के लिए 10 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने संस्कृत पाठशालाओं के अनुदान के लिए 28 करोड़ रुपए दिए हैं।

घरेलू गैस की आपूर्ति में कोई कमी नहीं: महाराज

गैरसैंण। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण भारत में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित होने से होटलों, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हो रही परेशानियों को देखते हुए प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बार्ता की है।

महाराज ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, विशेषकर पश्चिम एशिया में तनाव (ईरान-इजराइल संघर्ष), के कारण आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के चलते अवरोध उत्पन्न हुआ है लेकिन सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल घरेलू गैस (14.2 किलोग्राम) की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।

सदन में सरकार के जवाबों से विपक्ष असंतुष्ट

कांग्रेस विधायकों ने लगाया आरोप, सरकार से सही जवाब देने की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा के गैरसैंण स्थित भराड़ीसैंण में चल रहे बजट सत्र 2026 में कांग्रेस विधायकों ने आरा. प लगाया कि सरकार ने उनके सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दिया। विपक्षी विधायकों ने कहा कि सरकार को उनके सवालों का सही जवाब देना चाहिए।

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में तीसरे दिन विपक्ष सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है. कांग्रेस विधायकों ने कहा कि कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और स्थानीय मुद्दों पर सरकार के जवाब संतोषजनक नहीं रहे. कांग्रेस विधायक भुवन कापड़ी ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर सवाल उठाए, उन्होंने कहा कि उनकी खटीमा विधानसभा सीट, जो मुख्यमंत्री की भी विधानसभा सीट रही है, वहां एक किसान की करीब 125 एकड़ जमीन पर भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया. कापड़ी का आरोप है कि पुलिस की मदद से किसान की जमीन पर जबरन कब्जा किया गया।

भुवन कापड़ी ने कहा कि किसान की खेत में फसल खड़ी थी, लेकिन बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर से खेत को जोत दिया गया. इस पूरे मामले पर सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला, जिससे वे संतुष्ट नहीं हैं।वहीं कांग्रेस विधायक इ. रवि बहादुर ने आरोप लगाया कि थानों और चौकियों में भ्रष्टाचार व्याप्त है. उन्होंने कहा कि सरकार इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है, जबकि आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। कांग्रेस विधायक फुरकान अहमद ने सरकार पर धार्मिक मुद्दों को ज्यादा तूल देने का आरोप लगाया. उन्होंने कोटद्वार के मोहम्मद दीपक से जुड़े मामले को उठाते हुए कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में स्कूल निर्माण से जुड़ा विषय भी उठाया गया था, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं मिला।

भराड़ीसैंण में भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण: डीजीपी

गैरसैंण। उत्तराखंड के डीजीपी दीपम सेठ बुधवार को भराड़ीसैंण विधानसभा परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर एक लंबी चौड़ी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने विषम भौगोलिक परिस्थितियों में ड्यूटी कर रहे पुलिस जवानों से उनकी चुनौतियों और समस्याओं के बारे में जानकारी ली साथ ही कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। डीजीपी दीपम सेठ ने कहा यह अच्छा अवसर था जब उन्हें सीधे ग्राउंड पर काम कर रहे पुलिसकर्मियों से मिलने और उनका फीडबैक लेने का मौका मिला। उन्होंने कहा भराड़ीसैंण में भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं। विधानसभा सत्र के दौरान प्रदर्शन जैसी स्थितियां भी सामने आती हैं। जिससे सुरक्षा व्यवस्था और अधिक संवेदनशील हो जाती है। उन्होंने कहा देहरादून जैसे शहरों में सभी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध हो जाती हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल भी जल्दी मिल जाता है, लेकिन भराड़ीसैंण जैसे दुरस्थ स्थानों पर व्यवस्थाएं करना अपेक्षाकृत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसके बावजूद यहां तैनात पुलिसकर्मी पूरी तरह प्रशिक्षित हैं। हर परिस्थिति का मजबूती से सामना करते हैं।

अवस्थापना विकास: गांव हो या शहर, कहीं नहीं कसर

सड़क, पुल निर्माण से लेकर गड्ढा भरने तक के लिए धामी सरकार ने किया बजट प्रावधान

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में अवस्थापना विकास के लिए बजट में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई है। गांव से लेकर शहर हो या फिर पहाड़ से लेकर मैदान, अवस्थापना विकास के लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में वो सब इंतजाम कर दिए हैं, जिन्हें विकास के लिए अपेक्षित माना जा रहा था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वित्त मंत्री के तौर पर बजट का खाका खींचते हुए हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है। मसलन, सड़क, पुलों के निर्माण के लिए यदि बजट आवंटन हुआ है, तो गड्ढा भरने जैसी बातों की भी अनदेखी नहीं की गई है। बिजली, पानी समेत

वित्तमंत्री बतौर सीएम का गया हर छोटी बड़ी जरूरत पर ध्यान

स्मार्ट सिटी के कॉन्सेप्ट को पहाड़ के तीन शहरों में ले गए सीएम

अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े आधारभूत ढांचे की मजबूती पर खास फोकस किया गया है, जो आने वाले दिनों में एक सुखद तस्वीर के प्रति आश्वस्तकारी है।

पहाड़ के तीन प्रमुख नगर निकायों को स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने का फैसला दूरगामी परिणाम देने वाला है। तीनों शहरों

हमारी सरकार ने अवस्थापना विकास को प्राथमिकता दी है। हमारा यह विश्वास है कि किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ उसकी अवस्. रचना होती है। तीव्र विकास के लिए हमारा यह संकल्प है कि प्रदेश की सड़क, ऊर्जा तथा आधुनिक अवस्. रचना को नई गति और नई दिशा दी जाए।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

का चयन ही अपने आप यह साबित करता है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दृष्टि कहां तक पहुंची है। गैरसैंण, बाडाहाट-उत्तरकाशी और पिथौरागढ़, इन तीनों निकायों को स्मार्ट सिटी बनाने का सरकार का निर्णय पहाड़ में अवस्थापना विकास के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगा।

बजट के प्रावधान, करेंगे राह आसान

- सड़कों के लिए लोनिवि के पूंजीगत मद में 2501 करोड़ और पीएमजीएसवाई के लिए 1050 करोड़ बजट प्रावधान
- शहरी विकास विभाग का बजट इस बार रूपये 1814 करोड़, पिछली बार रूपये 1161 करोड़ का बजट था
- ऊर्जा क्षेत्र में रूपये 1609 करोड़ का बजट प्रावधान
- सड़कों पर गड्ढा मुक्ति अभियान रूपये 400 करोड़
- रिस्पना, बिंदाल यूटिलिटी शिफ्टिंग योजना बजट रूपये 350 करोड़
- आवास विभाग का बजट रूपये 130 करोड़
- पुलिस आवास, जेलों का निर्माण इत्यादि का बजट रूपये 135 करोड़
- नगरीय अवस्थापना के लिए अतिरिक्त बजट रूपये 60 करोड़
- नागरिक उड्डयन विभाग का पूंजीगत मद में बजट प्रावधान रूपये 52.50 करोड़
- तीन नगर निकायों को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए बजट प्रावधान रूपये 30 करोड़
- टिहरी रिंग रोड निर्माण कार्य का बजट रूपये 10 करोड़
- शहरी क्षेत्रों में पैदल मार्ग का बजट रूपये 10 करोड़

पीएमजीएसवाई प्रथम के तहत अवशेष सड़कों को पूरा करने की समय सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत अवशेष सड़कों को पूरा करने की समयसीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ाए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार के इस निर्णय से उत्तराखंड राज्य को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पीएमजीएसवाई प्रथम के अंतर्गत लगभग 55 अपूर्ण कार्यों को पूरा करने का वित्तीय भार राज्य सरकार को वहन करना प्रस्तावित था।

ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिव. राज और मुख्यमंत्री धामी का जताया आभार

अब केंद्र सरकार के निर्णय के बाद यह राशि केंद्र व राज्य के बीच 90:10 के अनुपात में वहन की जाएगी, जिससे राज्य सरकार पर पड़ने वाला वित्तीय भार काफी कम होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने में सहायता मिलेगी।

ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क और विकास को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा, डीएम ने जताई लंबित शिकायतों पर नाराजगी

■ डीएम की अधिकारियों को नसीहत, स्वयं करें पोर्टल पर लॉगिन और करें नियमित मॉनिटरिंग

उत्तरकाशी,:जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में सीएम हेल्पलाइन और मुख्यमंत्री जन समर्पण पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा बैठक ली। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं सीएम हेल्पलाइन की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते हैं, इसलिए सभी अधिकारी शिकायतों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने 36 दिन से अधिक लंबित शिकायतों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की उन्होंने कहा जन समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान 36 से अधिक दिनों तक लंबित शिकायतों में पेयजल निगम 29, विद्युत 10, राजस्व 06, लोक निर्माण विभाग 05, पीएमजीएसवाई 05 सहित कुल 116 शिकायते लंबित है। 24 शिकायते जन समर्पण पोर्टल पर लंबित है। जिसके लिए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों का जल्द गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कई शिकायतें विभिन्न विभागों से जुड़ी होती हैं, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। यदि किसी शिकायत के समाधान के लिए एक से अधिक विभागों की भूमिका है, तो संबंधित विभाग मिलकर उसका निराकरण करें।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों में व्यक्तिगत समस्याओं के साथ-साथ सामुदायिक समस्याओं पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाए। ऐसी समस्याएं जो अधिक लोगों को प्रभावित करती हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन आमजन की समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच है। आम नागरिक अपनी समस्याओं को दर्ज कराकर शासन तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं पोर्टल पर लॉगइन कर शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करें। अधीनस्थ कर्मचारियों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अधिकारी व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से हो।

बैठक में अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र, उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी, मुकेश चन्द रमोला, ईई यूपीसीएल मनोज गुसाईं, ईई लो. नि वि रजनीश सैनी सहित अन्य अधिकारी जुड़े रहे।

अगस्त्यमुनि बाजार में भटकती मिली गुमशुदा बालिका

■ सीडब्ल्यूसी और चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता से परिवार से कराया मिलन,स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने लिया संरक्षण में

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि बाजार में अकेली भटक रही एक गुमशुदा बालिका को बाल कल्याण समिति और चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता से सकुशल उसके परिजनों तक पहुंचा दिया गया। समय रहते की गई कार्रवाई से एक संभावित अनहोनी टल गई और बालिका सुरक्षित अपने परिवार तक लौट सकी।प्राप्त जानकारी के अनुसार अगस्त्यमुनि बाजार क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका संदिग्ध परिस्थितियों में अकेली घूमती हुई दिखाई दी। बालिका को असहाय स्थिति में देख स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बालिका को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। इसके बाद पुलिस ने नियमानुसार बालिका को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए समिति ने तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन के साथ समन्वय स्थापित किया और बालिका की पहचान व परिजनों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू की।चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल कल्याण समिति की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका की पहचान सुनिश्चित की तथा उसके परिजनों का पता लगाया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बालिका को सुरक्षित रूप से उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं कोई बच्चा संकट में, लावा. रिस या भटका हुआ दिखाई दे तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें, ताकि समय रहते बच्चे को सुरक्षा और सहायता प्रदान की जा सके।

आवासीय इकाइयों को अनिवार्य रूप से कराना होगा पंजीकरण

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत जनपद के अंतर्गत यात्रा मार्ग पर स्थित होटल, लॉज, रिजोर्ट, धर्मशाला व होमस्टे आदि सहित समस्त व्यवसायिक आवासीय इकाइयों को पर्यटन कार्यालय रुद्रप्रयाग में पंजीकरण करने के साथ ही रेट स्वीकृत करवाना अनिवार्य होगा। स्वीकृत दरों से अधिक सुविधाओं का विक्रय करने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के अंतर्गत समस्त आवासीय इकाइयों को में पंजीकरण अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि गैर पंजीकृत इकाइयों का संचालन करने की दशा में पर्यटन विभाग द्वारा चालान की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने समस्त होटल, लॉज, रिजोर्ट, धर्मशाला व होमस्टे समस्त व्यवसायियों को विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण करने के निर्देश दिए हैं।

रुद्रप्रयाग होटल हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

■ युवती की हत्या में शामिल लिव इन पार्टनर सहित दो आरोपी पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग स्थित एक होटल में महिला की संदिग्ध मौत के मामले का रुद्रप्रयाग पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को हरियाणा के थाना चीका क्षेत्र से गिरफ्तार कर रुद्रप्रयाग लाया गया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार बीते सात मार्च 2026 की शाम करीब आठ बजे जिला मुख्यालय स्थित गैलेक्सी होटल के संचालक ने कोतवाली रुद्रप्रयाग में सूचना दी कि होटल के एक कमरे में ठहरी महिला बेहोशी की हालत में पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तत्काल होटल के कमरे को सील कर दिया और फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य संकलन की कार्रवाई शुरू की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह महिला अपने लिव-इन पार्टनर और उसके एक दोस्त के साथ छः मार्च 2026 की रात को होटल में ठहरी थी। सात मार्च की सुबह दोनों युवक यह कहकर होटल से निकले थे कि वे थोड़ी देर में वापस लौटेंगे, लेकिन देर शाम तक उनके वापस न आने पर होटल संचालक को शक हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की जांच में पता चला कि महिला और उसके साथ आए दोनों युवक हरियाणा के निवासी हैं। पुलिस ने महिला के परिजनों से संपर्क स्थापित कर लिया और दोनों संदिग्धों की तलाश के लिए टीमें रवाना कर दीं। आठ मार्च 2026 को मृतका के परिजन रुद्रप्रयाग पहुंचे, जहां जिला चिकित्सालय में मृतका की पहचान काजल (उम्र लगभग 30 वर्ष) पुत्री पप्पू निवासी नवासी पीपली, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा के रूप में हुई। परिजनों की उपस्थिति में पुलिस ने पंचायतनामा भरने के बाद डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद मृतका के भाई अकबर पुत्र पप्पू निवासी पीपली, जिला कुरुक्षेत्र की तहरीर पर कोतवाली रुद्रप्रयाग में मु. अ.सं. 14/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अरुण और अक्षय के खिलाफ हत्या का नामजद मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग के निर्देश पर पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मैनुअल पुलिसिंग के आधार पर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने दस मार्च 2026 की शाम दोनों आरोपियों को हरियाणा के पटियाला रोड, थाना चीका क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया और उन्हें रुद्रप्रयाग लाया गया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ उनके स्थानीय थाना चीका, जिला कैथल (हरियाणा) में मु.अ.सं. 17/2026 धारा 304(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत स्नैचिंग का मुकदमा भी दर्ज है, जिसमें उन्हें 24 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस दोनों आरोपियों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में अरुण कुमार पुत्र राजेश निवासी वार्ड संख्या 17, थाना चीका, जिला कैथल (हरियाणा) उम्र 21 वर्ष तथा अक्षय पुत्र पृथी निवासी वार्ड संख्या 3 जाटों का मोहल्ला, थाना चीका, जिला कैथल (हरियाणा) उम्र 23 वर्ष शामिल हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि मामले में पुलिस की विवेचनात्मक कार्रवाई जारी है।

कार्रवाई में उपनिरीक्षक जयवीर सिंह रावत, अपर उपनिरीक्षक जावेद अली, आरक्षी महेश कुमार और आरक्षी विनय पंवार की गिरफ्तारी टीम के साथ निरीक्षक सुरेश चन्द्र बलूनी, उपनिरीक्षक कुलदीप पंत, उपनिरीक्षक रणजीत खनेड़ा (एसओजी/सर्विलांस), आदि मौजूद रहे।

चार साल से युवती के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में था अरूण कुमार

रुद्रप्रयाग। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी अरुण कुमार ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से काजल के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था और इसकी जानकारी दोनों परिवारों को थी। चार मार्च 2026 को वह काजल और अपने दोस्त अक्षय के साथ घूमने के लिए निकला। अम्बाला और हरिद्वार होते हुए वे छः मार्च को रुद्रप्रयाग पहुंचे और गैलेक्सी होटल में कमरा लेकर ठहर गए। सात मार्च की सुबह काजल और अरुण के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा और गाली-गलौज हो गई, जो धीरे-धीरे हाथापाई में बदल गई। इसी दौरान अरुण ने काजल के हाथ-पैर पकड़ लिए, जबकि अक्षय ने पहले उसका गला दबाया और बाद में काजल की ही चुन्नी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद दोनों आरोपी कमरे में ताला लगाकर फरार हो गए।

एक नजर ....

शिविरमें 45 शिकायतें दर्ज, अधिकांश का मौके पर हुआ निस्तारण

कोटद्वार । जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारअभियान के तहत विकास खंड यमकेश्वर की न्याय पंचायत बड़्यूण के अंतर्गत पंचायत भवन कस्याली में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनींऔर कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। शिविर की अध्यक्षता तहसीलदार वैभव जोशी ने की।उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कहा कि शेष शिकायतों का शीघ निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान एक हीस्थान पर किया जा रहाहै। जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेऔरउन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके।शिविर में कुल 45 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं 288 पात्र लोगों का विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य भगत नेगी व अनिल नेगी, जेई जल संस्थान शूरवीर चौहान, बालविकास परियोजना अधिकारी अंजू डबराल, वनदरोगा दाताराम सहित अन्य अधिकारीऔर स्थानीय लोग उपस्थित थे।

नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश गीले-सूखे कूड़े को अलग रखने की अपील

अगस्त्यमुनि/रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत अगस्त्यमुनि की ओर से स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं के सहयोग से नाटक मंचन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं ने गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग रखने का संदेश देते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।नाटक के जरिए महिलाओं ने बताया कि घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग डस्टबिन में रखना जरूरी है, ताकि कचरे का सही तरीके से निस्तारण किया जा सके। साथ ही नगर पंचायत द्वारा उपलब्ध कराए गए कूड़ेदानों का नियमित और सही उपयोग करने की अपील भी की गई।कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता को लेकर उपस्थित लोगों को शपथ भी दिलाई गई तथा आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र गोस्वामी, अधिशासी अधिकारी निकिता भट्ट सहित अन्य जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बेसिक्स ऑफ कैंडल मेकिंग में युवाओं को दिया जाएगा प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा स्थानीय युवाओं को कैंडल मेकिंग में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग कर प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया जाएगा।जानकारी देते हुए निदेशक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ने बताया कि प्रोजेक्ट उन्नति के तहत पुराना विकास भवन में स्थानीय युवाओं के लिए 12 दिवसीय "बेसिक्स ऑफ कैंडल मेकिंग प्रशिक्षण" कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बताया कि प्रशिक्षण 13 मार्च (शुक्रवार) से प्रारंभ किया जाएगा जो 24 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उक्त प्रशिक्षण में जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग कर युवाओं का मार्गदर्शन किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय युवाओं से आयोजित होने वाले प्रशिक्षण से लाभान्वित होने के साथ ही संबंधित अधिकारियों से प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर युवाओं का मार्गदर्शन करने की भी अपील की है।

प्रतापनगर में पर्यटन व स्वरोजगार को मिलेगी नई दिशा: दिनेश धनै

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र की पट्टी रैका के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेम में पर्यटन विभाग के सहयोग से निर्मित होमस्टे का पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनै एवं प्रतापनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप रमोला ने उद्घाटन किया बुधवार को सेम गांव के पूर्व प्रधान राहुल द्वारा निर्मित होम स्टे का शुभारंभ करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश धनै एंव पूर्व प्रमुख प्रदीप रमोला ने कहा कि टिहरी झील के पास बसे सेम गांव का होमस्टे प्रतापनगर क्षेत्र मे पर्यटन विकास और स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार के क्षेत्र मे एक मील का पत्थर साबित होगा उन्होंने कहा कि होमस्टे योजना के माध्यम से क्षेत्र के युवा अपने घर पर ही रोजगार के साधन विकसित कर सकते हैं होम स्टे योजना के जुडने के बाद अब युवाओं को पलायन करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगीउन्होंने सेम गांव के पूर्व प्रधान राहुल राणा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी साथ ही टिहरी बांध झील का आनंद लेने के लिए दूर-दूर से आने वाले पर्यटकों को भी ठहरने के लिए यहां बेहतर सुविधा मिल सकेगी पूर्व प्रधान राहुल राणा ने कहा कि सेम गांव टिहरी झील के चारों ओर स्थित एक अत्यंत रमणीक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थान पर स्थित है जो पर्यटन की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण स्थान है और भविष्य मे यह होमस्टे पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा और स्थानीय लोगों के लिए आय के नए अवसर भी पैदा करेगा।

टिहरी बांध विस्थापितों व प्रभावितों का धरना 12वें दिन भी जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

टिहरी बांध विस्थापितों और प्रभावितों की मांगों को लेकर चल रहा आंदोलन बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारी गणेश चौक, बौराड़ी में धरने पर बैठे रहे और अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की।

आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रायल्टी को टिहरी जिले के विकास कार्यों पर खर्च किया जाए और विस्थापितों व प्रभावित परिवारों को निश्शुल्क बिजली-पानी उपलब्ध कराई जाए। धरनास्थल पर हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि घनसाली और चमियाला के बाद अब टिहरी जिले की अन्य विधानसभा क्षेत्रों के ग्रामीण इलाकों में चौपाल आयोजित कर जनसमर्थन जुटाया जाएगा। साथ ही लोगों को आंदोलन के प्रति जागरूक करने के लिए जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि टिहरी बांध से उत्पादित बिजली अन्य प्रदेशों को मुफ्त में दी जा रही है, जबकि इस विशाल परियोजना के लिए टिहरी की जनता ने अपनी पुश्तैनी जमीन और घर-बार तक छोड़ दिए। इसके बावजूद बांध विस्थापितों और प्रभावितों को इसका उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि बांध से मिलने वाली रायल्टी का लाभ सबसे पहले टिहरी जिले के लोगों को मिलना चाहिए। आंदोलनकारियों ने मांग की है कि रायल्टी से पहले स्थानीय लोगों को मुफ्त बिजली और पानी उपलब्ध कराया जाए, जबकि शेष राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य विकास कार्यों पर खर्च की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना स्थल पर सांगर भंडारी, अजय पंवार, विकास पंवार, सरोजनी देवी, हंसदी देवी, दीपा देवी, शशि बहुगुणा, मोनिका चौहान, सोनी सजवाण, ऊषा रावत, सुंदरा राणा, जुम्मा रावत, सुधा रावत, रुकमा परमार, सीता उनियाल, साहब सिंह सजवाण, उम्मेद सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

कक्ड़पाली से लूसी मोटरमार्ग को वन विभाग से मिली स्वीकृति

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत कक्ड़पाली से बांगापानी से होते हुए लूसी तक मोटरमार्ग का निर्माण कार्य को वन विभाग से सैद्धातिक स्वीकृति मिल गई है। बताते चले कि बीते कई वर्षों से ग्रामीण मोटरमार्ग की मांग कर रहें थे। मोटरमार्ग की राह देख रहें ग्रामीणों को 4 किलोमिटर की पैदल दूरी नापनी पड़ती थी। हालांकि वर्ष 2020 में मोटरमार्ग को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिली थी। सर्वे में मोटरमार्ग पर वन क्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण मोटरमार्ग वन विभाग के पाले में आ गया था। वन विभाग से स्वीकृति मिलने पर ग्रामीणों ने विधायक विनोद कंडारी का आभार व्यक्त किया। पूर्व प्रधान पैंडुला सुनय कुकशाल ने बताया कि मोटरमार्ग को लेकर वर्ष 2017 से लगातार शासन-प्रशासन में पत्राचार किया जा रहा था। बताया कि मोटरमार्ग न होने से बुजुर्गों को खड़ी चढ़ाई चढ़ कर पैदल दूरी नापनी पड़ती थी, लेकिन अब वन विभाग से स्वीकृत मिल गई है। उन्होने उम्मीद जताई है कि जल्द ही मोटरमार्ग का निर्माण शुरू कर दिया जायेगा। वहीं देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि विगत कई वर्षों से कक्ड़पाली से बांगापानी से होते हुए लूसी तक मोटरमार्ग मोटरमार्ग की मांग कर ग्रामीणों को सौगात मिल गई है। बताया कि कक्ड़पाली से बांगापानी से होते हुए लूसी मोटरमार्ग को वन विभाग से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। बताया कि मोटरमार्ग की स्वीकृत होने से क्षेत्र के विकास को नया अयाम मिलेगा। साथ ही सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा और ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति के मजबूती भी मिलेगी।

रिवर चैनेलाइजेशन और नहरों का करें सुदृढ़ीकरण : डीएम

उत्तरकाशी: जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में सिंचाई विभाग उत्तरकाशी, पुरोला और अवस्थापना खण्ड के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में निर्माणाधीन नहरों के बाढ़ सुरक्षा कार्यों और अवस्थापना सुविधाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी चालू परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि किसानों और स्थानीय जनता को योजनाओं का लाभ जल्द मिल सके।जिलाधिकारी ने गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानक के विपरीत सामग्री का उपयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिशासी अभियंताओं को फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण करने और कार्यों की पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही जिन योजनाओं में तकनीकी बाधाएं या भूमि संबंधी विवाद हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आपसी समन्वय से सुलझाने को कहा ताकि विकास कार्य बाधित न हों। आगामी चारधाम यात्रा के दृष्टिगत डीएम प्रशांत आर्य ने आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्य को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवे. दनशील क्षेत्रों में तटबंध निर्माण और नहरों की सफाई का कार्य समय से पहले पूरा कर लिया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने नदी तटवर्ती क्षेत्रों और कृषि भूमि को कटाव से बचाने के लिए रिवर चौनेलाइजेशन कार्यों पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। तथा कहा कि नदियों और गदेरों के मलबे की सफाई कर उनके प्रवाह को सुव्यवस्थित किया जाए ताकि बाढ़ जैसी स्थिति में पानी आबादी वाले क्षेत्रों या खेतों में न घुसे।बैठक में ईई सिंचाई खंड उत्तरकाशी सचिन सिंघल, ईई पुरोला पन्नी लाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष ने की जन सुनवाई

■ महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में कई मामले आए सामने, आयोग के सदस्य भी रही मौजूद

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। महिला जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन जिला सभागार कलेक्ट्रेट टिहरी गढ़याल में उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग ऐश्वर्या रावत की अध्यक्षता एवं सदस्या सरोज बहुगुणा की उपस्थित में आयोजित किया गया। उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर जन जन की सुनवाई कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित किये जा रहे है।

उन्होंने कहा कि राज्य मे महिलाओ को सुरक्षा की दृस्टि से उनके अधिकारो, हितो की रक्षा करना ही महिला आयोग का कार्य है ।

उन्होंने कहा कि महिला जो घरेलू हिंसा से पीड़ित है और वो निकट के थाने मे रिपोर्ट लिखवाने जाती है तो पुलिस का कर्तव्य है कि ऐसी महिलाओ की अपील को गंभीरता से लें जिससे महिला के अंदर सुरक्षा की भावना जाग सके उन्होंने कहा कि हमारा जो कार्य है उसका सीधा-सीधा पुलिस के सहयोग सम्बन्धी है और इसमे पुलिस विभाग द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कानून का पालन सबकों करना चाहिए । जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार के घरेलू हिंसा प्रकरणों पर चर्चा की गयी उपस्थित पीड़िता सहित कई पीड़ित महिलाओं से मा. उपाध्यक्ष ने फोन पर जानकारी ली । इस अवसर पर घरेलू हिंसा के कुछ प्रकरण अन्य जनपदों राज्यों में स्थानांतरित किए गए जिन्हें सूची से हटाने के निर्देश सम्बन्धितों को दिए गये ।

अपने टिहरी भ्रमण के दौरान उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग ऐश्वर्या रावत ने जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल से कार्यालय में भेंट की इस अवसर जिलाधिकारी ने उपाध्यक्ष का पुष्प पात्र देकर स्वागत किया ।

इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आलोक कुमार त्रिपाठी, डीपीओ संजय गौरव, संबंधित विभागीय कार्मिक न्याय क्षेत्र से जुड़े अधिकारी /अधिवक्ता उपस्थित रहे ।

प्रेमनगर के जंगलों में मिला महिला का सड़ा-गला शव, इलाके में सनसनी

बाला सुंदरी मंदिर के पास झाड़ियों में मिला 5 दिन पुराना शव

एसएसपी ने खुद संभाली कमान, शिनाख्त के लिए जुटी टीमें

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजधानी के प्रेमनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बाला सुंदरी मंदिर के पास स्थित जंगल में एक अज्ञात महिला का सड़ा-गला शव बरामद हुआ। शव की स्थिति को देखकर अंदेशा जताया जा रहा है कि मौत करीब 4 से 5 दिन पहले हुई है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी देहरादून ने स्वयं मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और मामले के खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी हैं। क्षेत्राधिकारी प्रेम नगर विवेक सिंह कुटियाल के अनुसार बुधवार को थाना प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली कि मंदिर के समीप जंगल के अंदर एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा, जहां एक महिला का शव अत्यंत खराब अवस्था में मिला। शव की हालत देख प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि यह 4-5 दिन पुराना है, जिसके चलते शव गलना शुरू हो गया था। प्रेम नगर थाना अध्यक्ष कुंदन राम ने बताया पुलिस ने तत्काल उच्चाधिकारियों को मामले की सूचना दी, जिसके बाद एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की गहनता से जांच करते हुए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की। पुलिस ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी देहरादून ने मौके पर पहुंचकर अधीनस्थ अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। हालांकि, काफी प्रयास के बाद भी अभी तक मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ हाल ही में दर्ज हुई गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमेंद्र डोभाल ने बताया कि महिला की शिनाख्त और घटना के अनावरण के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने सैनिक कल्याण मंत्री जोशी से की मुलाकात

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

भराड़ीसैंण (गैरसैंण)। बजट विधानसभा सत्रख्र2026 के दौरान आज जनपद अल्मोड़ा के विकासखण्ड चौखुटिया से आए जनमानस कल्याण समिति धामद.ेवल के पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों को सैनिक कल्याण मंत्री जोशी के समक्ष रखा।

पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से आग्रह किया कि चौखुटिया विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम सभा हाट-झला के मध्य स्थित राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय धामद.ेवल का नाम वर्ष 1971 के युद्ध के वीर सैनिक मोहन सिंह महारा के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही क्षेत्र में शहीद स्वतंत्रता सेनानी स्थल के निर्माण की भी मांग की गई, ताकि आने वाली पीढ़ियां देश के वीरों के बलिदान से प्रेरणा ले सकें।

धामदेवल चिकित्सालय का नाम वीर सैनिक मोहन सिंह महारा के नाम पर रखने की मांग

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया और कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा से सैनिकों और पूर्व सैनिकों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सैनिक रघुवर दत्त, महासचिव प्रताप सहित अन्य पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे।

पेट्रो पदार्थों एवं रसाई गैस कीमतों पर केंद्र का भरोसा स्वागत योग्य: भाजपा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने खाड़ी युद्ध के चलते पेट्रो पदार्थों एवं रसाई गैस की कीमतों पर केंद्र सरकार द्वारा दिए भरोसे का स्वागत किया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा, गंभीर विश्व संकट में भी किसी को घबराने की जरूरत नहीं है, देश में पेट्रोलियम उत्पादों का प्रयाप्त स्टॉक है। प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर सरकार ने पहले से सभी आवश्यक तैयारी की हुई है, आगे जो भी कड़े कदम उठाने पड़े उनपर संगठन और जनता मोदी जी के साथ मजबूती से खड़े हैं।

पेट्रोलियम पदार्थों की कमी और कीमत को लेकर उठाई जा रही चिंता पर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, जनता को मोदी सरकार पर पूरा भरोसा है और

वैश्विक तेल संकट में संगठन और जनता पीएम मोदी के साथ मजबूती से खड़ी: भट्ट

मजबूती के साथ उनके प्रत्येक कदम के साथ खड़ी है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत वृद्धि नहीं किए जाने के भरोसे पर संतुष्टि व्यक्त की है। कहा कि किसी को तेल, गैस की कमी या कीमत वृद्धि को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि हम एकमात्र देश हैं जहां खाड़ी की आपातकाल परिस्थितियों के बाद भी पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों और रसोई गैस आपूर्ति को लेकर सरकार गंभीर है। वर्तमान वैश्विक संकट एक ऐसी असाधारण परिस्थिति है, जिसने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है।

भाजपा और देश की जनता, वैश्विक संकट और राष्ट्रीय हित में केंद्र सरकार के साथ खड़ी है। निसंदेह खाड़ी युद्ध के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई है और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल आया है। यह संकट हमारे नियंत्रण से बाहर है, परंतु सरकार ने जिस तत्परता से वैकल्पिक स्रोतों से तेल की व्यवस्था की है, वह प्रशंसनीय है।

रसोई गैस व पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर हल्ला बोल

यूथ कांग्रेस व व्यापार मंडल ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में लगातार बढ़ रही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर विरोध के स्वर तेज होते जा रहे हैं। इसी क्रम में यूथ कांग्रेस और प्रेम नगर व्यापार मंडल ने संयुक्त रूप से कैंट विधानसभा क्षेत्र के प्रेमनगर चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया और केंद्र व राज्य सरकार का पुतला दहन कर महंगाई के खिलाफ नाराजगी जताई।

यह प्रदर्शन यूथ कांग्रेस नेता रितेश छेत्री, राजेश शर्मा और राजीव पुंज के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर यूथ कांग्रेस नेता रितेश छेत्री ने कहा कि भाजपा

सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार जनता की परेशानियों के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील बनी हुई है।

व्यापार मंडल नेता राजेश शर्मा ने कहा कि बढ़ती महंगाई का सीधा असर छोटे व्यापारियों और दुक.ानदारों पर भी पड़ रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से परिवहन लागत बढ़ जाती है, जिसका बोझ अंततः व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को उठाना पड़ता है।

वहीं व्यापार मंडल नेता राजीव पुंज ने कहा कि महंगाई के कारण बाजार की रौनक कम होती जा रही है और व्यापार पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। यदि इसी तरह कीमतें बढ़ती रहीं तो छोटे व्यापारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने सरकार से महंगाई कम करने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की।

इधर महानगर कांग्रेस कमेटी, देहरादून के अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने भी बढ़ती महंगाई को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। महंगाई का सबसे अधिक असर गरीब, मध्यम वर्ग और गृहिणियों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय भाजपा ने महंगाई कम करने के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज आम आदमी पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

कई स्थानों पर पेट्रोल-डीजल की कमी की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिससे जनता और अधिक परेशान है। प्रदर्शन में संजय शर्मा, लाल चंद शर्मा, गरिमा मेहरा दसौनी, संगीता गुप्ता, दीवान सिंह बिष्ट, पिया थापा, आशीष देसाई, कैलाश बाल्मीकि, अनिल बस्नेत, विनय शर्मा, अनूप शर्मा, सुखपाल गांधी, अशोक गुप्ता, हेली जी, कुलदीप नरूला, हरदीप इशू, मयंक, सोनू बिष्ट, पीयूष जोशी, प्रियांशु गौड़, वंश सूद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सीएम ने विकास योजनाओं के लिए दी 75.36 करोड की वित्तीय स्वीकृति

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एस.सी.एस.पी. के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड पाबौ मे बेडा का जगड मोटर मार्ग के किमी0 1.00 से 5.00 तक सुदृढीकरण एवं डामरीकरण कार्य के लिए 3.58 करोड़, जनपद हरिद्वार के राजकीय उपजिला चिकित्सालय रुड़की में विद्युत रिवाईरिंग कार्य के लिए 3.93 करोड के साथ ही राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विधानसम क्षेत्र मसूरी के अन्तर्गत न्यू कैंट मोटर मार्ग किमी० 1 चौ 0.375 से चौ० 1.625 (सालावाला पुल से विजय कॉलोनी पुल) तक मार्ग को दो लेन से 10.50 मी० चौडाई में परिवर्तित (अपग्रेड) किये जाने (द्वितीय चरण) के लिए कुल धनराशि 16.87 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अन्तर्गत बूम से टनकपुर के शारदा नदी के दांये पार्श्व पर (तटबन्ध) बाढ़ सुरक्षा कार्य एवं शारदा नदी के दांये पार्श्व पर पर बूम व उचौलीगोठ में बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए 15.69 करोड की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

सुरक्षा को एआई बेस्ड सिस्टम अधिष्ठापित किये जाने का अनुमोदन

मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में स्थित चारधाम एवं मुख्य पर्यटन स्थलों पर लगातार श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत उनकी बेहतर सुरक्षा व्यवस्था हेतु संदिग्ध तत्वों एवं गतिविधियों पर निगरानी के लिए एआई बेस्ड फेसियल रिकुनाईजेशन सिस्टम एवं डाटा एनेलेटिक्स साफ्टवेयर सिस्टम विभिन्न 05 जनपदों में अधिष्ठापित किये जाने के लिए 4.45 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा नगर निगम, ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत एकत्रित लीगेसी वेस्ट निस्तारण के लिए 6.79 करोड़ तथा नगर निगम, पिथौरागढ़ में देवभूमि रजत जयन्ती पार्क के निर्माण को 9.81 करोड की योजना स्वीकृत किये जाने के साथ ही टनकपुर में मीडिया सेंटर एवं गेस्ट हाउस तथा टनकपुर में कम्यूनिटी हॉल निर्माण किये जाने को 14.24 करोड स्वीकृत करते हुए प्रथम किश्त के रूप में 1.00 करोड़ अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

किसानों को प्रशासन ने दिया आश्वासन, अप्रैल से बदलेंगे नियम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून । देहरादून में खनन ट्रकों के कारण बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए प्रशासन अब एक्शन मोड में है। जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई उच्चस्तरीय बैठक में तय किया गया कि मोहब्बेवाला क्षेत्र में ट्रकों की रफ्तार थामने के लिए बैरिकेड्स और पुलिस पिकेट स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही खनन रॉयल्टी और ट्रकों की टाइमिंग में बदलाव पर भी सहमति बनी है, जिसे अप्रैल माह से प्रभावी करने का आश्वासन दिया गया है।

राजधानी में खनन ट्रकों के कारण होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए आज जिलाधिकारी के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (एडीएम) देहरादून की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में डीएफओ कालसी, एसपी विक.ासनगर, एसडीएम सदर और एनएच अधिकारियों के साथ भारतीय किसान यूनियन (डबल्यू एफ) के पदाधिकारियों ने हिस्सा

दून में बेलगाम ट्रकों पर कसेगा शिकंजा: मोहब्बेवाला में पुलिस पिकेट और बैरिकेड्स लगाने के निर्देश

लिया। मुख्य चर्चा का केंद्र खनन क्षेत्रों से निकलने वाले डंपरों की अनियंत्रित रफ्तार और उससे होने वाली जान-माल की हानि रहा। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बी.एस.यादव ने प्रशासन के सामने पुरजोर तरीके से सुरक्षा का मुद्दा उठाया।

एक्शन मोड में प्रशासन

बैठक में संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया गया कि जनहित में ट्रकों के संचालन की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव अनिवार्य है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अप्रैल माह से नई व्यवस्था के तहत खनन की रॉयल्टी दरों को एक समान किया जा सकता है या फिर ट्रकों के चलने के समय में परिवर्तन किया जाएगा ताकि आम जनता को असुविधा न हो।

मोहब्बेवाला में तैनात होगी पुलिस पिकेट

दुर्घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले मोहब्बेवाला क्षेत्र को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई है। तय किया गया है कि यहाँ तत्काल प्रभाव से बैरिकेड्स लगाए जाएंगे और पुलिस पिकेट की तैनाती की जाएगी। इसका उद्देश्य ट्रकों की गति को नियंत्रित करना है ताकि रिहायशी इलाकों में किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान को टाला जा सके।

समाधान पर बनी सहमति

भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष कासिम और कुल.विंदर चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रशासन के इन सुझावों पर सहमति जताई। बैठक के अंत में किसान प्रतिनिधियों ने समाधान के ठोस आश्वासन पर संतोष व्यक्त करते हुए अपर जिलाधिकारी का आभार जताया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों से समझौता करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नववर्ष प्रतिपदा पर इक्कीस सौ दीप जलाएगा उत्तराखंड ब्राह्मण समाज महासंघ

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नववर्ष प्रतिपदा 2083 पर नगर की ब्राह्मण घटक संस्थाओं के संयुक्त मंचष उत्तराखंड ब्राह्मण समाज महासंघ (पंजी.) स्थानीय घंटाघर परिसर में विधि विधान पूजा अर्चना के उपरांत 21 सौ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। उक्त निर्णय आज हुई महासंघ की बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए महासंघ के अध्यक्ष पंडित रामप्रसाद गौतम ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिंदू नववर्ष प्रतिपदा 2083 19 मार्च को सांय 7 बजे स्थानीय घंटाघर परिसर में आयोजित दीपोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत किशनगिरी जी महाराज, मेयर सौरभ थपलियाल एवं पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा जी को आमंत्रित किया जाएगा, जो पूजा अर्चना के उपरांत दीप प्रज्ज्वलित करेंगे। इनके अतिरिक्त नगर के सभी ब्राह्मण संगठनों व संस्थाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में महासंघ पदाधिकारियों व ट्रस्टी सदस्यों द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित स्वामी दामोदरानन्द सरस्वती को महासंघ के मुख्य संरक्षक एस पी पाठक जी, पंडित रामप्रसाद गौतम जी एवं डॉ. वी डी शर्मा ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया।

बैठक में पंडित रामप्रसाद गौतम, एस पी पाठक, डॉ.वी.डी. शर्मा, सोमदत्त शर्मा, पंडित थानेश्वर उपाध्याय, रामप्रसाद उपाध्याय, सिद्धनाथ उपाध्याय, अवनीशकांत शर्मा आदि मुख्य रुप से उपस्थित थे।

14 मार्च को मसूरी में होगी क्रिकेटर कुलदीप यादव की डेस्टिनेशन वेडिंग

मसूरी। उत्तराखंड की क्वीन ऑफ हिल्स मसूरी एक बार फिर हाई-प्रोफाइल शादियों का केंद्र बनने जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव 14 मार्च को मसूरी के ऐतिहासिक द वेलकम सवाय होटल में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ सात फेरे लेंगे।

इस हाई-प्रोफाइल शादी के लिए 13 और 14 मार्च को होटल के सभी कमरे बुक कर दिए गए हैं, जिससे मसूरी एक बार फिर वीआईपी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में सुर्खियों में है। सूत्रों के मुताबिक शादी समारोह के लिए मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था मसूरी के जेडब्ल्यू मैरियट और मसूरी वॉलनट ग्रोव रिसॉर्ट में भी की गई है. 15 मार्च को मेहमानों के वापस लौटने की संभावना है।

कार्यालय मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण देहरादून

पत्रांक 704/अभि.-/2025-26 दिनांक 11.03.26

निविदा सूचना

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न 07 निर्माण एवं विकास कार्यों हेतु ऑफ लाईन निविदा दिनांक 02.04.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे तक निविदा बाक्स के माध्यम से सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन 3.00 बजे उपरान्त खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र प्राधिकरण कार्यालय से निविदा मूल्य एवं धरोहर राशि आदि आवश्यक अभिलेख जमा करने के उपरान्त दिनांक 01.04.2026 को 2.00 बजे तक प्राप्त कर सकते है। अन्य निविदा की विस्तृत शर्ते निविदा फार्म के साथ संलग्न की गयी है। निविदा विज्ञप्ति का विस्तृत विवरण प्राधिकरण की वेवसाईट mddaonline.in में भी दिया गया है यदि उक्त निविदा के सम्बन्ध किसी प्रकार के संशोधन आदि किये जाने की आवश्यकता होती है तो उसकी सूचना उक्त वेवसाईट के माध्यम से दी जाएगी।

अधिशासी अभियन्ता,
मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण, देहरादून

कैग रिपोर्ट में बड़ा खुलासा: विकास योजनाओं में 180 करोड़ से ज्यादा की गड़बड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। कैग की रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष मार्च 2022 तक की जांच के दौरान करीब 186 करोड़ रुपये की गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जो विकास योजनाओं के नाम पर हुई बड़ी लापरवाहियों और वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा करते हैं।

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पटल की गई कैग की रिपोर्ट के मुताबिक कई

98 परियोजनाएं अधूरी

परियोजनाओं में काम पूरा होने से पहले ही भुगतान कर दिया गया, जबकि कई परियोजनाएं समय पर पूरी ही नहीं हो सकीं। इससे सरक.ारी धन के उपयोग और योजनाओं की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

98 परियोजनाएं अधूरी, 31 का काम शुरू ही नहीं: ऑडिट रिपोर्ट में बताया गया है कि 98 परियोजनाएं पूरी नहीं हो सकीं, जबकि 31 परियोजनाओं का काम शुरू ही नहीं किया गया। इसके बावजूद इन परियोजनाओं के लिए करीब 3.89 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। कैग ने इसे वित्तीय नियमों और प्रक्रियाओं का स्पष्ट उल्लंघन बताया है।

बिना प्रक्रिया के ठेकेदारों को भुगतान

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कुछ परियोजनाओं में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ही ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया। कई मामलों में कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा का सही आकलन नहीं किया गया, जिसके कारण परियोजनाएं लंबित रहीं और सरकारी धन का प्रभावी उपयोग नहीं हो सका।

झील विकास योजनाओं में भी सामने आईं खामियां: पर्यटन विभाग की झील विकास योजनाओं में भी कई कमियां पाई गईं। रिपोर्ट के अनुसार भीमताल झील विकास कार्य पर लगभग 71.68 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि नैनीताल झील से जुड़ी परियोजनाओं पर करीब 50.33 करोड़ रुपये की लागत आई। हालांकि कई मामलों में गलत स्थान का चयन, उचित योजना का अभाव और कार्यों की धीमी प्रगति के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सके। कैग ने इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में योजना और प्रबंधन की गंभीर कमियों की ओर इशारा किया है। रिपोर्ट में हरिद्वार कुंभ 2021 से जुड़ी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया है। कैग के अनुसार 13 परियोजनाओं के लिए करीब 36.99 करोड़ रुपये जारी किए गए, लेकिन इन योजनाओं का कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाया। कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं, जिससे उनके निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति नहीं हो सकी।

पुनर्निर्माण परियोजनाओं में भी अनियमितता: रिपोर्ट में आपदा पुनर्निर्माण परियोजनाओं पर भी सवाल उठाए गए हैं। कई योजनाओं में धनराशि खर्च होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। कुछ मामलों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी हुई, जबकि कई जगह खर्च का सही आकलन और निगरानी नहीं की गई।

निगरानी तंत्र कमजोर, पारदर्शिता पर सवाल: रिपोर्ट में कहा गया है कि कई विभागों में वित्तीय प्रबंधन और निगरानी तंत्र पर्याप्त प्रभावी नहीं रहा। परियोजनाओं के चयन, कार्यों के क्रियान्वयन और भुगतान की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी देखी गई। कैग ने संबंधित विभागों को सलाह दी है कि भविष्य में योजनाओं के संचालन में वित्तीय नियमों का सख्ती से पालन किया जाए और निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए।

गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
पंजीकृत कार्यालय-74/1 राजपुर रोड, देहरादून।
E-Mail: gmvngstming@gmail.com Ph.: 2744408, 2746817, 2749308

अल्पकालीन ई-निविदा दिनांक : 11 मार्च 2026

गढ़वाल मण्डल विकास निगम द्वारा जनपद टिहरी क्षेत्रान्तर्गत आवंटित एवं पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त राजस्व लॉट भल्डी में अल्पकालीन ई-निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चुगान सक्रियाओं के संचालन हेतु विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है। अल्पकालीन ई-निविदा में प्रतिभाग हेतु पात्रता, लॉटों का विवरण, धरोहर धनराशि, रॉयल्टी धनराशि एवं निविदा प्रपत्र प्राप्त करने, जमा करने एवं पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों तथा अन्य शर्तों एवं प्रतिबन्धों की जानकारी उत्तराखण्ड राज्य की अधिकृत वेबसाइट **www.uktenders.gov.in** एवं प्रभारी खनन, गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि0, 65 डी, राजपुर रोड,देहरादून से दिनांक **12.03.2026** से **18.03.2026 दोपहर 02.00 बजे तक** प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदादाता ई-निविदा डालने से पूर्व लॉट का निरीक्षण कर उपखनिज की मात्रा, क्षेत्र की स्थिति एवं निकासी मार्ग आदि की जानकारी प्राप्त कर लें।

प्रबन्ध निदेशक

महिला आयोग 'आपके द्वार' अभियान के तहत जनसुनवाई, 18 मामलों की सुनवाई

कोई हल्के में न ले, निर्देशों पर लापरवाही हुई, तो होगी कड़ी कार्रवाई:कुसुम कंडवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय महिला आयोग के अभियान 'महिला आयोग आपके द्वार' के तीसरे दिन हरिद्वार के जिलाधिकारी सभागार में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल की अध्यक्षता में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान आयोग की सदस्य विमला नैथानी और कमला जोशी भी उपस्थित रहीं। जनसुनवाई में कुल 18 फरियादियों ने अपनी समस्याएं आयोग के समक्ष रखीं। इनमें कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि चार गंभीर प्रकरणों को आगे की कार्रवाई के लिए आयोग मुख्यालय देहरादून भेजा गया।

सुनवाई के दौरान मेट्रो हॉस्पिटल हरिद्वार में कार्यरत दो महिला चिकित्सकों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा पिछले एक वर्ष नौ महीनों से उनका वेतन रोका गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने अस्पताल प्रबंधन को 16 मार्च को आयोग में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए और एक सप्ताह के भीतर बकाया वेतन चेक के माध्यम से देने को कहा। इसके अलावा एक महिला ने अपने पति के अतिरिक्त संबंधों और दहेज उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई, जिस पर अध्यक्ष ने जांच के आदेश देते हुए दोनों पक्षों को आयोग में तलब किया। वहीं एक अनपढ़ विधवा महिला द्वारा जेठ पर संपत्ति हड़पने के आरोप पर जिलाधिकारी हरिद्वार को पीड़िता को उसके हिस्से का कब्जा दिलाने के निर्देश दिए गए।

मनसा देवी मंदिर मार्ग पर दुकान हटाए जाने से प्रभावित महिलाओं की आजीविका के मामले में नगर आयुक्त को उन्हें वैकल्पिक स्थान पर दुकान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही एक पीड़िता को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया गया। अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला आयोग के पत्रों पर पुलिस विभाग समयबद्ध जांच रिपोर्ट भेजे और यदि कोई महिला कर्मचारी विभागीय आईसीसी जांच से संतुष्ट नहीं है तो उसकी निष्पक्ष पुनः जांच कराई जाए। सभी विभागों को पॉश (POSH) से संबंधित कार्यशालाएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। वन स्टॉप सेंटर की समीक्षा में बताया गया कि इस वर्ष पंजीकृत 490 मामलों में से 488 का निस्तारण किया जा चुका है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एल.एन. मिश्रा, एसपी क्राइम निशा यादव, सदस्य सचिव महिला आयोग उर्वशी चौहान, एसपी ट्रैफिक निशा यादव, परियोजना निदेशक नलनीत घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी एन.के. हल्दियानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कुंभ मेले में गंगा की स्वच्छता पर जोर

एनएमसीजी विशेषज्ञों ने किया कुंभ क्षेत्र का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आगामी वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को देखते हुए मेला प्रशासन गंगा की निर्मलता और मेला क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका की पहल पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के विशेषज्ञों की टीम ने बुधवार को कुंभ क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एनएमसीजी की टीम ने मेला प्रशासन, नगर निगम और पेयजल निगम के अधिकारियों के साथ हरकी पैड़ी, बैरागी कैंप, दक्ष द्वीप, कनखल, नीलधारा और गौरीशंकर सहित विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुंभ मेले के दौरान स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन और सैनिटेशन व्यवस्था को लेकर उपलब्ध सुविधाओं और प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की गई। भ्रमण के बाद मेलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सैनिटेशन और सीवरेज प्रबंधन से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेले के दौरान गंगा की अविरलता और निर्मलता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इसके तहत मेला क्षेत्र में पर्याप्त कूड़ेदान, कचरा संग्रहण केंद्र, अपशिष्ट परिवहन व्यवस्था और अस्थायी शिविर स्थलों पर अपशिष्ट निस्तारण की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही छह एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। इस दौरान एनएमसीजी की टीम में टेरी के स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्रो. शलीन सिंघल, होकाईडो यूनिवर्सिटी (जापान) के प्रो. राम अवतार, आईआईटी बीएचयू के रिसर्च एसोसिएट डॉ. तरुण यादव, स्टेट मिशन फॉर क्लीन गंगा उत्तराखंड के आरबीएम डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कार हटाने को लेकर विवाद युवक को लाठी-डंडों से पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी कार हटाने को लेकर हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि दो युवकों ने एक व्यक्ति को घेरकर लाठी-डंडों से पीट दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शेखुपुरा कनखल निवासी दीपक धीमान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नौ मार्च की शाम वह अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान ज्ञानलोक कॉलोनी निवासी शिवम सैनी और मन्नू सैनी की कार उसके घर के सामने खड़ी थी, जिससे रास्ता बाधित हो रहा था।

आरोप है कि कार हटाने को कहने पर दोनों युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

परिजनों ने घायल को उपचार के लिए मेला अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गैस बुक नहीं होने से उपभोक्ता परेशान, एजेंसियों व गोदामों पर पहुंच रहे लोग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अमेरिका इजरायल व ईरान युद्ध की खबरों के बीच देश में गैस सप्लाई प्रभावित होने की आशंकाओं के चलते उपभोक्ताओं में पैनिक की स्थिति बन गयी है। गैस एजेंसियों ओर गोदामों पर बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं। जिससे अचानक मांग बढ़ने के कारण सप्लाई व्यवस्था पर दबाव देखने को मिल रहा है। हालांकि जिला प्रशासन ने स्थिति को पूरी तरह सामान्य बताते हुए लोगों से चिंता नहीं करने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने जिले के सभी गैस डिस्ट्रीब्यूटरों के साथ बैठक कर प्रत्येक उपभोक्ता को समय पर रसाई गैस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के चलते कुकिंग गैस की कमी की खबरों के बीच केंद्र सरकार द्वारा ऑनलाइन बुकिंग के संबंध में नए नियम जारी करने के बाद उपभोक्ताओं में चिंता बढ़ गयी है। जिससे गैस सिलेंडर की बुकिंग में अचानक बढ़ोतरी हुई है। ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने के कारण डीलरवी व्यवस्था पर असर पड़ा है। इसी वजह से लोगों को गैस मिलने में कुछ देरी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर देश भर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर अस्थायी रोक लगाए जाने की खबरों से हरिद्वार के होटल, ढाबों और आश्रमों के सामने भी परेशानी खड़ी हो गई है। गैस सप्लाई बाधित होने से कई प्रतिष्ठानों को खाना बनाने और दैनिक संचालन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने स्पष्ट किया है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडर का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सप्लाई व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अफवाहों से बचें और जरूरत के अनुसार ही गैस की बुकिंग करें, ताकि सभी उपभोक्ताओं तक समय पर गैस सिलेंडर मिल सके।

मनसा देवी पैदल मार्ग से हटाए गए दुकानदारों ने की पुनः दुकानें लगवाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गत वर्ष मनसा देवी मंदिर पैदल मार्ग पर हुई दुर्घटना के बाद मार्ग से हटाए गए दुकानदारों ने पुनः दुकानें लगवाने की मांग की है। हटाए गए दुकानदारों के समर्थन में प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि गत वर्ष 27 जुलाई को हुए हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से मनसा देवी पैदल मार्ग बंद कर दिया था और करीब 150 अस्थायी दुकानें हटवा दी गयी थी। लेकिन सात महीने बीत जाने के बाद भी मार्ग नहीं खोला गया। दुकानें हटने से लघु व्यापारियों के आर्थिक हालात बेहद खराब हो गए हैं और घर की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को मार्ग खोलने के साथ प्रभावित व्यापारियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी करनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। संजय चोपड़ा ने कहा कि वन विभाग व्यापारियों की समस्या के समाधान के लिए समिति का गठन करे। एक सप्ताह में समिति का गठन नहीं होने पर आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। लघु व्यापार एसोसिएशन की मनसा देवी इकाई के अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह ने कहा कि दुकानदार कर्ज लेकर घर का खर्च चला रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा मार्ग के चौड़ीकरण की घोषणा की गयी थी। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी। पत्रकार वार्ता में जुगल किशोर, संतोष, दयाराम गोस्वामी, राजकुमार, शशिकांत, रक्षाराम मौर्य, रमेश मौर्य, विजय गुप्ता और दिलीप मिश्रा सहित कई लघु व्यापारी मौजूद रहे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को वितरित किए पुरस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। देववाणी परोपकार मिशन द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रैस क्लब में आयोजित समारोह में पुरूस्कार वितरित किए गए। मेयर किरण जैसल ने सभी को पुरूस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। देववाणी परोपकार मिशन के अध्यक्ष ईश्वर सुयाल ने बताया कि सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार, शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आलोक पांडे, द्वितीय स्थान प्राची भारद्वाज एवं राशि अग्रवाल व सारांश कौशिक ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी को क्रमशः 5100, 2100 और 1100 रूपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ हिमांगी, अंशिका, गुंजन सिंह, गिरीश चंद्र रवाली, राहुल भट्ट, सरोज, आयुष गौड, स्नेहा गुप्ता, प्राची भारद्वाज, आयुषी जोशी, रवि पांडे, रोशन कुमार दुबे, सार्थक राणा को भी सम्मानित किया गया। मेयर किरण जैसल ने कहा कि छात्र-छात्राओं को स्कूली ज्ञान के साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी होना भी बहुत जरूरी है। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को एक मंच और अपनी प्रतिभा साबित करने का अवसर मिलता है। गरीबदासीय आश्रम के अध्यक्ष स्वामी रविदेव शास्त्री ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्र-छात्राओं में प्रतिस्पर्धा का मार्ग खुलता है। युवा भारत साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम महंत ने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए देववाणी परोपकार मिशन को बधाई दी। इस अवसर पर विनय यादव, मोहित जोशी, नवीन सुयाल, राहुल भट्ट, स्नेहा गुप्ता, राजवीर सिंह, मुकेश सैनी, प्रदीप कुमार, कमल किशोर, प्राची देवी, गुंजन सिंह, आयुषी जोशी आदि मौजूद रहे।

गिरवीं रखे सोने के आभूषण लौटाने से इन्कार, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एक सुनार पर 12 साल पहले गिरवी रखे गए सोने के आभूषण लौटाने से इनकार करने का आरोप लगा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि दो लाख रुपये देने के बावजूद आभूषण वापस नहीं किए जा रहे हैं। अदालत के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला कस्साबान ज्वालापुर निवासी फरमान पुत्र फय्याज ने बताया कि करीब 12 वर्ष पहले आर्थिक तंगी के चलते उसने अपनी पत्नी के सोने के आभूषण पीठ बाजार स्थित रोशन सुनार के यहां गिरवी रखे थे। इन आभूषणों में गले का सेट, चेन, अंगूठी, झुमके, माला और झाले शामिल थे, जिनके बदले उसे करीब 77 हजार रुपये मिले थे। फरमान के अनुसार फरवरी 2025 में वह आभूषण छुड़ाने के लिए दुकान पर पहुंचा। आरोप है कि सुनार ने मूल रकम के साथ करीब 2.40 लाख रुपये ब्याज की मांग की। बाद में 17 फरवरी 2025 को उसने दो लाख रुपये नकद दे दिए। पीड़ित का आरोप है कि रकम लेने के बाद भी सुनार और उसके बेटे सोनू व मोनू आभूषण देने के बजाय लगातार टालते रहे और अब गिरवी रखने की बात से ही इनकार कर रहे हैं। फरमान का कहना है कि उसके पास एक वीडियो भी है, जिसमें सुनार आभूषण गिरवी रखने की बात स्वीकार करता दिखाई दे रहा है। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

रोजा खोलने के लिए खजूर रोजेदारों की पहली पसंद

ज्वालापुर के बाजारों में बिक रही कई किस्म की खजूर

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रोजा खोलने लिए रोजेदारों की पहली पसंद खजूर है। सुन्नत के अनुसार भी रोजा खजूर से ही खोला जाना चाहिए। इसलिए अधिकांश रोजेदार खजूर से ही रोजा खोलते हैं। माहे रमजान में खजूर की मांग भी बढ़ जाती है। खजूर को स्वाद के साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। रमजान के दौरान उपनगरी ज्वालापुर के मुख्य बाजारों एवं ठेलियों पर खजूर की खूब बिक्री हो रही है। कई किस्म की खजूर बाजार में उपलब्ध है। ठेली पर खजूर बेच रहे इरफान ने बताया कि रोजा खोलने के लिए अधिकांश रोजेदार खजूर का इस्तेमाल करते हैं। बाजार में खजूर 1200 से लेकर डेढ़ सौ रुपए तक उपलब्ध है। भारत के बाजारों में खजूर की सप्लाई मुख्यतः ईरान एवं सऊदी अरब से होती है। इसके अलावा भारतीय खजूर की बिक्री भी खूब होती है। उन्होंने बताया कि अजूवा खजूर का रेट बारह सौ रूपए प्रति किलो है। इसके अलावा डेग लेटनूर, बरही कीमिया, सुप्करी जहीदी एवं खालस, मेडजूल, डेगलेट नूर, शायरे मजाफेती, कब कब, रसगुल्ला, ईरान की कीमियां शुक्रि, फरहा कलमी, गोल्ड आदि कई किश्म की खजूर बाजारों में खूब बिक रही हैं। इरफान ने बताया कि अमरीका इरान युद्ध का असर भी बाजार पड़ रहा है। कुछ जमाखोर व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में भ्रम फैलाकर महंगी चीज बेचने से पीछे नहीं रहे हैं।

न्यायालय के वारंटी को पुलिस ने दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार माननीय न्यायालय द्वारा जारी वारंट की तामील करते हुए ज्वालापुर पुलिस टीम ने कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जयपाल पुत्र स्व. अमरनाथ निवासी नया गांव देवीपुरा, कोतवाली ज्वालापुर के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से वारंट में वांछित चल रहा था। पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मनीष भंडारी, कां. दिनेश कुमार, कां. मनोज कुमार शामिल रहे।

सत्यापन न कराने पर 260 मकान मालिकों के चालान, 26 लाख का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और बाहरी राज्यों से आकर रह रहे किरायेदारों व मजदूरों के सत्यापन को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना सत्यापन किरायेदार और कर्मचारियों को रखने वाले मकान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अब तक 260 मकान मालिकों के चालान कर 26 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि बुधवार को कोतवाली नगर पुलिस ने थाना क्षेत्र में अलग-अलग टीमें बनाकर होटल, धर्मशालाओं, आवासीय कॉलोनियों और अन्य स्थानों पर काम करने वाले कर्मचारियों, मजदूरों, फड़-ठेली संचालकों और किरायेदारों का सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने मौके पर ही दस्तावेजों की जांच कर करीब 1500 लोगों का सत्यापन किया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कई मकान मालिकों ने अपने यहां रह रहे किरायेदारों और काम करने वाले कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन नहीं कराया था। ऐसे मामलों में पुलिस ने संबंधित मकान मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस एक्ट के तहत चालान किए हैं। नगर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि बिना सत्यापन किरायेदार रखने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि अपने यहां किरायेदार या कर्मचारी रखने से पहले उनका पुलिस सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

न्याय संहिता प्रदर्शनी का समापन, पांच दिन तक चला जागरूकता अभियान

नुक्कड़ नाटक व सूचना स्त्रोत के माध्यम से आमजन को दी आपराधिक कानूनों की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। बैरागी कैंप में नई न्याय संहिताओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हो गया। सात मार्च से शुरू हुई यह प्रदर्शनी पांच दिनों तक चली, जिसमें विद्यार्थियों, पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर नए आपराधिक कानूनों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। उत्तराखंड पुलिस की पहल पर आयोजित प्रदर्शनी में देश में लागू नई न्याय संहिताओं के प्रावधानों, पुराने कानूनों में किए गए बदलावों और न्याय प्रणाली में तकनीक के बढ़ते उपयोग को विभिन्न माध्यमों से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में खास तौर पर युवाओं और विद्यार्थियों को केंद्र में रखकर कार्यक्रम आयोजित किए गए, ताकि उन्हें कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली की बेहतर समझ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया। कलाकारों ने अभिनय के जरिए नए कानूनों से जुड़े प्रावधानों और पीड़ितों को मिलने वाले अधिकारों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया, जिससे दर्शकों को विषय को समझने में आसानी हुई। समापन अवसर पर हरिद्वार जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक मनोज कुमार आर्य समेत अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कहा कि नई न्याय संहिताओं के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। प्रदर्शनी में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी को सकारात्मक संकेत बताया गया।

कार लेकर रकम हड़पने का आरोप मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में रिश्तेदार पर कार लेकर रकम हड़पने और धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित की शिकायत पर कनखल थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजीतपुर कनखल निवासी मायाराम ने पुलिस को बताया कि करीब चार वर्ष पहले उसने अपनी कार प्रदीप कुमार निवासी ग्राम सिक्का सिलावर, थाना आदर्शमंडी, जिला शामली (उत्तर प्रदेश) को 2.50 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया था। रिश्तेदार होने के कारण उसने भरोसे में कार उसके हवाले कर दी।

आरोप है कि कार लेते समय आरोपी ने 50 हजार रुपये नकद दिए और बाकी दो लाख रुपये दो माह में देने का वादा किया, लेकिन इसके बाद वह लगातार टालमटोल करता रहा। आठ मार्च को जब मायाराम ने उससे फिर पैसे मांगे तो आरोपी ने गाली-गलौज की और रकम देने से साफ इनकार कर दिया। साथ ही कानूनी कार्रवाई करने पर जान से मरवाने की धमकी भी दी। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जगद्गुरू व महामंडलेश्वर की उपाधि देना अखाड़ों का अधिकार : रविंद्रपुरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डा. रविंद्रपुरी ने कहा कि जिस तरह से विश्वविद्यालयों द्वारा डॉक्टरेट, एमफिल आदि उपाधियां प्रदान की जाती हैं। उसी प्रकार सभी तेरह अखाड़ों को मापदंडों पर खरा उतरने वाले संतों को जगद्गुरु एवं महामंडलेश्वर की उपाधि दिए जाने का पूरा अधिकार है। आचार्य प्रमोद कृष्णन एवं स्वामी चक्रपाणि को जगद्गुरु की उपाधि दिए जाने के पश्चात चल रही चर्चाओं के बीच स्थिति स्पष्ट करते हुए अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत डा. रविंद्रपुरी ने कहा कि अखाड़ों के अपने नियम, कानून और सिद्धांत होते हैं। अखाड़े के मापदंडों पर खरे उतरने वाले उच्च कोटि के संतो को जगद्गुरू और महामंडलेश्वर की उपाधि दिए जाने में एतराज की कोई बात नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अखाड़े समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संतों को जगद्गुरू और महामंडलेश्वर की उपाधि देकर समाज के प्रति अधिक समर्पण से सकारात्मक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि कुछ लोग भगवा पहनकर मनमानी कर रहे हैं। जिसे सनातन धर्म की बदनामी हो रही है। इसे रोकने के लिए कालनेमि अभियान चलाकर सनातन धर्म को बदनाम करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी और आगामी किसी भी कुंभ मेले में सनातन धर्म को बदनाम कर रहे कालनेमियों को घुसने नहीं दिया जाएगा।

1.08 करोड़ की पेयजल योजना स्वीकृत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर विधायक आदेश चौहान के प्रस्ताव पर नगर पालिका शिवालिक नगर के वार्ड-12 में लगभग 1.08 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना स्वीकृत कर दी गई है। इसका शासनादेश भी जारी हो चुका है। योजना से शिवालिक नगर वार्ड-12 के अंतर्गत कृपालनगर व आसपास रहने वाले परिवारों को लाभ मिलेगा। सिडकुल के नजदीक होने के कारण क्षेत्र में नई कॉलोनियों का तेजी से विकास हुआ है, जिससे पेयजल की समस्या बढ़ गई थी। योजना के तहत एक ट्यूबवेल का निर्माण और नई पेयजल लाइनें बिछाई जाएंगी। योजना स्वीकृत होने पर विधायक आदेश चौहान ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि यह कार्य पहले जायका योजना में प्रस्तावित था, लेकिन शासनादेश के बाद इसे अलग कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

कार्यालय, कृषि उत्पादन मण्डी समिति हरिद्वार यूनियन, हरिद्वार

पत्रांक : 1233 दिनांक : 11-03-2026

स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत दुकानों के पंजीकरण हेतु सूचना

कृषि उत्पादन मण्डी समिति, हरिद्वार यूनियन, हरिद्वार के मण्डी स्थल में 'सी' श्रेणी की दुकानों का स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत निर्माण प्रगति पर है। अतः कृषि उत्पादन मण्डी समिति, हरिद्वार यूनियन, हरिद्वार से लाइसेंस प्राप्त फल-सब्जी के दुकान विहीन लाइसेंसधारी थोक व्यापारियों, आढ़तियों तथा थोक व्यापारी एवं आढ़तियों को सूचित किया जता है कि वे दिनांक : 25.03.2026 तक निर्धारित प्रार्थना पत्र पूर्ण रूप से भर कर, रु0 30,000.00 (रु0 तीस हजार मात्र) पंजीकरण शुल्क तथा देय जी0एसटी0 रु0 5,400.00 अर्थात कुल धनराशि रु0 35,400.00 (रु0 पैंतीस हजार चार सौ मात्र) समिति कार्यालय में नकद अथवा बैंक ड्रा0 के माध्यम से जमा करा दें। स्ववित्त पोषित योजना का आवेदन पत्र का प्रारूप रु0 5,000.00 तथा देय जी0एस0टी0 900.00 कुल 5,900.00 (रु0 पांच हजार नौ सौ मात्र नकद भुगतान पर किसी कार्यदिवस में समिति कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के उपरान्त किसी भी व्यापारी का प्रार्थना पत्र एवं पंजीकरण शुल्क स्वीकार नहीं किया जायेगा।

सचिव अध्यक्ष/नगर मजिस्ट्रेट

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

श्रीनगर में 30 करोड़ से बनेगी साइंस सीटी:डॉ. धन सिंह

■ गढ़वाल विवि में छात्र संघ उद्घाटन समारोह आयोजित गढ़वाल विवि को दी 2 बसे और नए छात्रावा. सों को 22 करोड़ की घोषणा

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि का बुधवार को छात्र संघ उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य पहुंचे कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत और पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय के विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। कहा कि सरकार उत्तराखंड को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए विभिन्न नवीन कार्य योजनाओं पर काम कर रही है। मौके पर उन्होने छात्र नेताओं की मांग पर गढ़वाल विवि को 2 बसे दिए जाने, विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानद की मूर्ति के लिए पांच लाख रूपये दिए जाने, 200 छात्र-छात्राओं के लिए नए हॉस्टलो के लिए 22 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। साथ ही उन्होने गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह से गढ़वाल विवि को जमीन की अधिकृत करने के बाद 30 करोड़ की लागत से साइंस सीटी बनाएं जाने की बात कही। जबकि गढ़वाल विवि के बिडला, बादशाहीथौल टिहरी परिसर और बीजीआर पौड़ी कैंपस के लिए नैक हेतु 300 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाएं जाने और छात्रों के लिए छात्रावासों के निकट रिडिंग रूम बनाएं जाने की घोषणा की। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि श्रीनगर में शीघ्र ही पांच दिवसीय पुस्तक मेले लगाया जायेगा। मेले में 500 राइटरो को आमंत्रित किया जायेगा। इस मौके पर गढ़वाल विवि के कुल. पति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारी के सहयोग से ही गढ़वाल विवि को राष्ट्रीय मानचित्र में लाने के लिए प्रयास किए जा रहें है। इस मौके पर गढ़वाल विवि के छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल सिंह बिष्ट ने छात्रों की संख्या को देखते हुए विवि को दो बसों उपलब्ध किए जाने, उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल ने राजकीय महाविद्यालयों में एमएसडब्ल्यू और एमए थिएटर कोर्स संचालित किए जाने की मांग रखी। इस मौके पर गढ़वाल विवि के कुलसचिव अनीस-उज-जमान, प्रो. ओम प्रकाश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर, भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय धिल्डि़याल, छात्र संघ सचिव अनुरोध पुरोहित, सहसचिव अभिषेक सिंह, कोषाध्यक्ष आयुष, छात्रा प्रतिनिधि विदिशा, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि अनमोल सिंह, कार्यकारिणी सदस्य पीयूष नौटियाल, कार्यकारिणी सदस्यसुधांशु कुमार, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष जसवंत सिंह राणा, पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष अमन काला सहित आदि मौजूद थे।

जल संस्थान मुंगाड पेयजल योजना में अनियमितताओं पर सख्त

■ ठेकेदार को एक सप्ताह में कमियां दूर करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित मुंगाड पेयजल योजना में कार्यों में पाई गई कमियों को लेकर उत्तराखण्ड जल संस्थान ने संबंधित ठेकेदार फर्म को कड़ी चेतावनी जारी की है। विभाग ने एक सप्ताह के भीतर सभी कमियों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं, अन्यथा शेष भुगतान रोकने की चेतावनी दी गई है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, एफआईयू उत्तराखण्ड जल संस्थान, नत्थनपुर देहरादून द्वारा जारी पत्र के अनुसार मुंगाड पेयजल योजना का कार्य अनुबंध संख्या 118/जेजेएम/2022-23 14 मार्च 2023 के तहत योजना का कार्य मैसर्स एसएमएस कंस्ट्रक्शन, विक. ासनगर द्वारा किया जा रहा है। विभाग को ग्राम मुंगाड के ग्रामीणों की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत अनुबंध की शर्तों और निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य नहीं किया गया है।

शिकायत मिलने के बाद गत वर्ष अक्टूबर माह में अधिशासी अभियन्ता, ठेकेदार के प्रतिनिधि इन्दर कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता जगदीश पंत तथा ग्रामवासियों की उपस्थिति में संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया था।

निरीक्षण के दौरान कई कमियां सामने आईं, जिन्हें मौके पर ही ठेकेदार के प्रतिनिधि को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए थे। विभाग का कहना है कि कई बार दूरभाष के माध्यम से भी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए, लेकिन अब तक उनका समाधान नहीं किया गया है। कमियों के निराकरण में हो रही देरी से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए धरना-प्रदर्शन की चेतावनी भी दी है, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है।

इस संबंध में अधिशासी अभियन्ता राजेश निर्वाल ने ठेकेदार फर्म को पुनः निर्देशित करते हुए कहा है कि संयुक्त निरीक्षण में पाई गई सभी कमियों को एक सप्ताह के भीतर दूर किया जाए और की गई कार्यवाही की सूचना विभाग को उपलब्ध कराई जाए। यदि निर्धारित समय के भीतर कमियां दूर नहीं की गईं तो जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए गए कार्यों के सापेक्ष शेष धनराशि का भुगतान रोक दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।

चकराता क्षेत्र में अवैध सड़क निर्माण पर वन विभाग की कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। तहसील चकराता के लाखामंडल क्षेत्र में अवैध रूप से सड़क निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। वन विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय वन अधिनियम 1927 (उत्तरांचल संशोधित अधिनियम 2001) की धारा 30 एवं धारा 33(1)(क), (ख), (घ), (च) के अंतर्गत संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अपराध पत्र जारी कर दिया है।जानकारी के अनुसार 27 फरवरी 2026 की रात्रि को मुखबिर खास से सूचना मिली कि गुठाड़ की जैन्दऊ छानी से छालरी छानी तक सिविल क्षेत्र में अवैध रूप से सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद 28 फरवरी को वन विभाग की टीम मौके का निरीक्षण करने के लिए रवाना हुई, लेकिन रास्ते में कुछ ग्रामीणों द्वारा टीम का विरोध किया गया और उन्हें घटना स्थल तक जाने से रोका गया। इसके बाद भी कई दिनों तक ग्रामीणों द्वारा मौके पर जाने का विरोध जारी रहा। 6 मार्च को वन विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम जब मौके का निरीक्षण करने पहुंची तो कुछ लोगों द्वारा टीम पर पत्थरबाजी कर दी गई और आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया गया। बाद में 8 मार्च को जांच के दौरान एक पोकलैंड मशीन गोटाड़ गांव के समीप खड़ी मिली। 9 मार्च को टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया, जिसमें लगभग 400 मीटर लंबी, 3 मीटर चौड़ी और 2 मीटर 30 सेंटीमीटर गहरी सड़क का निर्माण पाया गया। साथ ही मौके पर 8 पेड़ जड़ से उखड़े हुए तथा 5 पेड़ गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त पाए गए, जिससे वन संपदा को आर्थिक नुकसान हुआ है। जांच में पता चला कि मौके के पास खड़ी पोकलैंड मशीन मिली जिसका उपयोग अवैध रूप से मोटर मार्ग निर्माण में किया जा रहा था। मशीन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना पूरा पता स्पष्ट नहीं बताया।

इस दौरान कार्रवाई में वन दरोगा कुमारी रिशु, वन दरोगा माया राम नेगी, वन दरोगा देवेंद्र मिश्रा, वन रक्षक रवींद्र राठौर, वन रक्षक रोहित पयाल, वन रक्षक चंदन चौहान तथा वाहन चालक सोमपाल टीम में शामिल रहे।

वानिकी विवि की छात्रा के भारतीय सेना में चयन पर जताई खुशी

नई टिहरी। वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी की पूर्व छात्रा के भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने पर खुशी व्यक्त की। बताया कि महाविद्यालय से वानिकी में 2021-22 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मनीषा बिष्ट ने 2024 में भारतीय सेना की कठिन उत्तीर्ण की थी। विवि के कुल. पति प्रो.परविंर कौशल,अधिष्ठाता प्रो.तारा सिंह मेहरा,शैक्षणिक निद. ेशक प्रो.अरविंद बिजल्वाण,मार्गदर्शक शिक्षक डॉ. राजेश बिजल्वाण आदि ने छात्रा की सफलता पर खुशी व्यक्त की। मूल रूप पर हल्द्वानी के बिंदूखता निवासी मनीषा बिष्ट ने 2022 में वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी से वानिकी विषय से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। शिक्षक डॉ.राजेश बिजल्वाण ने बताया कि पढ़ाई में होनहार मनीषा ने भारतीय सेना की सबसे कठिन रक्षा सेवा परीक्षा 2024 में पास की थी।

मिड-डे मील की गुणवत्ता पर अभिभावक नाराज

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। विकासखंड चकराता के प्राथमिक विद्यालय लोहारी में मिड-डे मील की गुणवत्ता और विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इस संबंध में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्राम प्रधान, एसएमसी सदस्य, विद्यालय प्रशासन और ग्रामीणों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता एसएमसी अध्यक्ष भगतराम तथा ग्राम प्रधान रतन सिंह चौहान ने की। इस दौरान अभिभावकों और समिति के सदस्यों ने विद्यालय में बच्चों को दिए जाने वाले मिड-डे मील की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई।

उनका आरोप है कि निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है और अधिकांश दिनों में बच्चों को केवल खिचड़ी या दाल-भात ही परोसा जा रहा है। एसएमसी अध्यक्ष भगतराम ने बताया कि इस संबंध में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका छाया पांडे को भी अवगत कराया गया था और तय मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया, लेकिन अभी तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर भी समस्या बनी हुई है। उनके अनुसार स्कूल में चार शिक्षक तैनात हैं, लेकिन नियमित रूप से केवल दो ही अध्यापन कार्य के लिए पहुंचते हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब अभिभावक शिक्षक संघ की ओर से भोजन व्यवस्था में सुधार की बात कही गई तो कुछ शिक्षकों ने नाराजगी जताई। एसएमसी अध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को भी लिखित शिकायत भेजी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति पर शेर सिंह, रणवीर सिंह, राजेश, नंदलाल, शूरवीर सिंह, सादिया, धर्म सिंह सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी बताए गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी बुशरा ने दूरभाष पर बताया कि शिक्षकों की उपस्थिति की नियमित जांच की जा रही है व एम डी एम मेन्यू अनुसार दिए जाने के आदेश हैं मामला संज्ञान में आया है जांच कर जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

गंगा में गिरता कूड़ा रोकने की मांग तेज कूड़े की बदबू से बीमारी का खतरा

■ 83 वां दिन धरना जारी, मोरी तक के पूर्व जनप्रतिनिधियों का मिला समर्थन

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी : तांबाखानी सुरंग के बाहर कूड़े की ढेर को हटाने और गंगा की स्वच्छता को लेकर धरना 83 वां दिन भी जारी रहा है।

उत्तरकाशी के सामाजिक कार्यकर्ता गोपीनाथ सिंह रावत के नेतृत्व में मां गंगा की स्वच्छता और शहर में ठोस कूड़ा निस्तारण व्यवस्था की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकाल. ीन धरना बुधवार को 83वें दिन भी जारी रहा।

धरना स्थल पर मोरी ब्लॉक से आए पूर्व जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया और कहा कि नेशनल हाईवे के पास बने अवैध डंपिंग जोन से लगातार कूड़ा-करकट सीधे मां गंगा में गिर रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे गोपीनाथ सिंह रावत ने कहा कि अब धीरे-धीरे गर्मी का मौसम शुरू होने वाला है, ऐसे में खुले में पड़े कूड़े से भयंकर बदबू और बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है। इस कूड़े की दुर्गंध पूरे शहर के वातावरण को दूषित कर रही है। इससे एक ओर जहां जल प्रदूषण बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर वायु प्रदूषण भी तेजी से फैल रहा है, जो आम जनता के स्वास्थ्य के साथ बड़ा खिलवाड़ है।उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन और जिला प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

यदि जल्द ही कूड़ा निस्तारण की ठोस व्यवस्था नहीं की गई और मां गंगा में गिर रहा कूड़ा नहीं रोका गया, तो यह जनता के साथ अन्याय और स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ माना जाएगा।धरना स्थल से प्रशासन से मांग की गई कि जल्द से जल्द स्थायी ट्रेचिंग ग्राउंड और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था बनाई जाए, ताकि मां गंगा को प्रदूषण से बचाया जा सके और शहरवासियों को इस समस्या से राहत मिल सके।आज धरने में गुलबिया जिंगडांटा पूर्व कनिष्क को प्रमुख मोरी, रामलाल विश्वकर्मा पूर्व विधायक प्रत्याशी पुरोला मोरी, रितेश चौहान, भरत सिंह राणा, डॉ नागेंद्र जगूड़ी, अनुराग रागड, संदीप रावत, विष्णु पाल सिंह रावत, जित. ेंद्र आदि सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

बस्तियों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के मलेथा के पास माघखोल में जीर्ण-शीर्ण स्थिति में पड़े विद्युत पोलों को हटाने जाने की मांग की है। इस संदर्भ में दुग्ध संघ टिहरी के पूर्व प्रशासक एवं जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष महिपाल बुटोला ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर को ज्ञापन प्रेषित करते हुए कहा कि विद्युत उपखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत मलेथा के मध्य माघखोला गांव में 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन आवासीय भवनों के उपर से गुजर रही है। जिससे कभी भी कोई बड़ी हानी हो सकती है। उन्होने विद्युत विभाग से जल्द 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन आवासीय भवनों के ऊपर से हटाये जाने की मांग की है।

फाटा में छात्रावास खाली कराने की मांग को लेकर क्रमिक अनशन दूसरे दिन भी जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

फाटा/रुद्रप्रयाग। राजकीय इंटर कॉलेज फाटा के छात्रावास भवन में पिछले दो वर्षो से निजी संस्था द्वारा संचालित अस्थायी पशु उपचार केंद्र को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रति. निधियों और ग्रामीणों का आंदोलन तेज हो गया है। मंगलवार से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा।

दूसरे दिन अनशन स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। वहीं मातृ शक्ति की भागीदारी से आंदोलन को और मजबूती मिलती दिखाई दी। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि उनकी मुख्य मांग विद्यालय के छात्रावास भवन को जल्द खाली कराना है, ताकि इसे विद्यार्थियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जा सके।ग्राम प्रधान रविग्राम रामेश्वर प्रसाद जमलोकी ने बताया कि 10 मार्च से शुरू किया गया क्रमिक अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। उन्होंने बताया कि आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में मातृ शक्ति भी समर्थन देने पहुंची, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब तक छात्रावास भवन को खाली नहीं कराया जाता, तब तक क्रमिक अनशन जारी रहेगा।

क्षेत्र पंचायत सदस्य जामू आरती देवी ने कहा कि विद्यालय के छात्रावास को खाली कराने के लिए मातृ शक्ति को अपने सभी कार्य छोड़कर आंदोलन स्थल पर पहुंचना पड़ रहा है।

इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजाराम सेमवाल, ग्राम प्रधान बड़ासू विमला देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य खड़िया योगिता देवी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य जामू शकुंतला देवी, पूर्व प्रधान रविग्राम पिंकी देवी, मजदूर संघ संरक्षक अवतार सिंह नेगी, विमला देवी, वंदना देवी, चरण सिंह मेहरा, अमित सेमवाल, उत्तम जमलोकी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पोखरी में किसान पर गुलदार का हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। विकासखंड चकराता के ग्राम पोखरी में बुधवार सुबह एक किसान पर गुलदार ने हमला कर दिया। हालांकि किसान ने हिम्मत नहीं हारी और साहस दिखाते हुए गुलदार का सामना कर अपनी जान बचा ली। हमले में किसान घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम पोखरी निवासी 52 वर्षीय किसान प्रेम सिंह बुधवार सुबह करीब पांच बजे असडगाड़ क्षेत्र में स्थित अपनी छानी के पास खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे बैठे एक गुलदार ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। हमले से प्रेम सिंह जमीन पर गिर पड़े। बताया जा रहा है कि प्रेम सिंह ने बिना घबराए पास पड़ा डंडा उठाकर गुलदार पर वार किया और उसका सामना करते रहे। इस दौरान उनके हाथ को घायल कर दिया, लेकिन किसान लगातार शोर मचाते हुए उससे भिड़े रहे। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने घायल प्रेम सिंह को तुरंत क्वासी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया गया।

इस संबंध में जब प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) वैभव कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने कहा कि संबंधित रेंज अधिकारी को निर्देशित कर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।

साहिया पीजी कॉलेज की एनएसएस इकाई के शिविर का शुभारंभ

■ सात दिवसीय विशेष शिविर में छात्रों ने मोबाइल उपवास का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिया। सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय पीजी कॉलेज, साहिया की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ ग्राम ककाड़ी के बहुउद्देशीय भवन में हुआ। यह शिविर 11 से 17 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें स्वयंसेवी छात्र-छात्राएँ विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में जन-जागरूकता का कार्य करेंगे।

उद्घाटन सत्र में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी वरुण प्रसाद सेमवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना, उद्देश्य और इसके मूल मंत्र "मैं नहीं, अपितु आप" के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने शिविर के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और सामा. जिक जिम्मेदारी का विकास किया जाता है। मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत ककाड़ी के प्रधान सुंदर सिंह बिष्ट ने स्वयंसेवियों को स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने शिविर में भाग ले रहे विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उन्हें समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर कार्य करने का संदेश दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवि कुमार ने कहा कि इस प्रकार के शि. विर विद्यार्थियों को समाज के निकट लाकर उनमें संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। शिविर के शुभारंभ के अवसर पर इस विशेष शिविर में भाग ले रहे स्वयंसेवियों ने मोबाइल के सीमित उपयोग का संकल्प लेते हुए "मोबाइल उपवास" का निर्णय लिया।

इस अवसर पर वीरेंद्र बिष्ट, सामा. जिक एवं जनसंपर्क विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू देवी और अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवियों प्रांजल चौहान, तनीषा चौहान, अंकित, रवीना, प्रमिला, अमिता, मनीषा, पुष्पा, सारिका, नंदिनी, काजल, यशिका, आशीष और अं. कता सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

अफवाहों पर न दें ध्यान, रुद्रप्रयाग में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान, इजरायल सहित खाड़ी देशों में उत्पन्न वैश्विक तनाव के बीच सोशल मीडिया पर पेट्रोलियम उत्पादों एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति बाधित होने संबंधी भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग ने इन सूचनाओं को पूरी तरह निराधार बताते हुए नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

इस संबंध में जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर की संयुक्त अध्यक्षता में जिला पूर्ति विभाग एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा इसकी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गैस आपूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्तर पर जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों की जमाखोरी या कालाबाजारी की जाती पाई गई तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में आकर अनावश्यक गैस बुकिंग न करें और केवल आवश्यकता अनुसार ही रिफिल बुक करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और सामान्य है, इसलिए नागरिकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं ।

प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

■ मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

गैरसैण/देहरादून। मध्यपूर्व के देशों में उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर प्रदेश में एलपीजी एवं ईंधन आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भराडीसैंण में उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सभी जिलों के जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। साथ ही इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के स्टेट लेवल कोऑर्डिनेटर और अन्य संबंधित अधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अफवाहों पर कड़ी नजर रखी जाए और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था को प्रभावित न होने दिया जाए।

'जिलों में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश'

मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी असामाजिक तत्व द्वारा अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है तो उसके खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की जाए।

गैस सिलेंडरों की कालाबा. जारी पर सख्ती

बैठक में गैस सिलेंडरों की कालाबा. जारी, अवैध भंडारण और डायवर्जन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए। इसके लिए जिलों में नियमित रूप से छापेमारी अभियान चलाने को कहा गया है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित की जाए। यह टीम गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अवैध स्टॉकिंग करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करेगी।

ऑयल कंपनियों से निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा

मुख्य सचिव ने जिलों में कार्यरत ऑयल कंपनियों और गैस एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित समस्या की जानकारी तुरंत राज्य स्तर पर साझा की जाए ताकि समय रहते समाधान किया जा सके।

घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता

बैठक में इंडियन ऑयल के स्टेट लेवल कोऑर्डिनेटर कृष्ण कुमार गुप्ता और स्वर्ण सिंह ने जानकारी दी कि राज्य में घरेलू गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गैस आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है।

अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैल रही अफवाहों पर नियंत्रण रखना आवश्यक है।

अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता

बैठक में निर्णय लिया गया कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को की जाएगी। फिलहाल होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को व्यवसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति सीमित रखी जाएगी ताकि आवश्यक सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए।

कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश

मुख्य सचिव ने राज्य स्तरीय आपदा कंट्रोल रूम और जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रखें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही जिलाधिकारी और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के आयुक्त को निर्देश दिए गए कि वे प्रतिदिन प्रेस ब्रीफिंग के माध्यम से गैस सिलेंडरों की उपलब्धता और आपूर्ति की जानकारी जनता तक पहुंचाएं।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्य सचिव ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर अफवाह फैलाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार पर तुरंत रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एल. फैनई, सचिव गृह शैलेश बगौली, सचिव/आयुक्त खाद्य आनंद स्वरूप तथा महानिद. ेशक सूचना बंशीधर तिवारी उपस्थित रहे।

आयुर्वेदिक अनुसंधान को मिली एक नवीन दिशा

पंतजलि में अत्याधुनिक ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय के उद्देश्य से कार्यरत पतंजलि अनुसंधान संस्थान द्वारा बुधवार को एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए अत्याधुनिक ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला अनुसंधान प्रयोगशाला का औपचारिक उद्घाटन संस्थान के मार्गदर्शक, धन्वन्तरि स्वरूप, आयुर्वेद को विश्व पटल पर स्थापित करने वाले प्रतिष्ठित वैज्ञानिक आचार्य बालकृष्ण द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा विभिन्न विभागों के प्रति. निधियों की उपस्थिति ने इस उपलब्धि को और भी विशेष बना दिया।

यह ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला प्रयोगशाला आधुनिक जैव-चिकित्सीय अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो कि औषधीय पौधों और आयुर्वेदिक औषधियों के वैज्ञानिक मूल्यांकन को नई दिशा प्रदान करेगी। मनुष्यों से आनुवंशिक समानता के कारण ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला जैवचिकित्सा अनुसंधान में एक शक्तिशाली मॉडल जीव के रूप में उभरी हैं। ज़ेब्राफ़िश की ईयरली डेवलपमेंट स्टेज में पारदर्शी संरचना और तीव्र प्रजनन क्षमता और ड्रोसोफिला मक्खियों के छोटे जीवन चक्र के कारण यह जीव डीसीज मैकेनिज्म टोक्सोलॉजी ड्रग डिस्कवरी अनुसंधान के लिए अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। इस अवसर पर संबोधित करते हुए आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक परंपरा में अपार ज्ञान का भंडार है, जिसे आधु. निक वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से प्रमाणित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सनातन ऋषियों की विधा को, वैदिक चेतना को, ऊर्जा को, भारत के स्वर्णिम काल को पुन:स्थापित करने और इन्हें विश्व के समक्ष साक्ष्य-सहित, आधुनिक अनुसंधान तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत करने का कार्य पतंजलि कर रहा है। ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला जैसी उन्नत मॉडल प्रणाली हमारे वैज्ञानिकों को यह अवसर प्रदान करेगी कि वे औषधीय पौधों और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रभावों को सूक्ष्म स्तर पर समझ सकें और उन्हें वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि पंतजलि अनुसंधान संस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे वैज्ञानिक अध्ययन किए हैं जिनसे यह सिद्ध हुआ है कि आयुर्वेदिक औषधियां न केवल प्रभावी हैं बल्कि सुरक्षित भी हैं। इस नवीन प्रयोगशाला के माध्यम से पतंजलि के वैज्ञानिकों को मेटाबॉलिक डीसीजेज, न्यूरोलॉजिकल डीसीजेज, सूजन संबंधी समस्या और कैंसर जैसे विभिन्न जटिल रोगों पर आयुर्वेदिक औषधियों के प्रभावों का गहन अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्रकार की सुविधाएं भारत को वैश्विक वैज्ञानिक मानचित्र पर और अधिक सशक्त बनाएंगी तथा युवा वैज्ञानिकों को नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रेरित करेंगी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला मॉडल आधुनिक जैव-चिकित्सीय अनुसंधान में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी पारदर्शी संरचना वैज्ञानिकों को जीव के अंदर होने वाली जैविक प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस नई सुविधा के माध्यम से औषधीय पौधों से प्राप्त यौगिकों की जैविक क्रियाओं और औषधियों के प्रभाव को समझने में नवीन दिशा मिलेगी। ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला प्रयोगशाला के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सुविधा अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें नियंत्रित तापमान और प्रकाश व्यवस्था वाले विशेष एक्वेरियम सिस्टम स्थापित किए गए हैं, जो ज़ेब्राफ़िश के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक वातावरण प्रदान करते हैं। इसी तरह ड्रोसोफिला के लिए कल्चर बोतल का प्रयोग किया गया है एवं इन्हें नियंत्रित तापमान में रखने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त उच्च-रिजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी और इमेजिंग प्रणालियां भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिनकी सहायता से वैज्ञानिक, भ्रूण विकास, कोशिकीय गतिविधियों और जैविक प्रक्रियाओं का सूक्ष्म अध्ययन कर सकेंगे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आज्ञा से : माननीय सांची अग्रवाल जज सिविल जज (जू.डि.) डोईवाला, जिला देहरादून।
मूलवाद संख्या 56/2024
श्रीमति प्रियंका पुण्डीर आदि
बनाम्
रजिस्ट्रार जन्म एवं मृत्यु आदि

चूंकि उपरोक्त नामांकित वादीगण ने जगदीश शाह पुत्र स्व. श्री शिवलाल शाह के दिनांक 24.12.2011 से लापता हो जाने पर उनका पता न चलने पर उन्हें मृत घोषित करने हेतु वाद योजित किया है अतएव आपको एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जिस किसी व्यक्ति को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 20.04.2026 को प्रात: 10:00 बजे न्यायालय सिविल जज (जू.डि.) डोईवाला में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त तिथि के पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नहीं की जायेगी और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त वाद एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा तथा उपरोक्त वाद पर उचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित दिनांक 20.04.26 को जारी किया गया।

प्रबन्धक
सिविल जज (जू.डि.)
डोईवाला, जिला देहरादून

ग्रामीण बेटियों का बढ़ता आत्मविश्वास उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य का संकेत: दीप्ति रावत

शाह टाइम्स संवाददाता

■ महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल हुईं भाजपा प्रदेश महामंत्री

पौड़ी गढ़वाल। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भारद्वाज ने बुधवार को पौड़ी गढ़वाल भ्रमण के दौरान पौड़ी स्थित सर्किट हाउस में पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ताओं से भेंट कर विभिन्न समसामयिक विषयों एवं संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर सार्थक चर्चा की।

इस दौरान संगठन की मजबूती, जनसंपर्क और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के विषय पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

इसके पश्चात खुड्डेस्वर महादेव ग्राउंड (पाबो), पौड़ी गढ़वाल में आयोजित टाइटन कप 2026 के 9वें संस्करण के अंतर्गत प्रथम बार आयोजित महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की बहनों और बेटियों को खेल के मैदान में आत्मविश्वास और उत्साह के साथ आगे बढ़ते देख प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज की नारी केवल घर-परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल, शिक्षा और हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से मिलकर उनके द्वारा चीड़ (पिरुल) से बनाए गए आकर्षक हस्तशिल्प एवं उपयोगी उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की, ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है।

भ्रमण के दौरान ग्राम सेड़ियाधार, पौड़ी गढ़वाल में विमला देवी एवं भगवती प्रसाद नौटियाल के सुपुत्र सौरभ के विवाह के शुभ अवसर पर उनके आवास पहुंचकर प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत भारद्वाज ने नवद. ंपत्ति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर प्रथम श्रेणी श्रीनगर गढ़वाल
रा.वाद संख्या 10 सन 2025-26

वादी- श्री दिनेश चन्द्र गैरोला उम्र 67 वर्ष पुत्र श्री बुद्धिबल्लभ निवासी तोलियाँ, श्रीकोट गंगानाली, पटटी कटूलस्यूँ तहसील श्रीनगर, जिला पौड़ी गढ़वाल।

बनाम

प्रतिवादीगण- 1.महेश्वरीदत्त पुत्र ईश्वरीदत्त 2. गंगादत्त पुत्र ईश्वरीदत्त 3. सुरेशी पत्नी स्वर्गीय बद्रीदत्त 4. गोविन्द्र प्रसाद पुत्र नारायणदत्त 5. योगेन्द्र मोहन मेवाड़ पुत्र मोहनलाल मेवाड 6. माधवानन्द जोशी पुत्र भजराम जोशी निवासी ग्राम श्रीकोट गंगानाली, पटटी कटूलस्यूँ तहसील श्रीनगर जिला पौडी गढ़वाल।

चुंकि वादी द्वारा मेरे न्यायालय में एक घोषणात्मक वाद अन्तर्गत धारा 229 वी (बी) उत्तराखण्ड जमीदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950 ग्राम श्रीकोट गंगानाली, पटटी कटूलस्यूँ तहसील श्रीनगर खाता संख्या 59 (वर्तमान् फसली वर्ष 1431-1436) खेत सख्या 813 रक्या 0.0110 हे. प्रस्तुत किया है। अगर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो न्यायालय में उपस्थिति होकर अपनी आपत्ति/जबाबदावा प्रस्तुत करे। दिनाक 23.03.2026 की तिथि आपके जवाबदावा हेतु नियत है।

अत: आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनाक 23.03.2026 को स्वयं या मार्फत अधिवक्ता के उपस्थित होकर अपना जवाबदावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी। आज दिनांक 06.3.2026 को न्यायालय की आज्ञा व मुद्रा से जारी

न्यायालय असिस्टेंट कलेक्टर (प्र.श्रेणी) श्रीनगर गढ़वाल

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड पुरोला उत्तरकाशी

eeirigationpurola@gmail.com

संख्या : 14/अ.अ/2025-26 दिनांक : 06.03.2026

ई- निविदा सूचना

महामहिम श्रीराज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड पुरोला (उत्तरकाशी) द्वारा निम्न कार्यों के निर्माण हेतु मद आधारित दरो पर क्रमांक 1 से क्रमांक 9 पर अंकित योजना हेतु एकल-बिड प्रणाली के माध्यम से ऑनलाईन (Online) निविदायें आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाओं हेतु वही ठेकेदार मान्य होंगे जो सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड में 'D' श्रेणी अथवा उच्चतर श्रेणी में पंजीकृत होंगें।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि लाख रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)	निविदा की वैधता अवधि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	सिविल कार्यों की वॉछित श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	Flood protection work in Tainagar Phadka Tok of Village Panchayat Sidri of Mori block district Uttarkashi.	136000.00	2500 + 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
2	Badi Tok flood protection work of Gram Panchayat Fitadi of Mori block district Uttarkashi.	126000.00	2000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
3	Protection work for the agricultural land near Changotra Tok of Gram Panchayat Pora of Purola block district Uttarkashi.	179000.00	4000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
4	Flood protection work in jadal khad rata name tok of village pora in purola block distt uttarkashi.	133000.00	2000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
5	Flood protection work for the agricultural land in Bangera Tok of village Moltadi of Gram Panchayat Math of purola block distt uttarkashi.	132000.00	2000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
6	Flood protection work on the left bank of Badiyar Gad in Gadka and Pesti named tok of village Khand in Naugaon block distt uttarkashi.	191000.00	4000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
7	Flood protection work on the right bank of Badiyar Gad in Vena Naamen Tok of village Koti Thakral in Naugaon block distt uttarkashi.	177000.00	4000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी मे
8	Flood protection work agricultural land and populated area on both sides of the ravine at Gugdi Adda of village Raun in of purola block distt uttarkashi.	215000.00	4000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में डी अथवा उच्चतर श्रेणी में
9	Protection work for the residential and agricultural land in Faidana Tok in Devdug Gram Panchayat of purola block distt uttarkashi.	239000.00	4000+ 18% GST	90 दिन	6 माह	सिंचाई विभाग में सी अथवा उच्चतर श्रेणी में

ई-निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रण की तिथि-09.03.2026

ई-निविदा के माध्यम से निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय-17.03.2026 सांय: 05:00 बजे तक।

निविदाओं से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी हेतु उत्तराखण्ड सरकार की वेबसाईट www.uktenders.gov.in पर लॉग ऑन करें।

नोट-

1. उक्त निविदा प्रणाली में शासनादेश संख्या-33131(1)/2025/XXVII(9)/01/अधिप्राप्ति/2024/ई-77841 दिनांक: 16.09.2025 में दिये गये दिशा-निर्देश का अनुपालन किया जायेगा।
2. निविदाकर्ता द्वारा निविदा एवं GST शुल्क ऑनलाईन माध्यम द्वारा निम्नलिखित लेखाशीर्षक पर जमा करते हुए चालान की प्रति SBD के साथ Upload की जायेगी।

निविदा का लेखाशीर्षक 0701001010100

GST संख्या 05MRT100278F1DI

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड पुरोला

कार्यालय नगर पालिका परिषद, रुद्रप्रयाग

पत्रांक : 1633/कर अनु./ 2025-26 दिनांक : 10.03.2026

(अल्पकालीन निविदा सूचना)

नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्तियों/वसूली ठेकों को निर्धारित अवधि हेतु आवंटित करने / शुल्क वसूली करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है, अन्य जानकारी कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखी जा सकती है, तथा सूचना को जनपद की बेबसाइट http://rudraprayag.nic.in पर भी देखा जा सकता है, संशोधन केवल वेबसाइट पर ही देखे जा सकते है:-

क्र. सं.	सम्पत्ति का नाम / शुल्क वसूली ठेके का नाम	सिक्योर्ड मनी /निर्धारित अवधि	दुकान माप (फीट में)	होर्डिंग स्थापित करने हेतु निर्धारित स्थान	निर्धारित न्यूनतम किराया प्रतिमाह (दुकान) (रू0 में)/ निर्धारित न्यूनतम धनराशि (वित्तीय वर्ष 2026-27 में होर्डिंग स्थापित करने हेतु)	आवेदन शुल्क (रू. में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि	निविदा डालने एवं खुलने की तिथि
1	नया बस अड्डा निकट पंजाब नेशनल बैंक पालिका स्वामित्व की सम्पति के द्वितीय तल पर -01 दुकान किराये पर आवंटन हेतु (खुली बोली के आधार पर)	2,00,000/- दो लाख मात्र	13X18		10,000/-	500 +GST	20,000/-	18.03.2026	23.03.2025
2.	पालिका क्षेत्रान्तर्गत निर्धारित स्थानों पर होर्डिंग्स स्थापित करने हेतु शुल्क वसूली ठेका, (बन्द बोली के आधार पर)	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु		34 स्थान	1,95,000/-	1000 +GST	19,500/-	18.03.2026	23.03.2026

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, रुद्रप्रयाग

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, रुद्रप्रयाग

अभिषेक-ईशान की जोड़ी का जलवा

आईसीसी पुरुष टी-20 बैटिंग रैंकिंग में पहले दो स्थान हासिल किए

दुबई, वार्ता। स्टार भारतीय लेफ्ट-हैंडर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन आईसीसी पुरुष टी-20 बैटिंग रैंकिंग में पहले दो स्थान पर हैं। यह पहली बार है जब किसी भारतीय बैटिंग जोड़ी ने इस फॉर्मेट में पहले-दो स्थान हासिल किए हैं। किशन की नजर टी-20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय बनने पर भी है। बॉलिग रैंकिंग में, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का टॉप पर राज खत्म हो गया, हालांकि वह 14 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, लेकिन उन्होंने बहुत ज्यादा रन दिए।

जबकि पेसर जसप्रीत बुमराह, जो फाइनल में 15 रन देकर चार विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने थे, एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए, जबकि स्पिनर अक्षर पटेल और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या 17वें और 46वें स्थान पर हैं। आईसीसी ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। शर्मा के अभी 875 रेटिग पॉइंट्स हैं, नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 21 गेंदों में 52 रन बनाने की वजह से वह अभी भी टेबल में टॉप पर हैं, जबकि किशन ने कीवी टीम के खिलाफ 25 गेंदों में 52 रन और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 18 गेंदों में 39 रन बनाकर इंग्लैंड के फिल साल्ट और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है।

दोनों के बीच सिर्फ चार पॉइंट्स का फर्क होने की वजह से, किशन (871 पॉइंट्स) के पास विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और शर्मा की बराबरी करने और इस फॉर्मेट में टॉप पर पहुंचने वाले चौथे भारतीय बैट्समैन बनने का भी मौका है। सितम्बर 2022 में, एक ही टीम के पिछले दो बैटर पहले दो पोजीशन पर पाकिस्तान के बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान थे। लेटेस्ट वीकली रैंकिंग अपडेट में न्यूजीलैंड के ओपनर टिम सीफर्ट भी चार पायदान ऊपर चढ़कर करियर के बेस्ट छठे पोजीशन पर पहुंच गए हैं। उन्होंने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 58 और इंडिया के खिलाफ फाइनल में 52 रन बनाए थे। बड़े फायदे पाने वाले दूसरे खिलाड़ियों में इंग्लैंड के जैकब बेथेल हैं, जिनकी सेमीफाइनल में इंडिया के खिलाफ सेंचुरी ने उन्हें करियर के बेस्ट 16वें पोजीशन पर पहुंचा दिया है, और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन, जिनकी वेस्ट इंडीज के खिलाफनॉट आउट 97 रन की पारी और इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन के एक जैसे स्कोर ने उन्हें 22वें स्थान पर पहुंचा दिया है। शिवम दुबे (चार पायदान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर) और विल जैक्स (आठ पायदान ऊपर 58वें स्थान पर) भी आगे बढ़े हैं। बॉलिग रैंकिंग में, टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के तौर पर खत्म करने के बाद भी, इंडिया के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का टॉप पर राज खत्म हो गया है। उन्होंने नौ मैचों में 14 विकेट लिए, लेकिन बहुत ज्यादा रन दिए, खासकर पिछले हफ्ते के मैचों में।

सैन्य विवाद की वजह से अफगानिस्तान-श्रीलंका सीरीज स्थगित

काबुल, वार्ता। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने मंगलवार को कन्फर्म किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य विवाद की वजह से श्रीलंका के खिलाफ अपनी आने वाली सीरीज, जो यूनाइटेड अरब अमीरात में होनी थी, स्थगित कर दी है।

दोनों टीमों को 13 से 25 मार्च तक तीन वनडे और इतने ही टी-20 खेलने थे। एसीबी के चीफ एग्जीक्यूटिव नसीब खान ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया कि हां, श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज स्थगित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि फ्लाइट्स, लॉजिस्टिक्स और इलाके की स्थिति को लेकर कुछ दिक्कतें थीं।

हमने इन मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए दूसरा ऑप्शन भी देखा और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के लगातार संपर्क में रहे। हालांकि, उस समय यूएई से श्रीलंका के लिए कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इतने कम समय में प्रोडक्शन, होटल, ग्राउंड बुकिंग और सिक्योरिटी का इंतजाम करना काफी मुश्किल था। इसलिए, हमने आखिरकार इसे टालने का फैसला किया।

संक्षिप्त खेला समाचार

विश्व कप में खेलने को लेकर आशंका के बीच नेमार ने गुस्सा निकाला

रियो डी जेनेरियो, वार्ता। नेमार ने मिरासोल के साथ सैंटोस के अवे मैच के लिए टीम से बाहर किए जाने पर गुस्सा जताया, जिससे इस साल के फीफा वर्ल्ड कप से पहले उनकी फिटनेस पर नए शक पैदा हो गए हैं। 34 साल के इस खिलाड़ी के मंगलवार रात के सीरी ए मैच में चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीद थी। ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन ने पहले कहा था कि नेशनल टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी इस महीने के आखिर में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों के लिए अपनी टीम का नाम बताने से पहले नेमार का हालचाल जानने के लिए मैच में आएंगे। लेकिन इस फैसले से यह चिंता बढ़ गई कि क्या बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार जून और जुलाई में होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार होंगे।

अमेलिया की हैट्रिक से जीती न्यूजीलैंड

डुनेडिन, वार्ता। अमेलिया केर (80 रन /पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया।

'प्लेयर ऑफ द मैच अमेलिया केर ने हैट्रिक बनाई। केर ने यूनिवर्सिटी ओवल में जबरदस्त ऑल-राउंड प्रदर्शन किया, उन्होंने 80 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 303/6 का बड़ा स्कोर बनाया। केर के अलावा मैडी ग्रीन ने 73 गेंदों में (94), ब्रूक हॉलीडे ने (40) रनों का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के लिए क्रिस्टाबेल चैटोंजवा ने 48 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि टेंडाई मकुशा, एडेल जमिनु और प्रेशियस मारेंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ईरान की फुटबॉल टीम अभी भी फीफा विश्व कप में भाग ले सकती है : जियानी इन्फेंटिनो

वॉशिंगटन, वार्ता। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम अभी भी 2026 फीफा विश्व कप में भाग ले सकती है।

उन्होंने टूर्नामेंट के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ सीधी बातचीत के बाद यह घोषणा की। इन्फेंटिनो के साथ बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान का इस गर्मी के विश्व. कप में हिस्सा लेने के लिए 'स्वागत' है, भले ही दोनों देश युद्ध में हों।

सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट में इन्फेंटिनो ने कहा कि वह अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में होने वाले वैश्विक टूर्नामेंट की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को ट्रम्प से मिले। इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने और ट्रम्प ने 'ईरान की मौजूदा स्थिति के बारे में बात की। इन्फेंटिनो ने कहा कि बातचीत के दौरान, राष्ट्रपति ट्रम्प ने दोहराया कि ईरानी टीम का अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए स्वागत है।

मजबूत टीम भावना ने पर्दे के पीछे से अहम भूमिका निभाईः सूर्यकुमार यादव

● कहा : निजी भूमिकाओं से ऊपर टीम को प्राथमिकता देने की उनकी इच्छा ने भारत के सफल विश्व कप सफर को तय किया

नई दिल्ली, वार्ता। आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विजई अभियान को आकार देने में मदद करने वाली निजी बातचीत और पलों पर बात करते हुए, भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्वास, भरोसा और मजबूत टीम भावना ने पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई। सूर्य ने टीम के कई खिलाड़ियों, जिनमें ईशान किशन और संजू सैमसन शामिल हैं, के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में बात की, और बताया कि कैसे निजी भूमिकाओं से ऊपर टीम को प्राथमिकता देने की उनकी इच्छा ने भारत के सफल वर्ल्ड कप सफर को तय किया।

हमारी वर्ल्ड कप टीम के कुछ खिलाड़ियों की कहानियां बहुत प्रेरणा देने वाली और इमोशनल रही हैं। अगर आप सिराज की बात करें, तो मैंने उन्हें टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले फोन किया था। वह अपने दोस्तों के साथ बैठे थे, कैप पहने हुए थे और खाना खा रहे थे। मैंने उनसे कहा कि हर्षित राणा घायल हैं, आपको टीम में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा, 'सूर्य भाई, क्या आप मजाक कर रहे हैं?' यह उनका पहला रिएक्शन था। फिर मैंने हमारी सिलेक्शन मीटिंग से ठीक पहले इशान किशन को कॉल किया। मैंने उनसे कहा, 'छोटू, क्या तुम हमें वर्ल्ड कप जिताने में मदद करोगे?' उन्होंने कहा, 'सूर्य भैया, बस मुझ पर भरोसा करो और मुझ पर भरोसा रखो।

द. अफ्रीका के चार तथा विंडीज के नौ सदस्य स्वदेश रवाना: आईसीसी

दुबई, वार्ता। आईसीसी बुधवार को कहा कि द.अफ्रीका के चार खिलाडी और परिवार के पांच सदस्य तथा वेस्टइंडीज दल के नौ सदस्य अपने-अपने देशों के लिए प्रस्थान हो चुके है। आईसीसी की ओर से आज अपरान्ह दी गई ताजा अपडेट में खिलाड़ियों के रवाना होने की पुष्टि की गई है। उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के चार खिलाड़ी और उनके परिवार के पांच सदस्य फ्लाइट पकड़ चुके हैं और घर जा रहे हैं, उनके बाकी सभी 29 सदस्य अगले 24 घंटों में निकलने वाले हैं। वहीं वेस्ट इंडीज के दल में से, नौ सदस्य स्वदेश रवाना हो चुके हैं, जबकि बाकी 16 अगले 12 घंटों में भारत से जाने वाली उड़ानों में बुक हैं।

महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस ने सूर्यकुमार यादव व शिवम दुबे को सम्मानित किया

मुम्बई, वार्ता। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के रिकॉर्ड तीसरे टाइटल जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को सम्मानित किया। मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिक्य नाइक भी इस मौके पर मौजूद थे, जब मुंबई की इस जोड़ी को टाइटल जीतने वाले कैंपेन में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया। भारत ने गत रविवार को अहमदाबाद में फाइनल में न्यूघीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब जीता था। शिवम दुबे के लिए मुंबई पहुंचना एक दिलचस्प घटना रही। हवाई यात्रा उपलब्ध न होने के कारण शिवम थ्री टियर एसी से सफर कर मुंबई पहुंचे।

जीत के साथ सिनर, सबालेंका क्वार्टरफाइनल में

● जानिक सिनर ने जोआओ फोन्सेका को 7-6, (6), 7-6, (4) से हराया

इंडियन वेल्स, वार्ता। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जानिक सिनर ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वार्टरफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की।

सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा कि जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला।

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुक. ाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिग सर्विस गेम से की।

● आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराया

हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला।

आईसीसी की पुरस्कार राशि से टी-20 विश्व कप टीमें हुई मालामाल

दुबई, वार्ता। आईसीसी ने बुधवार को टी-20 विश्व कप 2026 में शामिल हुई सभी 20 टीमों को उनके प्रदर्शन के आधार पर कुल 11-25 मिलियन यूएस डॉलर (एक अरब 39 करोड़ चार लाख 43 हजार) की पुरस्कार राशि के अंतिम विवरण की पुष्टि कर दी है। सह-मेजबान भारत खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनी है।

खिताब विजेता भारत को 2,639,423 डॉलर (24,28, 49,351 रुपये) और उप विजेता न्यूजीलैंड को 1,422,692 डॉलर (13,08,91,789 रुपये) की पुरस्कार राशि मिली है। वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली दक्षिण अफ्रीका को 1,005,577 डॉलर (9,24,89,855 रुपये) और इंग्लैंड को 974,423 डॉलर (8,96,49,741 रुपये) राशि मिली है। विंडीज को 538,269 डॉलर (4,95, 19,222 रुपये), पाक को 522,692 डॉलर (4,80,86,182 रुपये), जिम्बाब्वे को 491,538 डॉलर (4,52,20,103 रुपये), श्रीलंका को 475,962 डॉलर (4,37,87,155 रुपये), अफगानिस्तान को 309,808 डॉलर (2,85,01,248 रुपये), ऑस्ट्रेलिया को 309,808 डॉलर (2,85,01,248 रुपये),अमेरिका को 309,808 डॉलर (2,85, 01,248 रुपये) स्कॉटलैंड को 278,654 डॉलर (2,56,35,189 रुपये), आयरलैंड को 271,731 डॉलर , इटली को 256,154 डॉलर , नीदरलैंड को 256,154 डॉलर (2,35,62,748 रुपये), यूएई को 256,154 डॉलर (2,35,62,748 रुपये), नेपाल को 256,154 डॉलर (2,35, 62,748 रुपये), कनाडा को 225,000 डॉलर (2,06,92,575 रुपये), नामीबिया 225,000 डॉलर (2,06,92,575 रुपये) व ओमान को 225,000 डॉलर (2,06,92,575 रुपये) की पुरस्कार राशि मिली है।

टी-20 के बाद वनडे में भी पाक टीम फुस्स

● पहले मुकाबले में बांग्लादेश ने आठ विकेट से रौंदा, पाकिस्तान मात्र 114 रन ही बना सकी

मीरपुर, वार्ता। पाकिस्तान का टी-20 विश्व कप में सुपर-8 चरण से बाहर होने का दुख अभी खत्म नहीं हो पाया था कि अब वनडे में भी उन्हें करारी शिकस्त मिली है। दरअसल, पाकिस्तान को बांग्लादेश ने पहले वनडे में आठ विकेट से रौंद दिया। तीन मैचों की वनडे सीरीज का यह मुकाबला मीरपुर में खेला गया, जहां पाकिस्तान 30.4 ओवर में महज 114 रन ही बना सकी।

वहीं, बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मेजबान बांग्लादेश सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम ने 23 वर्षीय नाहिद राणा की धारदार गेंदबाजी के सामने घुटने टेक दिए। मेहमान टीम 30.4 ओवरों में सिर्फ 114 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान को साहिबजादा फरहान और माज सदाकत की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 10 ओवरों में 41 रन जोड़े। साहिबजादा फरहान 38 गेंदों में 4 चौकों के साथ 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। अगली आठ साझेदारियां दहाई का आंकड़ा भी ना छू सकीं। आलम ये रहा कि पाकिस्तानी टीम 82 के स्कोर तक अपने नौ विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अबरार अहमद ने फहीम अशरफ के साथ अंतिम विकेट के लिए 41 गेंदों में 32 रन जुटाकर टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से साहिब. जादा फरहान के अलावा, माज सदाकत (18), मोहम्मद रिजवान (10) और फहीम अशरफ (37) के अलावा, कोई अन्य बल्लेबज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका।

विपक्षी खेमे से नाहिद राणा ने सात ओवरों में 24 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। उनके अलावा, कप्तान मेहदी हसन मिराज ने 3 विकेट निकाले। तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर के हाथ 1-1 विकेट लगा। इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम ने महज 15.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। सैफ हसन ने तंजीद हसन तमीम के साथ पहले विकेट के लिए 16 गेंदों में 27 रन की साझेदारी की। सैफ हसन 10 गेंदों में चार रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद नजमुल हसन शांतो ने तंजीद के साथ दूसरे विकेट के लिए 67 गेंदों में 82 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को जीत के करीब पहुंचा दिया।

2025 बीसीबी चुनावों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई

ढाका, वार्ता। नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने बुधवार को बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड के 2025 के चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यों वाली एक इंडिपेंडेंट जांच कमेटी बनाई।

कार्यालय प्रेमविद्यालय सभा (रजि0)
गुरूकुल नारसन (हरिद्वार) (pvsgn1939@gmail.com)

पत्रांक: का0प्रे0स0/60/2025-26 दिनांक: 11-03-2026

-: आवश्यक सूचना :-

प्रेम विद्यालय सभा (रजि0) गुरूकुल नारसन (हरिद्वार) संस्था की प्रबन्धकारिणी की बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुपालन में साधारण सभा के समस्त सम्मानित सदस्यों को सहर्ष सूचित किया जाता है कि संस्था की साधारण सभा की विशेष बैठक दिनांक 27-03-2026 दिन शुक्रवार को अपराह्न 02:00 बजे राजा महेन्द्र प्रताप स्पोर्ट्स ऐकेडमी गुरूकुल नारसन (हरिद्वार) के प्रांगण में आहुत की जा रही है। जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। कृपया समय पर उपस्थित हो बैठक में प्रतिभाग करें।

बैठक का ऐजेन्डा:-
1. वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रार्थना।
2. प्रबन्धकारिणी की बैठकों की कार्यवाही की पुष्टि।
3. प्रेम विद्यालय सभा की प्रबन्धकारिणी के प्रबन्धन एवं उनके कार्यों पर विचार।
4. प्रेम विद्यालय सभा के पंजीकृत बायलॉज / संविधान में संशोधन कराने पर विचार।
5. अन्य कार्यवाही अध्यक्ष जी की आज्ञा से।

(मोहित कुमार) अध्यक्ष, प्रेम विद्यालय सभा (रजि0), गुरूकुल नारसन (हरिद्वार) यू0के0
(योगेश कुमार) सचिव, प्रेम विद्यालय सभा (रजि0), गुरूकुल नारसन (हरिद्वार) यू0के0

सफाई कर्मचारी व यूजर चार्ज को लेकर निगम में बुलाई बैठक बेनतीजा

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी, वार्ता से नहीं हुआ समझौता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। यूजर चार्ज को लेकर रुड़की नगर निगम में चल रहे विवाद के बीच बुधवार को नगर निगम सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जमकर हंगामा हुआ। हड़ताल समाप्त कराने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन और सफाई कर्मचारियों के बीच समझौता वार्ता बुलाई गई थी, लेकिन बैठक में किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी। बैठक में मुख्य नगर आयुक्त राकेश चंद तिवारी, महापौर अनीता अग्रवाल, नगर निगम के आउटसोर्स सफाई कर्मचारी, स्वस्थ मोहल्ला कर्मचारी और पर्यावरण मित्र मौजूद रहे। सफाई कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगें नगर निगम प्रशासन के सामने रखीं, लेकिन उन पर सहमति नहीं बन पाई।

बैठक के दौरान पार्षद पंकज

सतीजा, नितिन त्यागी, पार्षद प्रतिनिधि शगुन शर्मा, चारु कुमार और ताहिर अहमद ने हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों की समस्याओं को देखते हुए बोर्ड बजट से प्रत्येक सफाई कर्मचारी को हर माह ₹3000 अतिरिक्त देने का प्रस्ताव भी रखा। हालांकि कर्मचारियों ने इस प्रस्ताव पर भी असहमति जताई। इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने मुख्य नगर आयुक्त द्वारा मीडिया को दिए गए एक बयान पर भी कड़ा विरोध जताया। कर्मचारियों का कहना था कि एक ओर नगर निगम प्रशासन उन्हें परिवार का हिस्सा बताता है, जबकि दूसरी ओर मीडिया में सफाई कर्मचारियों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे उनके सम्मान को ठेस पहुंची है। कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की भाषा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। विवाद बढ़ने पर मुख्य नगर आयुक्त राकेश चंद तिवारी ने भरी सभा में अपने बयान पर खेद व्यक्त करते हुए सफाई कर्मचारियों से मौखिक रूप से माफी मांगी। इसके बावजूद बैठक में किसी भी मांग पर सहमति नहीं बन सकी और समझौता वार्ता विफल हो गई। इसके बाद सफाई कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया। हड़ताल के चलते नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है और कई स्थानों पर कूड़ा जमा होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त होता नजर आ रहा है। इस बैठक में सफाई आयोग के सदस्य विनय प्रताप भी मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों ने उठाई यह मांगे...समान कार्य समान वेतन दिए जाने की मांग की। साथ ही कहा कि उन्हें आउटसोर्स के बदले संविदा पर तैनाती दी जाए। हाईवे पर डिवाइडर आदि की सफाई करने वाले कर्मियों को सुरक्षा उपकरण दिए जाएं। कूड़ा उठान और यूजर चार्ज के लिए कोई कंपनी नगर निगम में न लाई जाएं, सफाई कर्मचारी उसमें काम नहीं करना चाहते सौ कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया बोर्ड बैठक में पास हुई थी लेकिन भर्ती नहीं किए गए। जो कर्मचारी बिना किसी वजह के हटाए गए उनकी वापसी की जाए कर्मचारियों ने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी ड्यूटी सफाई की है रैली में भीड़ बढ़ाने की नहीं।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि उनकी मांगों को लेकर शासन तक जाएं और जब वहां से मांगें पूरी हो जाएंगी तो कर्मचारी हड़ताल खत्म कर देंगे। सफाई आयोग के सदस्य विनय प्रताप सिंह ने कहा जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गया है उसके स्थान पर उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दें। आउटसोर्स कर्मचारियों में अगर किसी की मृत्यु हुई है तो उसके स्थान पर परिवार के सदस्य को नौकरी दें साथ ही जिस कंपनी के जरिए कर्मचारी रखे गए हैं वह कंपनी सभी मानकों का पालन कर कर्मचारियों को सुविधाएं दें।

मेयर प्रतिनिधि बोले-इस संबंध में मेयर प्रतिनिधि ललित मोहन अग्रवाल का कहना है कि कर्मचारियों से वार्ता की जा रही है उनके अधिकतर मांगें शासन स्तर पर है जो शासन तक पहुंचाई जाएगी अभी वार्ता चल रही है जल्द ही हड़ताल खत्म करवा दी जाएगी और सफाई व्यवस्था पटरी पर आ जाएगी।

इमलीखेड़ा विवाद में दोनों पक्षों के 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। इमलीखेड़ा में 8 मार्च को दो पक्षों के बीच हुए विवाद के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर 25 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर पंचायत इमलीखेड़ा निवासी मोहित सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 मार्च को आजाद पाल के कुछ रिश्तेदार उसकी दुकान पर आए और गुगल पे से भुगतान करने के बाद नकद पैसे की मांग करने लगे। जब उसने नकद पैसे देने से मना किया तो आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने अपने अन्य रिश्तेदारों को भी मौके पर बुला लिया।आरोप है कि इसके बाद आजाद पाल समेत करीब एक दर्जन लोगों ने दुकान में तोड़फोड़ कर दी। सूचना मिलने पर जब उसके पिता और भाई मौके पर पहुंचे तो हमलावरों ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया और उनके साथ धक्का-मुक्की की। पीड़ित के पिता ने इस घटना से मानसिक रूप से आहत हो गए। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से बाल सिंह ने तहरीर देकर बताया कि उनके परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थी और घर पर मेहमान आए हुए थे। आरोप है कि मोहित सैनी और सोनी ने उनके मेहमानों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। विरोध करने पर मारपीट शुरू हो गई। जब उसके पुत्र आजाद पाल ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोप है कि मोहित पक्ष के लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर मौके पर पहुंच गए और आजाद पाल पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल आजाद पाल को चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया जहां उसका उपचार चल रहा है।कलियर थाना प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर क्रॉस मुकदमा दर्ज किया गया है। मोहित सैनी की तहरीर पर आजाद पाल, अनिल, अस्मित, अनुराग, निशु, सौरभ, आदित्य, लक्की, गोविंद, मोनू और बीपिन पाल समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं बाल सिंह की तहरीर पर मोहित सैनी, अर्जुन, रजत, अभिषेक, शुभम, जोनी, योगेश, अनिकेत, लवीश, अरुण, अजीत, अनंत और अर्जुन सैनी निवासी इमलीखेड़ा के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

लक्सर विधायक हाजी शहजाद ने शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

सुल्तानपुर कन्या विद्यालय के उच्चीकरण व डीएलएड भर्ती पर बनी सहमति

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर/देहरादून। उत्तराखंड सरकार के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से लक्सर विधायक मोहम्मद शहजाद ने शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान विधानसभा लक्सर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और शिक्षा जगत से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।छात्राओं को मिलेगी बड़ी सौगात: हाई स्कूल बनेगा सुल्तानपुर कन्या विद्यालय विधायक मोहम्मद शहजाद ने विशेष रूप से नगर पंचायत सुल्तानपुर स्थित राजकीय कन्या जूनियर हाई स्कूल का मुद्दा माननीय मंत्री के सम्मुख रखा उन्होंने बताया कि छात्राओं की उच्च शिक्षा और सुविधा के लिए इस विद्यालय का हाई स्कूल में उच्चीकृत होना अत्यंत आवश्यक है।सरकारी कार्यवाही: विधायक के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए डॉ. धन सिंह रावत ने मौके पर ही संबंधित उच्चाधिकारियों को इस संबंध में अग्रिम विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। डीएलएड भर्ती परीक्षा: अप्रैल में आयोजन का आश्वासनशिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के भविष्य और रोजगार को देखते हुए विधायक ने डीएलएड भर्ती परीक्षा के आयोजन में हो रही देरी पर भी चर्चा की। इस पर मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि सरकार युवाओं के हितों के प्रति पूरी तरह सजग है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग इस परीक्षा को अप्रैल माह में आयोजित कराने की पूरी तैयारी कर रहा है। क्षेत्र में हर्ष की लहरविधायक मोहम्मद शहजाद और शिक्षा मंत्री के बीच हुई इस सार्थक वार्ता से लक्सर और सुल्तानपुर क्षेत्र के नागरिकों में खुशी का माहौल है। विद्यालय के उच्चीकरण से जहाँ छात्राओं को लंबी दूरी तय करने से निजात मिलेगी, वहीं डीएलएड परीक्षा की सुगबुगाहट से बेरोजगार युवाओं में नई उम्मीद जगी है।

गैस की किल्लत पर जेएम का दीपाली गैस एजेंसी पर औचक छापा, व्यवस्था की गहन पड़ताल

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आम लोगों को आवश्यक वस्तुओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। इसी कड़ी में रुड़की के संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट ने आज शहर की दीपाली गैस एजेंसी का अचानक निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

औचक निरीक्षण के दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट ने एजेंसी में मौजूद गैस सिलेंडरों के स्टॉक, उपभोक्ताओं तक वितरण व्यवस्था, बुकिंग प्रणाली और समय पर आपूर्ति की स्थिति का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने यह भी देखा कि गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं तक तय प्रक्रिया के

अनुसार पहुंच रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान संयुक्त मजिस्ट्रेट ने एजेंसी संचालक को स्पष्ट निर्देश दिए कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी पारदर्शिता और नियमों के अनुसार की जाए। उन्होंने सख्त शब्दों में कहा कि किसी भी तरह की कालाबाजारी, अनियमितता या उपभोक्ताओं के साथ भेदभाव बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं से निर्धारित सरकारी दरों पर ही उपलब्ध कराए जाएं और वितरण में सबसे पहले घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जाए। निरीक्षण के दौरान एजेंसी में सुरक्षा मानकों, भंडारण व्यवस्था और सिलेंडरों की सुरक्षित रख-रखाव की स्थिति की भी बारीकी से जांच की गई। संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र शेट ने कहा कि प्रशासन आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और उनकी सही आपूर्ति को लेकर पूरी तरह सतर्क है। यदि कहीं से भी अनियमितता या शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खानपुर व झबरेड़ा विधायक ने विधानसभा में उठाया किसानों को मुफ्त बिजली देने का मुद्दा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। गैरसैंण में चल रहे बजट सत्र के दौरान किसानों को मुफ्त बिजली देने की मांग जोरदार तरीके से उठाई गई। खानपुर विधायक उमेश कुमार और झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती ने किसानों के हितों को लेकर सदन में आवाज बुलंद की। इस दौरान दोनों विधायक बैनर लेकर सदन के वेल में पहुंच गए और सरकार से किसानों को मुफ्त बिजली देने की मांग की। खानपुर विधायक उमेश कुमार ने कहा कि प्रदेश का किसान पहले ही महंगाई, बढ़ती लागत और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। ऐसे में किसानों को राहत देने के लिए सरकार को बिजली पूरी तरह मुफ्त करनी चाहिए, ताकि खेती की लागत कम हो और किसानों को आर्थिक मजबूती मिल सके। वहीं झबरेड़ा विधायक वीरेंद्र जाती ने कहा कि उत्तराखंड का किसान सीमित संसाधनों के बावजूद खेती कर रहा है, लेकिन बिजली के बढ़ते बिलों ने किसानों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में किसानों के हितों के लिए गंभीर है तो प्रदेश के किसानों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा करनी चाहिए। दोनों विधायकों ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और जब तक किसानों को राहत नहीं मिलती, तब तक वे सदन से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेंगे। सदन में इस मुद्दे को लेकर कुछ देर तक हंगामे की स्थिति भी बनी रही।

रुड़की में उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मंगलवार को उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र (सीपीसी) रुड़की का उद्घाटन बैंक के अध्यक्ष हरी हर पटनायक तथा क्षेत्रीय प्रबंधक उमा नाथ ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक अध्यक्ष हरी हर पटनायक ने कहा कि उत्तराखंड ग्रामीण बैंक लंबे समय से राज्य के लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करता आ रहा है, जिससे आमजन के जीवन को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि बैंक ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। क्षेत्रीय प्रबंधक उमा नाथ ने कहा कि बैंक द्वारा कृषि, पशुपालन, उद्योग (एमएसएमई) तथा आवास ऋण सहित विभिन्न प्रकार की ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि बैंक अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है, जिससे ग्राहकों को तेज और बेहतर सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि सीपीसी रुड़की में हरिद्वार जिले की 10 शाखाओं से आने वाले ऋण आवेदनों का प्रसंस्करण किया जाएगा। इससे ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इस दौरान सीपीसी प्रमुख गजेन्द्र सिंह मपवाल, शाखा प्रबंधक शिवा परवीन, मंदीप सिंह, संतोष चौटियाल, आजाद रावत, अर्चना धीमान, नीरु गोस्वामी, ऋतू सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बैंक अधिवक्ता हरीश चन्द्र गांधी और गिरीश चन्द्र त्यागी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय शर्मा ने किया।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर संघर्ष, चार गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना क्षेत्र के गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर संघर्ष हुआ। आरोप है कि एक पक्ष के दबंगों ने धारदार हथियारों, सरिये और लाठियों से दूसरे परिवार पर हमला कर दिया, जिसमें पिता-पुत्र सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। झबरेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गांव खाताखेड़ी निवासी शान मोहम्मद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी आमिर, रहीश, कैफ, जमशेद, फरीन और रजीना उनके घेर के सामने बड़ा पाइप लगाकर रास्ता बाधित कर रहे थे। जो उनके पशु बांधने की जगह है। जब उनके द्वारा झोटा-बुग्गी निकालने में हो रही असुविधा का विरोध किया, तो विपक्षी आगबबूला हो गए। आरोप है कि हमलावर पक्ष के लोग हाथों में छुरी, सरिया और लाठियां लेकर आए और जानलेवा हमला कर दिया। आमिर ने छुरी से वार कर उवैश का गाल काट दिया तथा रहीश ने लोहे के सरिये से माज अहमद के सिर पर वार किया, जिससे उसका माथा फट गया। कैफ और जमशेद ने लाठियों से शान मोहम्मद पर हमला किया, जिससे उनका दायां हाथ गंभीर रूप से चोटिल हो गया।

इतना ही नहीं, दबंगों ने घर में बंधी भैंसों को भी लाठियों से पीटा और जमकर पथराव किया। हमले में शान मोहम्मद, उनके भाई उवैश, मोहम्मद माज अहमद और उनके पिता को गंभीर चोटें आई हैं। थानाध्यक्ष अजय शाह का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पेट व लीवर रोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बी.एस.एम. चौक स्थित मैक्स हेल्थकेयर, के सहयोग से पेट एवं लिवर रोगों से संबंधित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सुभाशीष मजूमदार व डॉ. जटाशंकर ने मरीजों की जाँच कर उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर के दौरान पेट दर्द, पीलिया, एसिडिटी, फैटी लिवर, कब्ज व अन्य पेट संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों ने परामर्श लिया। साथ ही मरीजों के लिए रैंडम ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर व फाइब्रोस्कैन की निःशुल्क जाँच भी की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जाँच का लाभ उठाया।

पांच लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

गुरुकुल नारसन। मंगलौर पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। पुलिस ने 05 लीटर कच्ची शराब सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। एसएसपी हरिद्वार द्वारा अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये गये हैं, के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर द्वारा थाना अंतर्गत विभिन्न टीमों को इस कार्य में लगाया गया तथा अलग-अलग क्षेत्र में नशा माफियों के विरुद्ध दबिश दिया गया। जिसके फलस्वरूप एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 05 लीटर कच्ची शराब नाजायज बरामद की गई। जिसके विरुद्ध आबकारी अधि० में अभियोग पंजीकृत किया गया नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। नाम पता अभियुक्त-बब्लू पुत्र मंगू निवासी ग्राम नारसन कला थाना मंगलौर है।

बीएसएम पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने चलाया नशा जागरूकता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बीएसएम (पीजी) कॉलेज रुड़की, महाविद्यालय के तत्वाधान में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव परिणाम के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नशा मुक्त के संदेश के साथ विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाई। मानव श्रृंखला के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। उपस्थित लोगों ने नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गौतम वीर ने

छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि वह नशे से दूर रहे और एक स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में सहयोग करें। आप सभी देश का भविष्य है। अगर युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी तो हमारा समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत बनेंगे। एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉक्टर अलका तोमर ने छात्र-छात्राओं को बताया कि स्वस्थ शरीर, साफ मन और उज्जवल भविष्य के लिए नशे से दूर रहना ही सबसे बड़ा कदम है। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें- नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करें। महाविद्यालय के डॉक्टर सुनीता कुमारी ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया और कहा कि नशा कोई समाधान नहीं है। एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम स्वयं नशे से दूर रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक गण डॉक्टर रीमा सिन्हा, डॉक्टर इंदु अरोड़ा, अनुप शांडिल्य, डॉक्टर सीमा गुप्ता आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में साक्षी, भावना, राही, आदित्य, संगम समीर, रिहान, राहुल, निशु आदि छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

भवन कर नोटिसों की आपत्तियों पर हुई सुनवाई

नपं अध्यक्ष किरण चौधरी व ईओ की अध्यक्षता में सुनी समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। नगर पंचायत झबरेड़ा द्वारा भवन कर बढ़ाने को लेकर कस्बे वासियों को नोटिस भेजे गए थे नगर पंचायत की ओर से भेजे गए नोटिस की सुनवाई बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी द्वारा आपत्तियों की सुनवाई की गई।

नगर पंचायत द्वारा भवन कर बढ़ाने को लेकर सभी कस्बे वासियों को पंचायत की ओर से नोटिस भेजे गए थे। नगर पंचायत द्वारा बढ़ाये गए भवन कर पर किसी कस्बे वासी को आपत्ति हो तो आपत्ति भी मांगी गई थी नगर पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी ने बताया कि प्रत्येक 5 वर्ष में नगर पंचायत में भवन कर बढ़ाने का प्रावधान है। इसमें नगर पंचायत द्वारा 10 से 12% तक भवन कर बढ़ाये गए थे इसी संबंध में कस्बे वासियों को नोटिस भेजे गए थे। किसी भी कस्बे वासी को बढ़ाये गए भवनकर पर कोई आपत्ति हो तो उसकी सुनवाई बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय में सुनी गई। अधिकतर आपत्तियों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 12 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

तनाव के बीच महंगाई

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल ठिकानों पर हमलों के बीच ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल पार पहुंच गया, जबकि 150 डॉलर तक जाने की आशंका जताई जा रही है। सप्लाई बाधित होने से वैश्विक बाजार दबाव में हैं। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों में महंगाई, बढ़ते आयात बिल और रूपए पर अतिरिक्त दबाव की चिंता बढ़ गई है। कतर के पेट्रोलियम मंत्री ने चार दिनों पहले चेतावनी दी थी कि क्रूड ऑयल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। अब यह चेतावनी हकीकत का रूप लेती लग रही है। ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के बैरियर को पार कर चुका है। इसमें एक ही दिन में 29 प्रतिशत की तेजी आई और 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से अब तक के उच्चतम स्तर पर है। ऑयल फैसिलिटीज पर हमला। दुनिया में पैदा होने वाले कुल क्रूड ऑयल का करीब एक तिहाई पश्चिम एशिया से आता है। अकेले होर्मुन स्ट्रेट से 20 प्रतिशत तेल की डिलिवरी होती है। इस रास्ते से व्यापार फिलहाल बंद है और इलाके में मौजूद ऑयल फैसिलिटीज भी निशाना बन रही है। पिछले दिनों कतर के सबसे बड़े एलएनजी प्लांट और सऊदी अरब की सबसे बड़ी ऑयल रिफाइनरी पर ईरान ने हमला किया था। अब बहरीन की सरकारी कंपनी बीएपीसीओ ने भी कह दिया है कि वह अपने व्यापारिक वादे पूरे नहीं कर पाएगी। संघर्ष की वजह से ग्लोबल ऑयल सप्लाई चेन बाधित हुई और उसी का असर क्रूड ऑयल पर दिख रहा है। अमेरिका-इसाइल के ईरान पर हमला शुरू करने के बाद से इसमें करीब 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है और चिंता की बात है कि इसमें फिलहाल सुधार की गुंजाइश नहीं दिख रही। उल्टे कई एक्सपर्ट्स को 1973 के क्राइसिस की याद आ रही है, जब अरब-इस्राइल युद्ध की वजह से क्रूड की कीमतें 300 प्रतिशत तक चढ़ गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों कहा था कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज से गुजरने वाले तेल टैंकरों को सुरक्षा प्रदान कर सकती है, लेकिन मार्केट के रिएक्शन से जाहिर है कि उनकी बात पर किसी को भरोसा नहीं और यह आशंका भी बढ़ रही है कि संघर्ष लंबा चलेगा। शेयर बाजार पर भी यह डर हावी है। सोमवार को सेंसेक्स में 1.71 प्रतिशत और निफ्टी में 1.73 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत क्रूड ऑयल आयात करता है। इसमें तेजी का मतलब है आयात बिल का बढ़ना। एक अनुमान के अनुसार, क्रूड ऑयल में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोतरी से जीडीपी पर 0.5 प्रतिशत तक का असर पड़ता है। ऑयल मार्केट जितने लंबे अरसे तक सामान्य से ऊपर रहेगा, भारत को उतना ही ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इससे देश के भीतर महंगाई बढ़ेगी और पहले से डॉलर के मुकाबले दबाव झेल रहे रूपए में और नरमी आएगी।

परंपराओं और नियमों का उल्लंघन

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए प्रस्ताव में भी परंपराओं और नियमों का उल्लंघन कर रही है, लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को हुई बहस के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने गर्व से दावा किया था कि इस बहस के लिए 10 घंटे का समय दिया गया है, जबकि दिसम्बर 1954 में इसी तरह के एक प्रस्ताव के लिए केवल ढाई घंटे निर्धारित किए गए थे, श्री रिजिजू शायद यह बताना भूल गए कि 18 दिसम्बर 1954 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु बहस के दौरान सदन में मौजूद रहे और उसमें हिस्सा भी लिया था, सदन में बोलते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने सदन की अध्यक्षता कर रहे उपाध्यक्ष से अनुरोध किया था कि बहस के समय का अधिकांश हिस्सा विपक्ष को दिया जाए, लोकसभा में जब यह प्रस्ताव लाया गया था।

-जयराम रमेश, प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग

गुर्दों की खामोश पुकार : समय रहते पहचानें, जीवन बचाएं

योगेश कुमार गोयल

मानव शरीर की जटिल संरचना में गुर्दे (किडनी) ऐसे मौन प्रहरी हैं, जो शरीर के भीतर निरंतर संतुलन बनाए रखने का कार्य करते हैं। वे रक्त से विषैले अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालते हैं, शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखते हैं, रक्तचाप को नियंत्रित करने वाले हार्मोन बनाते हैं और लाल रक्त को. शिकाओं के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ए अंग तब तक चुपचाप काम करते रहते हैं, जब तक कि इनमें गंभीर क्षति न हो जाए। यही कारण है कि गुर्दे की बीमारी को अक्सर 'साइलेंट किलर' या 'मूक महामारी' कहा जाता है। आज विश्व स्तर पर गुर्दे की बीमारियां तेजी से बढ़ती हुई स्वास्थ्य चुनौतियों में शामिल हो चुकी हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार दुनिया में 85 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार की किडनी बीमारी से प्रभावित हैं और हर 10 में से 1 व्यक्ति को क्रॉनिक किडनी डिजीज का खतरा है। चिंता की बात यह है कि अधिकांश लोगों को तब तक अपनी बीमारी का पता नहीं चलता, जब तक कि गुर्दों को गंभीर क्षति न पहुंच जाए। हर वर्ष लाखों लोग गुर्दे की बीमारी से जुड़ी जटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।

इन्हीं चुनौतियों के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल मार्च के दूसरे गुरुवार को 'विश्व किडनी दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 12 मार्च को 'सभी के लिए गुर्दा स्वास्थ्यरू लोगों की देखभाल, ग्रह की रक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय न केवल किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देता है बल्कि यह भी बताता है कि मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2006 में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउंडेशंस की संयुक्त पहल के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य दुनियाभर में किडनी रोगों के बढ़ते बोझ को कम करना, लोगों को समय पर जांच के लिए प्रेरित करना और स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना था। आज यह अभियान सैंकड़ों देशों में मनाया जाने वाला एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है, जिसमें स्वास्थ्य संस्थान, चिकित्सक, सामाजिक संगठन और आम नागरिक सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

गुर्दे की बीमारी का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआती चरणों में व्यक्ति को सामान्य रूप से कोई परेशानी महसूस नहीं होती लेकिन भीतर ही भीतर गुर्दों की कार्यक्षमता कम होती रहती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ समय-समय पर किडनी की जांच कराने पर विशेष जोर देते हैं। साधारण रक्त और मूत्र परीक्षणों के माध्यम से गुर्दों की कार्यप्रणाली का आकलन किया जा सकता है और बीमारी को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ लोगों में गुर्दे की बीमारी का जोखिम सामान्य से अधिक होता है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति इस बीमारी के सबसे बड़े जोखिम समूह में आते हैं क्योंकि लंबे समय तक उच्च रक्त शर्करा और बढ़ा हुआ रक्तचाप गुर्दों की नाजुक फिल्टरिंग इकाइयों को नुकसान पहुंचाते हैं। इसके अतिरिक्त मोटापा, हृदय रोग, पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान, बढ़ती आयु और कुछ दवाओं का लंबे समय तक उपयोग भी गुर्दे की बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को विशेष रूप से नियमित जांच कराने की सलाह दी जाती है। गुर्दे की बीमारी के कुछ संभावित संकेत भी होते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लगातार थकान महसूस होना, पैरों या टखनों में सूजन, आंखों के आसपास सूजन, पेशाब के रंग या मात्रा में बदलाव, बार-बार पेशाब आना, भूख कम लगना, मतली या सांस फूलना जैसे लक्षण गुर्दों की समस्या की ओर संकेत कर सकते हैं। हालांकि यह आवश्यक नहीं कि ए सभी लक्षण हर मरीज में दिखाई दें, इसलिए जांच को ही सबसे विश्वसनीय तरीका माना जाता है। किडनी की कार्यक्षमता का आकलन करने के लिए कई प्रकार की चिकित्सीय जांचें उपलब्ध हैं। रक्त में क्रिएटिनिन स्तर की जांच और अनुमानित 'ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट' यह बताती है कि गुर्दे रक्त को कितने प्रभावी ढ़ंग से फिल्टर कर रहे हैं। इसके अलावा मूत्र परीक्षण के माध्यम से प्रोटीन या एल्ब्यूमिन की उपस्थिति का पता लगाया जाता है, जो गुर्दे की शुरुआती क्षति का संकेत हो सकता है। अल्ट्रासाउंड जैसे इमेजिंग परीक्षणों से गुर्दों की संरचना और किसी संभावित रुकावट, पथरी या सिस्ट का पता लगाया जा सकता है। यदि समय रहते गुर्दे की बीमारी का पता चल जाए तो अक्सर जीवनशैली में बदलाव और दवाओं के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है लेकिन यदि बीमारी उन्नत चरण में पहुंच जाए तो डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण जैसी जटिल उपचार प्रक्रियाओं की आवश्यकता पड़ सकती है। इसीलिए विश्व किडनी दिवस का प्रमुख संदेश है 'जल्दी पहचान, बेहतर उपचार।' गुर्दों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी जीवनशैली उपाय अपनाए जा सकते हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना गुर्दों को विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। संतुलित और पौष्टिक आहार, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले प्रोटीन शामिल हों, किडनी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। नमक और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का अत्यधिक सेवन रक्तचाप को बढ़ा सकता है, जिससे गुर्दों पर दबाव पड़ता है। नियमित शारीरिक गतिविधि भी गुर्दे के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग, तैराकी या साइकिल चलाना शरीर के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और रक्तचाप तथा रक्त शर्करा को नियंत्रित रखने में मदद करता है। धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन भी गुर्दों को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए इनसे दूर रहना चाहिए। दर्द निवारक दवाओं का अत्यधिक और लंबे समय तक उपयोग भी किडनी को प्रभावित कर सकता है। नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का अनियंत्रित उपयोग गुर्दों पर दबाव डालता है, इसलिए किसी भी दवा का लंबे समय तक उपयोग करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है।

पर्यावरणीय कारक भी किडनी स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। बढ़ता वायु और जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक गर्मी और पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थ गुर्दों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। लंबे समय तक गर्म वातावरण में काम करने से शरीर में निर्जलीकरण और ताप तनाव बढ़ता है, जिससे गुर्दों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसी प्रकार प्रदूषित जल और रासायनिक पदार्थ भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह अभियान केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणालियों की आवश्यकता पर भी बल देता है। उदाहरण के लिए, डायलिसिस उपचार में बड़ी मात्रा में पानी और ऊर्जा का उपयोग होता है। इसलिए चिकित्सा क्षेत्र में ऐसी तकनीकों और प्रक्रियाओं को अपनाने की आवश्यकता है, जो पर्यावरण के अनुकूल हों और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें। बहरहाल, किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में समाज के प्रत्एक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों को वर्ष में कम से कम एक बार किडनी की जांच अवश्य करानी चाहिए। यदि बीमारी का प्रारंभिक चरण में ही पता चल जाए तो उचित उपचार और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से गुर्दों को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। वास्तव में गुर्दे हमारे शरीर के ऐसे मौन संरक्षक हैं, जिनकी उपेक्षा गंभीर परिणाम ला सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम किडनी स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, पर्यावरण की रक्षा करें और ऐसी जीवनशैली अपनाएं, जो शरीर और प्रकृति दोनों के लिए लाभकारी हो। यदि हम समय रहते सचेत हो जाएं और नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें तो गुर्दे की बीमारियों के बढ़ते खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश देता माहे रमजान

निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना रमजान पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोजा (व्रत) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ्तारी कर रोजदार लोग अपना रोजा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्एक वर्ष रमजान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोजा इफ्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोजा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग कुरआन की तरावीह (नमाज -इबादत) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुंच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोजा रखकर मुहब्बत का पैगाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक गैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमजान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोजा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह-ए - रमजान में पांच रोजे रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोजा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोजदारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर जिले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ्तार की दावत दे कर श्रद्धा, सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोजदारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का ज्वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहां गत 40 वर्षों से रोजा रखने वालों के लिए इफ्तार तैयार किया जाता है। यहां के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोजदार भाइयों को इफ्तार कराकर उन्हें रोजा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रखते आ रहे हैं। उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोजा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गई। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोजा इफ्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुए। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज तरावीह छोड़ दी और फौरन एक साथ मौके पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मजबूत किया। जहां मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सच्ची इबादत बताया वहीं हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे। देश के विभिन्न भागों से रमजान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक खबरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के नगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोजदारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिए इफ्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीटड्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोजा इफ्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ मांगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफी लोक. प्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमजान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोजदारों के लिए इफ्तार का इंतजाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोजदारों को इफ्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ्तार का सामान (पकवान) घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोजदारों में वही इफ्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमजान के दौरान वह रोजाना इफ्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज इफ्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लड़ाकू विमान अपग्रेड : भारत का वायु रक्षा में क्रांतिकारी कदम

रजनीश कपूर

उन्नत माध्यमिक लड़ाकू विमान द्ध।डबऋ को 5।5वीं और छठी पीढ़ी में अपग्रेड करनाभारत की रक्षा क्षमताओं में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। हाल के वर्षों में, भारत ने अपनी वायु सेना को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी तकनीकों पर जोर दिया है। 'एमका' कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 2026 तक, 'एमका' को 5.5वीं पीढ़ी और आगे छठी पीढ़ी के स्तर तक अपग्रेड करने की योजना ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। इस योजना के तहत, नई स्टेल्थ तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्ध।प्ऋ के उपयोग पर जोर दिया गया है। सवाल उठता है कि क्या यह भारत की वैश्विक वायु क्षेत्र में स्थिति को कैसे मजबूत करेगा और क्या यह अमेरिका तथा चीन से मुकाबला करने में सक्षम होगा?

'एमका'कार्यक्रम की शुरुआत 2011 में हुई थी, जब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन DRDO की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी ADA ने पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट विकसित करने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि, 'एमका' एक ट्विन-इंजन, सिंगल-सीट विमान है, जिसका वजन लगभग 27 टन है और यह मैक 2.15 की गति से उड़ान भर सकता है। डा. संस्करण GEF414 इंजन का उपयोग करेगा, जबकि Mk2 को 110-120 kN थ्रस्ट वाले नए इंजन से लैस किया जाएगा, जो फ्रांस की साफरान या अन्य साझेदारों के साथ सह-विकासित होगा। 2026 तक, 'एमका' Mk2 को 5.5वीं पीढ़ी का दर्जा दिया जा रहा है, जिसमें छठी पीढ़ी की विशेषताएं जैसे AI-संचालित इलेक्ट्रॉनिक पायलट और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस शामिल हैं। इसका प्रोटोटाइप रोलआउट 2028 के अंत तक और पहली उड़ान 2029 में होने की उम्मीद है, जबकि इंडक्शन 2035 तक हो सकता है। यह अपग्रेड भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जो पांचवीं पीढ़ी के विमान संचालित करते हैं। जानकारों का मानना है कि 'एमका'में अपनाई जा रही नई स्टेल्थ तकनीक भारत की वायु रक्षा को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगी। स्टेल्थ का मतलब है रडार से बचाव, जो विमान को दुश्मन की नजरों से छिपा कर रखता है। 'एमका'में डाइवर्टरलेस सुपरसो. निक इनलेट DSI, सर्पेंटाइन एयर इनटेक डक्ट और उन्नत रडार-एब्जॉर्बेंट मटेरियल्स का उपयोग किया जा रहा है। ये विशेषताएं रडार सिग्नेचर को न्यूनतम करती हैं, जिससे विमान दुश्मन के वायु रक्षा सिस्टम को भेद सकता है। उदाहरण के लिए, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी ने हाल ही में एक नए इंटेक डिजाइन का विकास किया है, जो 98 प्रतिशत प्रेशर रिकवरी सुनिश्चित करता है, जो स्टेल्थ और इंजन दक्षता के बीच संतुलन भी बनाता है। यह तकनीक 'एमका'को चीनी श्र-20 या अमेरिकी F-35 जैसे विमानों से बेहतर छिपाव प्रदान करेगी। गौरतलब है कि 'एमका'में 'इलेक्ट्रॉनिक पायलट' नामक AI-सिस्टम होगा, जो पायलट के साथ सहयोगी की भूमिका निभाएगा। यह ।प्खतरे का पता लगाने, रूट ऑप्टिमाइजेशन, कॉम्बैट स्ट्रैटेजी और मिशन प्लानिंग में मदद करेगा। इसके अलावा, AI-आधारित प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस से विमान की उपलब्धता दर 75 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जो वर्तमान विमानों से कहीं अधिक है। सेंसर फ्यूजन और नेटवर्क-सेंट्रिक वारफेयर सिस्टम 'एमका' को ड्रोन स्वार्म्स और अन्य प्लेटफॉर्म्स के साथ एकीकृत करेगा। यह छठी पीढ़ी की दिशा में कदम है, जहां AI स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अपग्रेड भारत की वायु सेना को आधुनिक युद्धों में बढ़त देगा, जहां AI और स्टेल्थ निर्णायक कारक हैं।

रक्षा विशेषज्ञ यह सवाल भी उठा रहे हैं कि इस अपग्रेड से भारत की वैश्विक वायु क्षेत्र में स्थिति कैसे सुधरेगी? यह स्वदेशी तकनीक पर निर्भरता बढ़ाएगा, जो आयात पर निर्भरता कम करेगा। वर्तमान में, भारतीय वायु सेना में स्क्वाड्न की कमी है, और 'एमका'इस कमी को पूरा करेगा। स्टेल्थ और AI से लैस 'एमका'भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मजबूत डिटरेंस प्रदान करेगा। चीन के साथ सीमा विवादों में, 'एमका' J-20 का मुकाबला कर सकेगा, जो वर्तमान में भारत के लिए चुनौती है। पाकिस्तान के चीनी श्र-10 या JF-17 के खिलाफ भी यह श्रेष्ठ होगा। वैश्विक स्तर पर, 'एमका'भारत को क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे गठबंधनों में मजबूत भागीदार बनाएगा। यह एशिया में पावर बैलेंस को भारत के पक्ष में झुका सकता है, क्योंकि यह चौथा देश होगा जो स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का विमान विकसित करेगा।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के F-22 और F-35 परिपक्व तकनीक वाले लड़ाकू विमान हैं, जिनमें दशकों का अनुभव है। 'एमका'की स्टेल्थ और AI विशेषताएं F-35 से तुलनीय हैं, लेकिन उत्पादन और संचालन अनुभव की कमी एक कमजोरी है। हालांकि, 'एमका'की लागत कम होगी और यह भारत की विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप होगा। वहीं चीन के J-20 के खिलाफ, 'एमका'की उन्नत स्टेल्थ और AI बढ़त दे सकती है, खासकर स।ब पर, जहांश्र-20 की संख्या अधिक है, लेकिन 'एमका'की ।प्एकीकरण से भारत गुणवत्ता में आगे निकल सकता है। दावा है कि छठी पीढ़ी की ओर अपग्रेड से 'एमका' अमरीका के 'नेक्स्ट जनरेशन एयर डोमिनेन्स' NGAD या चीनी छठी पीढ़ी कार्यक्रमों से मुकाबला अवश्य कर सकेगा। लेकिन वहीं इस परियोजना में चुनौतियां भी हैं। जैसे कि इंजन विकास में देरी, फंडिंग की कमी और समयसीमा का पालन। इसलिए यदि 'एमका' को एक सफल परियोजना बनाना है तो सरकार को समय पर फंडिंग और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां सुनिश्चित करनी चाहिए। यह न केवल रक्षा बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नई दिल्ली। देश में एलपीजी की 'भारी' कमी को लेकर पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व पार्टी सांसद संजय सिंह और पार्टी नेता जैस्मीन शाह।

चीन ने बेहद शक्तिशाली कार्बन फाइबर को पेश किया

बीजिंग। चीन ने बुधवार को घरेलू स्तर पर विक. सित और बेहद शक्तिशाली टी1200 कार्बन फाइबर बना लिया है। इसका अंतरिक्ष और मानव रोबोट क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाएगा। इस फाइबर का व्यास मानव बाल के दसवें हिस्से से भी कम है, फिर भी इसकी मजबूती साधारण स्टील की तुलना में 10 गुना अधिक है और इसका घनत्व स्टील के घनत्व का केवल एक-चौथाई है। हाई-टेक उद्योगों में इसे अपनाने की गति तेज होने की उम्मीद है। इसके निर्माता 'चीन नेशनल बिल्डिंग मटेरियल ग्रुप कंपनी लिमिटेड' के अनुसार, कंपनी इस केबल के सौ टन की वार्षिक उत्पादन की क्षमता हासिल कर ली है।

कश्मीर का प्रसिद्ध ट्यूलिप गार्डन 16 मार्च से खुलेगा

श्रीनगर। कश्मीर का प्रसिद्ध इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन 16 मार्च को आगंतुकों के लिए खुलने के लिए पूरी तरह तैयार है। डल झील के किनारे स्थित एशिया के सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन को देखने के लिए अभी से हजारों दर्शक घाटी में आने लगे हैं। फ्लोरीकल्चर विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उद्घाटन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और इस साल आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई नई चीजें जोड़ी गई हैं। फ्लोरीकल्चर कश्मीर की निद. शक मथुरा मासूम ने बताया कि विभाग ने अतिरिक्त रंगों और किस्मों के साथ बगीचे को और अधिक आकर्षक बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि हमने इस साल बगीचे को और सुंदर बनाने की कोशिश की है।

अमेरिकी-इजरायली हमलों में 1300 से अधिक ईरानी मारे गए

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत और स्थाई प्रतिनिधि ने कहा: 9669 नागरिक ठिकाने भी हुए नष्ट

न्यूयॉर्क। संरा में ईरान के राज. दूत और स्थाई प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी ने कहा गत 28 फरवरी से अमेरिका-इजरायल के सैन्य हमलों में ईरान में 1300 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और 9669 नागरिक ठिकाने नष्ट हो गए हैं।

इरावानी ने मंगलवार को प्रेस को दिए एक बयान में बताया कि नष्ट किए गए नागरिक ठिकानों में 7943 आवासीय घर, 1617 वाणिज्यिक और सेवा केंद्र, 32 चिकित्सा सुविधाएं, 65 स्कूल और शैक्षणिक संस्थान, रेड क्रिसेंट की 13 इमारतें और कई ऊर्जा आपूर्ति सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे (अमेरिका-इजरायल) जानबूझकर और अंधाधुंध तरीके से मेरे देश के नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। वे अंतर्राष्ट्रीय कानून का कोई सम्मान नहीं कर रहे हैं और इन अपराधों को करने में कोई संयम नहीं दिखा रहे हैं। इरावानी ने कहा कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यह आंकड़ें वास्तविक नहीं हैं, इनमें बढ़ोतरी हो सकती है। ईरान के राजदूत ने नागरिक बुनियादी ढांचों पर हमलों का उल्लेख करते हुए बताया कि शनिवार रात तेहरान और अन्य शहरों में ईंधन भंडारण केंद्रों पर भारी हमले किए गए, जिससे वातावरण में बड़ी मात्रा में खतरनाक और जहरीले प्रदूषक फैल गए हैं। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी का हवाला देते हुए इरावानी ने कहा कि इन विस्फोटों के कारण गंभीर वायु प्रदूषण हुआ और नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर स्वास्थ्य स्थिति वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ये जघन्य हमले अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय दायित्वों का भी उल्लंघन करते हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन और जैविक विविधता पर कन्वेंशन के तहत आने वाले नियम शामिल हैं। इरावानी ने अन्य उदाहरणों का भी जिक्र किया, जिनमें शनिवार तड़के तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे पर हुए हमले शामिल हैं, जिससे कई नागरिक विमान और सुविधाएं नष्ट या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा होर्मोजगन प्रांत के केशम द्वीप पर एक मीठे पानी के संयंत्र पर हमला किया गया, जिससे 30 गांवों की जल आपूर्ति बाधित हो गई। प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि रविवार तड़के इजरायल ने लेबनान के बेरूत में रामादा होटल पर 'जानबूझकर आतंकवादी हमला' किया, जिसमें चार ईरानी राजनयिक मारे गए। उन्होंने कहा कि किसी अन्य संप्रभु राज्य के क्षेत्र में राजनयिकों की लक्षित हत्या एक गंभीर आतंकवादी कृत्य, युद्ध अपराध और अंतर्राष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है।

घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों और महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है

नेटवर्क की तरह काम करता है ईरान का मोजेक डिफेंस सिस्टम

लीडरशिप खत्म, फिर भी जंग लड़ रहा ईरान

तेल अवीव/तेहरान। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच 12 दिनों से जंग जारी है। पहले ही दिन सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद अब तक करीब 50 टॉप अधिकारी हमले में मारे गए हैं। इसके बावजूद ईरान दावा कर रहा है कि वह लंबे समय तक जंग लड़ सकता है। इसके लिए ईरान ने एक खास स्ट्रेटजी बनाई है, जिसमें सेना का कमान किसी के पास नहीं बल्कि 7 छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दी गई है। इसके अलावा हर पद के लिए 4 संभावित उत्तराधिकारी पहले से तय कर दिए गए हैं। अमेरिका ने 28 फरवरी को खामेनेई के काम्प्लेक्स पर हमला किया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। इस हमले में खामेनेई की बहू और पोती भी मारी गई थीं। 1 मार्च को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि देश ने दो दशकों तक अमेरिका के युद्धों का अध्ययन किया है। इससे सीख कर ऐसा सुरक्षा ढांचा बनाया गया, जिससे राजधानी पर हमला होने के बाद भी लड़ाई जारी रहे। इसके लिए ईरान ने एक खास स्ट्रेटजी बनाई, जिसका नाम रखा 'डिसेंट्रेलाइज्ड मोजेक डिफेंस'। मोजेक का मतलब टाइल्स (छोटे-छोटे टुकड़ों) से बना हुआ डाइग्राम होता है। ठीक वैसे ही इस रणनीति में ईरान की पूरी सैन्य कमान और क्षमता को केंद्रीकृत नहीं रखा जाता, बल्कि 7 छोटे-छोटे, स्वतंत्र हिस्सों में बांट दिया जाता है। इससे अगर दुश्मन टॉप लीडरशिप, सेंट्रल कमांड सेंटर, या बड़े हेडक्वार्टर पर हमला करके उन्हें नष्ट भी कर दे, तब भी बाकी सिस्टम टूटता नहीं है और लड़ाई जारी रख सकता है। डिसेंट्रेलाइज्ड मोजेक डिफेंस इस्लामिक रिवाल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) से सबसे ज्यादा जुड़ी हुई है। यह पूर्व कमांडर मोहम्मद अली जाफरी (2007-2019) के समय विक. सित हुई। इस ढांचे में आईआरजीसी, बसीज मिलिशिया, नियमित सेना, मिसा. इल यूनिट, नौसेना और स्थानीय कमांड संरचनाएं एक नेटवर्क की तरह काम करती हैं। संचार टूटने की स्थिति में भी स्थानीय यूनिट्स को कार्रवाई की स्वतंत्रता रहती है। ईरान ने अलग-अलग संस्थाओं को अलग-अलग रोल दिए हैं।

■ लीडरशिप 7 टुकड़ों में ताकत बांट रखी है, हर अहम पद के लिए 4 उत्तराधिकारी पहले से तय
■ सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद अब तक करीब 50 टॉप अधिकारी हमले में मारे गए

1 रेगुलर आर्मी (आर्टेश):
पहले झटके को सहन करती है। आर्मड, मैकेनाइज्ड और इन्फैंट्री यूनिट्स दुश्मन के एडवांस हमलों को स्लो करती हैं। फ्रंट को स्टेबलाइज करती हैं।

2 एयर डिफेंस यूनिट्स:
छिपाव, धोखा और डिस्पर्सल (फैलाव) से दुश्मन की एयर सुपीरियरिटी को जितना हो सके रोकती हैं।

3 आईआरजीसी:
मुख्य रोल दूसरे स्टेज में। डिसेंट्रेलाइज्ड आपरेशंस, घात, लोकल रेसिस्टेंस, सप्लाई लाइन्स डिसरप्ट करना, शहरों, पहाड़ों और रिमोट इलाकों में फ्लेक्सिबल गोरिल्ला वार।

3 बसिज मिलिशिया:
बसिज मिलिशिया: इसे 31 प्रांतों में डिवाइड किया गया है, लोकल कमांडरों को ज्यादा आटोनामी (स्वायत्तता) मिली है।

4 नौसेना:
नौसेना: फारस की खाड़ी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एंटी-एक्सेस टैक्टिक्स, फास्ट अटैक क्राफ्ट, माइंस, एंटी-शिप मिसाइल्स से दुश्मन के जहाजों को तबाह करना। मिसाइल फोर्स (आईआरजीसी कंट्रोल: डिटरेंट और डीप स्ट्राइक-दुश्मन के इंफ्रास्ट्रक्चर और मिलिट्री टारगेट्स पर हमला। क्षेत्रीय नेटवर्क (प्राक्सी फोर्सेस-मिडिल ईस्ट में सहयोगी ग्रुप्स (जैसे हिजबुल्लाह, हूती आदि) जंग को ईरान की सीमाओं से बाहर फैलाते हैं, ताकि दुश्मन एक फ्रंट पर फोकस न कर सके। पूर्व ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने 6 अक्टूबर, 2024 को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के एयरोस्पेस बल के कमांडर अमीर अली हाजीजादेह को आर्डर ऑफ विक्टर से सम्मानित किया था। 2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया और 2003 में इराक पर हमला किया। इससे सद्दाम हुसैन का हाईली सेंट्रलाइज्ड रिजीम कुछ ही दिनों में ढह गया। कमांड स्ट्रक्चर पर हमला हुआ और सब कुछ बिखर गया। ईरान ने देखा और सीखा कि सेंट्रल कमांड पर निर्भर रहना खतरनाक हो सकता है। ईरान ने अपनी सेना को और सेंट्रलाइज्ड नहीं बनाया, बल्कि छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा। ईरान जानता है कि दुश्मन की कन्वेंशनल ताकत (एयर पावर, टेक्नोलाजी, इंटेलिजेंस) ज्यादा होगी, इसलिए उसने सीधे मुकाबले के बजाए सर्वाइवल यानी जंग को लंबी खींचने और दुश्मन को थकाने वाली स्ट्रेटजी अपनाई।

ईरानी दूतावास को सौंपें अमेरिकी हमले में मृतकों के शव: श्रीलंकाई अदालत

कोलंबो। श्रीलंका की एक अदालत ने बुधवार को को आदेश दिया कि अमेरिकी हमले में मारे गए 84 ईरानी नागरिकों के शवर ईरान के दूतावास को सौंप दिए जाएं। इन शवों को फिलहाल गाले राष्ट्रीय अस्पताल के दो फ्रीजर कंटेनर्स में रखा गया है। गाले के मुख्य मजिस्ट्रेट समीर दोडांगोडा ने अस्पताल के निदेशक को आदेश दिया कि सभी शव ईरान के दूतावास को सौंप दिए जाएं। यह आदेश गाले हार्बर पुलिस के अनुरोध पर जारी किया गया। पिछले बुधवार को श्रीलंका ने बताया था कि अमेरिकी पनडुब्बी के हमले में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना के डूबने के बाद 84 ईरानी नागरिकों के शव बरामद किए गए। यह घटना श्रीलंका के दक्षिणी तट पर गाले के पास हुई थी। यह जहाज विशाखापत्तनम से ईरान लौट रहा था। आईआरआईएस ने एक नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लिया था। इन शवों को बाकी बचे हुए 32 लोगों के साथ गाले के करापिटिया स्थित राष्ट्रीय अस्पताल लाया गया था। इससे पहले श्रीलंका सरकार ने कहा था कि हालात बेहतर होने तक शवों को देश में ही रखा जाएगा, ताकि बाद में उन्हें उनके देश भेजा जा सके।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह सुरक्षित'

तेहरान। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर जारी अटकलों के बीच को एक बड़ा स्पष्टीकरण सामने आया है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के पुत्र, यूसुफ पेज. शकियन ने बुधवार को पुष्टि की कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ' हैं।

पेजेशकियन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कुछ मित्रें, जिनके 'उच्च स्तर पर संपर्क' हैं, उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया है कि सर्वोच्च नेता स्वास्थ्य एवं सुरक्षित हैं उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि पिछले दिनों ईरान पर हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमलों में मोजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। नियुक्ति के 48 घंटों बाद भी उनके सार्वजनिक रूप से सामने न आने के कारण इन अफवाहों को और बल मिला था।

■ राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के पुत्र ने चोटिल होने की खबरों का किया खंडन

ताकाइची की 'युद्ध नीतियों' के खिलाफ टोक्यो में भारी प्रदर्शन

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की सरकार की सैन्य विस्तार की नीतियों के विरोध में मंगलवार रात टोक्यो में हजारों लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इन हजारों प्रदर्शनकारियों ने नेशनल डाइट (जापान की संसद) के बाहर जमा होकर मिसाइलों की तैनाती और घातक हथियारों के निर्यात में ढील देने के सरकारी फैसलों की कड़ी निंदा की। कड़ाके की ठंड के बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने 'युद्ध को ना' और 'संविधान कुचलना बंद करो' जैसे नारों वाली तख्तियां थाम रखी थीं।

ईरान की बैकों पर हमले की चेतावनी

गूगल और माइक्रोसॉफ्ट भी निशाने पर

तेहरान। ईरान ने एक बड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह क्षेत्र में स्थित अमेरिका और इजरायल से जुड़े आर्थिक केंद्रों, बैंकों और गूगल एवं माइक्रोसॉफ्ट जैसी अमेरिकी कंपनियों को भी निशाना बना सकता है। यह बयान कथित तौर पर एक ईरानी बैंक पर हुए हमले की प्रतिक्रिया में आया है।

ईरान में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से संबद्ध 'खतम अल-अंबिया' मुख्यालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि एक ईरानी बैंक पर हुए हमले के बाद अब दुश्मन के वित्तीय संस्थान उनके निशाने पर हैं। ईरान ने क्षेत्र के नागरिकों को सलाह दी है कि वे सुरक्षा के लिहाज से इन बैंकों के एक किलोमीटर के दायरे से दूर रहें। इसके साथ ही, ईरान ने उन दिग्गज अमेरिकी तकनीकी कंपनियों की सूची जारी की है जिनकी तकनीक का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। इनमें गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, आईबीएम और ओरेकल जैसी कंपनियां शामिल हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, इन कंपनियों के इजरायल और कुछ खाड़ी देशों में स्थित कार्यालय और क्लाउड-आधारित बुनियादी ढांचे अब ईरान के 'वैध सैन्य लक्ष्य' हैं। ईरान का कहना है कि जैसे-जैसे युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, वह अपने हमलों का विस्तार आर्थिक और तकनीकी संपत्तियों तक करने के लिए मजबूर है। रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों के कार्यालय और क्लाउड सेवाओं से संबंधित बुनियादी ढांचे इजरायल के कई शहरों के साथ-साथ कुछ खाड़ी देशों में भी स्थित हैं, जो अब ईरानी हमलों के जोखिम के दायरे में आ गए हैं। ईरानी अधिकारियों ने पहले ही चेतावनी दी है कि यदि उनके ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले जारी रहे, तो वे क्षेत्र की तेल सुविधाओं को निशाना बनाएंगे, जिससे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

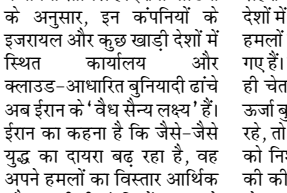

■ यह बयान कथित तौर पर एक ईरानी बैंक पर हुए हमले की प्रतिक्रिया में आया

किम जोंग उन ने क्रूज मिसाइल परीक्षण का किया निरीक्षण

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए युद्धपोत से किए गए क्रूज मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 11 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' शुरू किया है। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास का कड़ा विरोध कर रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों का प्रक्षेपण नए 5000 टन वर्ग के 'चोए ह्योन' विध्वंसक युद्धपोत से नाम्पो तट के पास किया गया, जहां जहाज के प्रदर्शन परीक्षण चल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइलें करीब 2 घंटे 50 मिनट तक तय मार्ग पर उड़ती रहीं और कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पीले सागर के ऊपर से गुजरते हुए अपने निर्धारित लक्ष्यों को भेद दिया।

लेबनान में इजरायली हमलों में कम से कम 19 की मौत

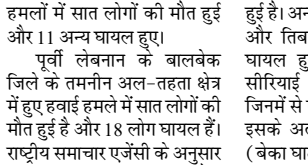

■ बराशीत में दो सीरियाई नागरिक घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है

बेरूत। लेबनान में इजरायली हमलों में कम से कम 19 लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रलय के अनुसार दक्षिणी लेबनान के अल-शहाबिया में रातभर चले हमलों में सात लोगों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हुए।

पूर्वी लेबनान के बालबेक जिले के तमनीन अल-तहता क्षेत्र में हुए हवाई हमले में सात लोगों की मौत हुई है और 18 लोग घायल हैं। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार दक्षिणी लेबनान के बित जुबैल जिले के सफ अल-हवा इलाके में एक एसयूवी पर इजरायली ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। इसी तरह नबतिएह में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि बेका घाटी के जलाया क्षेत्र में भी एक व्यक्ति के मारे जाने की पुष्टि हुई है। अन्य ड्रोन हमलों में बराशीत और तिबनिन क्षेत्रें में कई लोग घायल हुए हैं। बराशीत में दो सीरियाई नागरिक घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। इसके अलावा अली अल-नहरी (बेका घाटी) में हुए हमले में पांच लोग घायल हुए हैं। लेबनान के सामाजिक मामलों के मंत्रलय के अनुसार इजरायली हमलों के बाद अब तक लगभग 7-8 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं, जिनमें से करीब 1-2 लाख लोग सरकारी राहत केंद्रों में रह रहे हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना यूनिफिल ने सीमा से लगे अल्मा अल-शाब शहर से अपने कर्मियों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। यह ईसाई बहुल शहर इजरायल सीमा के पास स्थित है, जहां इजरायली सेना की चेतावनियों के बावजूद कई निवासी अब तक वहां से नहीं गए थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई कार्गो जहाज पर हमला, 20 लोग बचाए गए

बैंकॉक। ईरान इजरायल-अमेरिका युद्ध में महत्वपूर्ण हो चले समुद्री रास्ते होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड की एक कार्गो जहाज पर बुधवार को हमला होने के बाद चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान ले जाया गया है। रॉयल थाई नेवी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसमें शामिल जहाज मयूरी नारी है और यह बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा की एक बंदरगाह से निकला था। होर्मुज इलाके में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे उस पर हमला हुआ। घटना के बाद, रॉयल थाई नेवी तुरंत बचाव कार्य में जुट गई। बचाए गए थाई चालक दल के सदस्यों को ओमान के खासाब पहुंचाया है। अधिकारी बाकी तीन सदस्यों की तलाश जारी रखे हुए हैं। थाई नौसेना ने कहा कि हमले की सही वजह की जांच की जा रही है।

गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है क्यूबा: संरा

हम ईंधन आयात करने में असमर्थता के कारण बिगड़ती स्थिति को लेकर गहराई से चिंतित: स्टीफल

न्यूयॉर्क। क्यूबा में ईंधन की कमी ने एक मानवीय संकट पैदा कर दिया है, जिससे इस द्वीपीय देश की स्वास्थ्य प्रणाली एक नाजुक मोड़ पर पहुंच गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम ईंधन आयात करने में असमर्थता के कारण बिगड़ती स्थिति को लेकर गहराई से चिंतित हैं।

इसने ऊर्जा संकट को जन्म दे दिया है। उन्होंने एक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र बिना किसी बाधा के क्यूबा तक सहायता पहुंचाने के लिए अमेरिका सहित सदस्य देशों के साथ बात. चीत कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि अस्पतालों को बार-बार बिजली कटौती, आवश्यक दवाओं की कमी और महत्वपूर्ण उपकरणों को चलाने में असमर्थता का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कैंसर उपचार, डायलिसिस, आपातकालीन सेवाओं, शिशु और मातृ देखभाल, कोल्ड-चेन सिस्टम के साथ-साथ पुरानी और गैर-जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं में भारी व्यवधान आ रहा है। कार्यालय ने बताया कि लगभग 16000 कैंसर रोगियों को रेडियोथेरेपी की आवश्यकता है और कीमोथेरेपी पर निर्भर 12000 से अधिक लोगों को बिजली कटौती और संसाधनों की कमी के कारण आवश्यक उपचार नहीं मिल पा रहा है। एम्बुलेंस को ईंधन पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे आपातकालीन देखभाल में देरी हो रही है। ओसीएचए के अनुसार, लगभग दस लाख लोग टैंकर ट्रकों द्वारा पहुंचाए जाने वाले पानी पर निर्भर हैं, जिनके लिए ईंधन की आवश्यकता होती है। पानी पंप करने वाले 80 प्रतिशत से अधिक बुनियादी ढांचे बिजली पर निर्भर हैं, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर और लंबे समय तक सेवा बाधित हो रही है। कार्यालय ने कहा कि उत्पादन से लेकर भंडारण और वितरण तक खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाएं तेजी से प्रभावित हो रही हैं। 'कोल्ड-चेन सिस्टम' विफल हो रहे हैं, परिवहन बाधित हो रहे हैं और देश भर में बुनियादी खाद्य पदार्थों की उपलब्धता में कमी आ रही है। अमेरिकी प्रशासन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह क्यूबा में कुछ तेल की अनुमति दे रहा है, लेकिन इसे केवल निजी क्षेत्र को बेचा जा सकता है, सरकार को नहीं। अमेरिका ने वेनेजुएला से क्यूबा जाने वाले तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था।

■ अमेरिका ने वेनेजुएला से क्यूबा जाने वाले तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था

खाड़ी देशों पर हमले को समर्थन नहीं

बीजिंग। चीन ने खाड़ी देशों पर हमलों का विरोध करते हुए क्षेत्र में तनाव कम करने और शांति बहाल करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने की बात कही है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को कहा कि चीन खाड़ी देशों पर हमलों का समर्थन नहीं करता है और नागरिकों तथा गैर-सैन्य लक्ष्यों पर होने वाले अंधाधुंध हमलों की निंदा करता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति में सबसे बड़ी प्राथमिकता शत्रुता और संघर्ष को और फैलने से रोकना है। चीन संबंधित पक्षों के साथ सहयोग बढ़ाकर क्षेत्र में तनाव कम करने और शांति स्थापित करने के प्रयास जारी रखेगा। गौरतलब है कि क्षेत्र में तनाव 28 फरवरी को उस समय बढ़ गया था जब अमे. रिका और इजरायल ने ईरान के कई ठिकानों, जिनमें तेहरान भी शामिल है, पर हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इसी बीच होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में भी तनाव बना हुआ है। दुबई से लगभग 50 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में बुधवार को एक मालवाहक जहाज पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया, जिससे वह इस क्षेत्र में हाल के दिनों में निशाना बनाए गए तीसरे जहाज के रूप में सामने आया। ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) के अनुसार जहाज के चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी पर्यावरणीय क्षति की सूचना नहीं है। इससे पहले ओमान के मुसंदम प्रायद्वीप के उत्तर में एक कार्गो जहाज में आग लगने के कारण उसे खाली कराना पड़ा था, जबकि संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक अन्य जहाज भी क्षतिग्रस्त हुआ था।

■ शांति बहाल करने पर काम जारी रखेंगे : चीन

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108